THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 329 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.8, 2082 मंगलवार, 24 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

काठमांडू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

'एआई समिट की दुनिया में तारीफ'

> पीएम मोदी ने कहा-पूरी मानवता को फायदा होगा

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हाल ही में संपन्न एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में भारत की क्षमता की पूरी दुनिया ने दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह साबित करता है कि तकनीक के क्षेत्र में भारत के युवा प्रतिभाओं की सोच मानवता के लिए फायदेमंद साबित होगी। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का समापन 'एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणा' को अपनाने के साथ हुआ। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

भारतीय युवाओं की सोच पूरी मानवता के लिए फायदेमंद :
प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, दिल्ली में आयोजित ऐतिहासिक एआई समिट में पूरी दुनिया ने भारत की क्षमता की दिल खोलकर सराहना की। यह दर्शाता है कि तकनीक के क्षेत्र में हमारे युवा टैलेंट की सोच पूरी मानवता के लिए बहुत लाभकारी साबित होने वाली है। एआई समिट के 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' को 89 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ है, जो आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई के उपयोग पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाता है।

दुनिया के शीर्ष नेता एआई सम्मेलन में शामिल हुए :
नई दिल्ली में आयोजित एआई सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन सहित दुनिया भर की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शामिल हुए। इनके अलावा श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायके, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिलाय, एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस और फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ऑर्पो ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' थीम पर आधारित इस समिट का उद्देश्य भारत को एआई के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना था। इसका विजन ऐसा भविष्य गढ़ना है जिसमें एआई मानवता की उन्नति, समावेशी विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे।

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा

सेना बोली-326 दिन तक ऑपरेशन चलाया, 7 आतंकी मारे

श्रीनगर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था। सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरूआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था।

केंद्र सरकार ने जारी की भारत की पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी नीति

नागरिकों के हितों की रक्षा पर जोर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आज यानी सोमवार को भारत की पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति 'प्रहार' जारी की। 'प्रहार' इन्हीं मूल सिद्धांतों पर आधारित है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय नागरिकों और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए आतंकी हमलों को रोकना है। रणनीति में कहा गया है कि किसी भी खतरे के जवाब में त्वरित और खतरे के अनुरूप संतुलित कार्रवाई की जाएगी। नीति के तहत पूरे सरकारी तंत्र की आंतरिक क्षमताओं को एकजुट कर मिलकर काम करने पर जोर दिया गया है। साथ ही, मानवाधिकारों और कानून के शासन के आधार पर प्रक्रियाओं का पालन करते हुए खतरों को कम करने की बात कही गई है। रणनीति में कट्टरपंथ समेत आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों को कमजोर करने पर भी बल दिया गया है। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के साथ तालमेल और उन्हें दिशा देने की बात शामिल है।

भारतीय नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने की सलाह

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने जारी की नई एडवाइजरी

तेहरान, 23 फरवरी (एजेंसियां)। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने की सलाह दी है। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव गहराने के बाद युद्ध के आसार के चलते यह एडवाइजरी जारी की गई है। ईरान में रह रहे सभी भारतीयों से अपील की गई है कि वे मौजूद परिवहन विकल्पों का इस्तेमाल करें और तुरंत ईरान छोड़ दें। बता दें कि इससे पहले भी भारत सरकार ने ईरान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द देश छोड़ने के लिए कहा था।

एडवाइजरी में क्या-क्या कहा गया है
भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में कहा, भारत सरकार द्वारा 5 जनवरी 2026 को जारी परामर्श को जारी रखते हुए और ईरान में बदलते हालात के मद्देनजर, जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में रह रहे हैं (छात्र, तीर्थयात्री, बिज़नेस करने वाले लोग और पर्यटक) उन्हें सलाह दी जाती है कि कमर्शियल उड़ान समेत परिवहन के मौजूद तरीकों से ईरान छोड़ दें। 14 जनवरी की एडवाइजरी में दोहराया गया है कि सभी भारतीय नागरिक विरोध-प्रदर्शन वाली जगहों पर जानें से बचें।

हेल्डपलाइन नंबर जारी :
एडवाइजरी के मुताबिक, भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा एवं आव्रजन संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज- जैसे पासपोर्ट और पहचान पत्र, हमेशा अपने पास सुरक्षित रखें। >14

ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए 2300 करोड़ की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों के जरिए लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई। आरोपियों ने 2300 करोड़ रुपये की आपराधिक आय एकत्रित की। इसके बाद दुबई में संपत्तियां खरीदी गई व क्रिप्टो में भी पैसा लगाया गया। ईडी ने इस मामले की जांच के लिए कई राज्यों में 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की है। रेड के दौरान नकदी, सोने की सिल्लियां, आभूषण, वाहन, डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरू क्षेत्रीय कार्यालय ने 20 फरवरी को पृथ्वी एन राज, केसी थिप्पेस्वामी, मेसर्स फोनेपैसा पेमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, गुलशन खट्टर, मेसर्स पप्पीज टूर्स एंड ट्रेवल्स एलएलपी, अर्जुन नागभूषण, अभिजीत सज्जन और मेसर्स लॉजिकफोर्ज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत एक पूरक अभियोग शिकायत दर्ज की है। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ गतिविधियों से संबंधित इस मामले केसी वीरेंद्र, मुख्य आरोपी है। >14

तिरुपति लड्डू विवाद पर सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज

> सीजेआई की पीठ ने कहा-पर्याप्त आधार नहीं

नई दिल्ली, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति के तिरुमला मंदिर में प्रसादम लड्डू बनाने में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट मामले से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज कर दी है।

स्वामी ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा एसआईटी रिपोर्ट की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति गठित करने के फैसले को चुनौती दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिका को पर्याप्त आधार के अभाव में खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से गठित एक सदस्यीय समिति की प्रशासनिक जांच आपराधिक कार्यवाही से ओवरलैप नहीं करेगी, क्योंकि दोनों की जांच का दायरा स्पष्ट रूप से अलग-अलग निर्धारित है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रशासनिक जांच और चार्जशीट से संबंधित आपराधिक प्रक्रिया में किसी तरह का टकराव या हितों का टकराव नहीं है। ऐसे में दोनों प्रक्रियाएं कानून के अनुसार समानांतर रूप से चल सकती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच और पूछताछ के दायरे को स्पष्ट रूप से तय किया गया है, इसलिए कार्यवाही के ओवरलैप होने की आशंका नहीं बनती।

एसआईटी की जांच में क्या आया सामने :
बता दें कि एसआईटी की जांच में सामने आया है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को घी बताकर जो सामान बेचा गया, वह असल में केमिकल से प्रोसेस किया हुआ पामोलिन तेल और अन्य चीजें थीं। अब ईडी यह पता लगाएगी कि आरोपियों ने मिलावटी घी बेचकर पैसे कैसे कमाया। एजेंसी को शक है कि इसमें हवाला के जरिए पैसों का लेन-देन हुआ है और फंड का गलत इस्तेमाल किया गया है।

तमिलनाडु में मतदाता सूची में बड़ी छंटनी

एसआईआर के बाद 97 लाख नाम हटे, अब कुल मतदाता संख्या पांच करोड़ 43 लाख

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस बड़े अभियान में 97 लाख 37 हजार 831 नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। संशोधित सूची के अनुसार अब राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 43 लाख रह गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी अलग-अलग जिलों के आंकड़े जारी कर रहे हैं। यह कार्रवाई चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत की गई है।

इस पुनरीक्षण का मकसद मतदाता सूची को साफ और सही बनाना है। अधिकारियों के अनुसार हटाए गए नामों में बड़ी संख्या मृत मतदाताओं की है। करीब 66 लाख नाम अलग-अलग कारणों से हटाए गए हैं। जिन लोगों का नाम गलती से कट गया है या जो नए मतदाता हैं, वे फॉर्म-6 भरकर दोबारा आवेदन कर सकते हैं। आयोग का कहना है कि हर पात्र नागरिक को वोट देने का अधिकार मिलेगा, लेकिन सूची में गलत या दोहराव वाले नाम नहीं रखे जाएंगे। पुनरीक्षण के दौरान 12 लाख 43 हजार 363 लोगों को नोटिस भेजे गए। जिनके नाम, पते या अन्य विवरण में गड़बड़ी मिली, उनसे दस्तावेज और स्व-घोषणा पत्र मांगा गया। हटाए गए नामों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय, उपखंड कार्यालय और शहरी वार्ड दफ्तरों में चस्पा की गई। जिनका नाम हटाया गया, उन्हें 10 दिन के भीतर आपत्ति दर्ज कराने या स्पष्टीकरण देने का मौका दिया गया। यह पूरी प्रक्रिया चुनाव आयोग के 30 जनवरी के निर्देश और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार की गई। जिन नामों में विरोधाभासी या अधूरी जानकारी मिली, उन्हें कारण सहित सार्वजनिक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। इसलिए हर हटाए गए नाम के पीछे का कारण दर्ज किया गया है। तमिलनाडु के साथ ही नौ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी एसआईआर का दूसरा चरण पूरा हुआ।

दूध में मिलावट के कारण चार लोगों की मौत, 14 लोग अस्पताल में भर्ती

राजमंड्री, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश से मिलावट का एक मामला सामने आया है। दरअसल, राजमंड्री शहर में दो दिन में मिलावटी दूध पीने के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। ये सभी लोग पेशाब नहीं होने की समस्या पर अस्पताल में भर्ती कराए गए थे। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात को हॉस्पिटल में इलाज करा रहे दो लोगों की मौत हो गई। इनकी पहचान एस. शेषगिरी राव (72) और राधा कृष्णमूर्ति (74) के तौर पर हुई है, जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इससे पहले दो लोगों की मौत हो चुकी है। ये सभी पीड़ित ईस्ट गोदावरी जिले के राजमंड्री शहर के लाला चेरुवु और चौदेश्वरी नगर इलाकों के रहने वाले हैं।

अब तक 14 लोग अस्पताल में भर्ती
स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, 15 फरवरी से अब तक कम से कम 14 लोगों को एनुरिया के लक्षणों के साथ अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। सभी प्रभावित परिवारों का दूध बेचने वाला एक ही है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को शक है कि दूध में मिलावट की वजह से एनुरिया हुआ है। पीड़ित ज्यादातर बुजुर्ग हैं। बीमार हुए लोगों में एक तीन साल का बच्चा और एक पांच महीने का शिशु भी शामिल है।

प्रभावित परिवारों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि महाशिवरात्रि (15 फरवरी) को दूध बेचने वाले ने जो दूध और दही दिया था, उसका स्वाद कड़वा था। पुलिस ने पूछताछ के लिए दूध बेचने वाले गणेश को हिरासत में लिया है। ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कीर्ति चेकुरी ने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम जांच के बाद पता चलेगा। मामलों की मेडिकल जांच में तेजी लाने के लिए मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट की स्पेशल टीमों को तैनात किया गया है।

हेल्थ और फैमिली वेलफेयर कमिश्नर जी. वीरपांडियन ने कहा कि संदिग्ध एनुरिया मामलों के बाद विभाग अलर्ट पर है। प्रभावित इलाकों से दूध, पानी के सैंपल और दूसरी चीजें इकट्ठा कर रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने सोमवार को एक हाई-लेवल मीटिंग में स्थिति के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। सीएम ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, एसपी, मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट और फूड सेफ्टी अधिकारियों को पीड़ितों को बेहतर इलाज कराने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रपति भवन में लुटियंस की जगह लगाई गई राजाजी की प्रतिमा

✲ राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अनावरण

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में आयोजित 'राजाजी उत्सव' में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने भारत के पहले और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की मूर्ति का अनावरण किया। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि यह मूर्ति अशोक मंडप के पास बनी बड़ी सीढ़ियों पर लगाई गई है। यह मूर्ति वहां पहले से लगी एडविन लुटियंस की मूर्ति की जगह ली है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बदलाव गुलामी की सोच को पीछे छोड़ने की एक कोशिश है। यह भारत की संस्कृति, विरासत और परंपराओं को गर्व के साथ अपनाने का तरीका है। साथ ही, यह उन महान लोगों को सम्मान देने का प्रयास है जिन्होंने अपने असाधारण योगदान से भारत माता की सेवा की।

राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यह कदम देश के इतिहास को बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय नेताओं को पहचान देने की राष्ट्रीय कोशिश का प्रतीक है। सी. राजगोपालाचारी को लोग 'राजाजी' के नाम से जानते हैं। वे एक मशहूर स्वतंत्रता सेनानी, राजनेता और विद्वान थे। उन्होंने 1948 से 1950 तक भारत के आखिरी गवर्नर-जनरल के रूप में काम किया था।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा

डॉक्टरों की योग्यता तय नहीं करती नीट-पीजी परीक्षा

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नीट-पीजी 2025 के लिए क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल कम किए जाने के फैसले का बचाव करते हुए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि नीट पीजी न्यूनतम क्लिनिकल क्षमता का प्रमाणन नहीं करता, बल्कि सीमित स्नातकोत्तर सीटों के आवंटन के लिए मेरिट सूची तैयार करने का माध्यम है। न्यूनतम योग्यता एमबीबीएस डिग्री से ही स्थापित हो जाती है।

नीट पीजी क्षमता नहीं, मेरिट तय करता है :
केंद्र द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि नीट पीजी स्कोर सापेक्ष प्रदर्शन और परीक्षा की संरचना पर आधारित होता है। इसे किसी उम्मीदवार की क्लिनिकल अक्षमता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी अभ्यर्थी लाइसेंस प्राप्त एमबीबीएस डॉक्टर हैं और स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस करने के पात्र हैं।

मरीज सुरक्षा को लेकर उठे सवालों पर क्या जवाब दिया :
पोस्टग्रेजुएट प्रशिक्षण तीन वर्ष का संरचित कार्यक्रम है।

प्रशिक्षण के दौरान उम्मीदवार वरिष्ठ संकाय और विशेषज्ञों की निगरानी में कार्य करते हैं।

अंतिम क्षमता का आकलन एमडी/एमएस परीक्षा में होता है, जहां सिद्धांत और प्रैक्टिकल दोनों में अलग-अलग न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं।

कितनी सीटें थीं खाली :
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और नेशनल मेडिकल कमीशन ने अनुमानित रिक्त सीटों की बड़ी संख्या को देखते हुए कटऑफ घटाने का निर्णय लिया। हलफनामे के अनुसार : शैक्षणिक सत्र 2025-26 में लगभग 70,000 पीजी सीटें उपलब्ध थीं।

2,24,029 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। ऑल इंडिया कोटा की 31,742 सीटों में से दूसरे राउंड के बाद 9,621 सीटें खाली रहीं।

इनमें से 5,213 सीटें सरकारी मेडिकल कॉलेजों (एआईक्यू और डीएनबी सहित) में थीं। कटऑफ घटाने से अतिरिक्त 1,00,054 उम्मीदवार तीसरे राउंड के लिए पात्र हुए, जिससे कुल पात्र अभ्यर्थियों की संख्या 2,28,170 हो गई। तीसरे राउंड के बाद केवल 2,988 सीटें रिक्त रहीं।

पहले भी घटी है कटऑफ :
केंद्र ने कहा कि 2017 में नीट पीजी शुरू होने के बाद से विशेष परिस्थितियों में पर्सेंटाइल में कमी की जाती रही है। वर्ष 2023 में भी सभी श्रेणियों के लिए क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल शून्य तक किया गया था, ताकि सीटें खाली न रहें। >14

नई कूटनीति : दुनिया से संवाद बढ़ाएगी भारतीय संसद

✲ 60+देशों संग बने संसदीय मैत्री समूह

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की संसद ने दुनिया के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 60 से ज्यादा देशों के साथ संसदीय मित्रता समूह (संसदीय मैत्री समूह) बनाने की घोषणा की है। यह जानकारी लोकसभा सचिवालय ने दी है। सचिवालय ने बताया कि इन समूहों में अलग-अलग राजनीतिक दलों के सांसद शामिल होंगे। इसका मकसद भारत की संसद और अन्य देशों की संसदों के बीच सीधा संवाद बढ़ाना है। साथ ही सरकार की पारंपरिक कूटनीति के साथ-साथ अब सांसदों के स्तर पर भी रिश्ते मजबूत किए जाएंगे। इन समूहों की अगुवाई कई वरिष्ठ नेता करेंगे। इनमें रविशंकर प्रसाद, पी.चिदंबरम, राम गोपाल यादव, गौरव गोगोई, कनिमोझी करुणानिधि, मनीष तिवारी, डेरेक ओ ब्रायन, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, सुप्रिया सुले, बैजयंत पांडा, शशि थरूर, अनुराग ठाकुर और हेमा मालिनी जैसे कई प्रमुख सांसद शामिल हैं।

इसके साथ ही सचिवालय ने इस बात की भी जानकारी दी कि जिन देशों के साथ ये मित्रता समूह बनाए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, इस्राइल, मालदीव, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, ब्राजील, वियतनाम, मैक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा यूरोपीय संसद के साथ भी समूह बनाया गया है।

अमित शाह ने की 'भारत टैक्सी' के ड्राइवरों से खास बातचीत

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारत टैक्सी के ड्राइवरों के साथ संवाद किया। इन ड्राइवरों को सम्मानपूर्वक 'सारथी' नाम दिया गया है। अमित शाह के साथ इस विशेष संवाद को मंत्री के ऑफिसियल यू-ट्यूब चैनल पर प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम में उन्होंने टैक्सी चालकों के अनुभव सुने, उनकी समस्याएं जानीं और सहकारिता आधारित इस नए मोबिलिटी मॉडल के भविष्य के विजन पर चर्चा की।

'सारथी ही मालिक' की अवधारणाः अमित शाह ने संवाद के दौरान स्पष्ट किया कि भारत टैक्सी का मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को केवल कर्मचारी तक सीमित न रखकर उन्हें व्यवसाय का मालिक बनाना है। मुनाफे का सीधा लाभः विदेशी फंडेड प्राइवेट कैब एग्रीगेटर्स (जैसे ओला, उबर आदि) के विपरीत, भारत टैक्सी 'जीरो-कमीशन' और 'सर्ज-फ्री प्राइसिंग' मॉडल पर काम करती है। मंत्री ने बताया कि कमाई का 80% हिस्सा सीधे ड्राइवरों के बैंक खाते में जाएगा जबकि 20% हिस्सा प्लेटफॉर्म के विस्तार के लिए रिजर्व रखा जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार का लक्ष्यः वर्तमान में इसके पायलट प्रोजेक्ट को दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। अमित शाह ने घोषणा की है कि अगले 3 वर्षों के भीतर 'कश्मीर से कन्याकुमारी तक' भारत टैक्सी को पूरे देश में रोलआउट किया जाएगा। भारत टैक्सी देश की पहली सहकारिता-आधारित कैब सेवा है। इसे हाल ही में 5 फरवरी 2026 को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था। इसे अमूल, इफ्को, नेफेड और कृभको जैसी देश की शीर्ष 8 सहकारी संस्थाओं द्वारा मिलकर प्रमोट किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम लोगों को सस्ती व सुरक्षित राइड देना और कैब चालकों को शोषण मुक्त माहौल मुहैया कराना है।

अमित शाह की भारत टैक्सी ड्राइवरों से खास मुलाकात

- ड्राइवरों को केवल कर्मचारी नहीं, मालिक बनाना उद्देश्य
- कमाई का 80% हिस्सा ड्राइवरों के बैंक खाते में जाएगा
- अगले 3 वर्षों में पूरे देश में शुरू की जाएगी सेवा

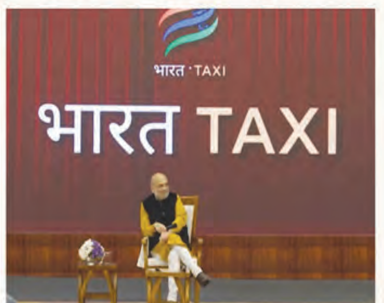

सारथियों (ड्राइवरों) को मिलने वाली विशेष सुविधाएं:

बीमा और सुरक्षाः भारत टैक्सी से जुड़ने वाले प्रत्येक सारथी को 5 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और 5 लाख रुपये का पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।

'सारथी दीदी' पहलः महिला सशक्तिकरण और महिला यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'सारथी दीदी' पहल शुरू की गई है। इसके तहत महिला ड्राइवर (टू-व्हीलर) विशेष रूप से महिला यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी।

अब आप सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि मालिक हैं

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्राइवेट कैब कंपनियां सिर्फ अपने बड़े मालिकों की जेब भरती हैं। वहां आपकी मेहनत की कमाई का 30% हिस्सा वे लोग काट लेते थे और कमाई की कोई गारंटी भी नहीं होती थी। उन्होंने कहा, हमारी सोच एकदम सीधी है- जो पसीना बहाए, असली मुनाफा भी उसी को मिले, किसी बड़े सेठ को नहीं। भारत टैक्सी भी अपने मालिकों को ही अमीर बनाना चाहती है लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि यहां आप ही इसके असली मालिक हैं।

मिलकर काम करने की ताकत ही सहकारिता है

अमित शाह ने समझाया, अगर आप सहकारिता का मतलब समझ लेंगे तो आपके सारे सवाल खुद ही खत्म हो जाएंगे। इसका सीधा सा मतलब है कि सबका मिलकर काम करना और जो भी कमाई हो उसकी बराबर हिस्सेदारी। अमूल इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। इसे किसी बड़े सेठ ने नहीं बल्कि गुजरात की 36 लाख आम महिलाओं ने मिलकर खड़ा किया है। शुरुआत में इन महिलाओं ने सिर्फ 50-50 रुपये मिलाकर इसे शुरू किया था। धीरे-धीरे और लोग जुड़ते गए और आज यही कंपनी 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस कर रही है।

बातचीत के कुछ प्रमुख अंश

संवाद के दौरान ड्राइवरों ने अपनी दैनिक चुनौतियों, कमाई, एप पर अनुभव और अपेक्षाओं को मंत्री शाह के सामने रखा। अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी का लक्ष्य ड्राइवरों की आय और गरिमा बढ़ाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार खुद टैक्सी सेवा नहीं चला रही है बल्कि सहकारी संस्था को बल दे रही है, जिसके मालिक ड्राइवर खुद हैं। ड्राइवरों को आश्वासन दिया कि प्लेटफॉर्म आगे भी उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहेगा। इसके अलावा समय-समय पर सुधार व नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। ड्राइवरों ने अपने अनुभव साझा किए। इनमें कई ड्राइवरों ने कहा कि इससे उन्हें पहले से अधिक स्वतंत्रता व आर्थिक लाभ मिला है। अमित शाह ने कहा कि अभी तक भारत टैक्सी में 2.5 लाख ड्राइवर इस सेवा में रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

खबरें जरा हटके

ताश के खेल से ऐसा लगाव, खेलते-खेलते ही गई जान! फिर लोगों ने ताश खेलकर ही दी अंतिम विदाई

राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के नोहर से एक अलग तरह की खबर सामने आई है। यहां 97 साल के मांगीलाल सैनी को उनके दोस्तों ने अनोखे अंदाज में अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार के बाद शमशान घाट में ही ताश की बाजी खेली गई। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन जो लोग मांगीलाल सैनी को जानते थे, वे कहते हैं कि इससे बेहतर श्रद्धांजलि हो ही नहीं सकती थी। बताया जा रहा है कि मांगीलाल सैनी को ताश खेलने का बहुत शौक था। उम्र 97 साल की थी, लेकिन रोज दोस्तों के साथ बैठकर ताश खेलना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। कल भी वे अपने साथियों के साथ ताश खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उनका निधन हो गया। साथ बैठे लोगों के लिए यह पल किसी झटके से कम नहीं था।

अंतिम संस्कार के बाद जब सब लोग शमशान घाट पर ही बैठे थे, तब उनके साथियों ने फैसला किया कि मांगीलाल को उसी अंदाज में याद किया जाए, जैसा उन्हें पसंद था। फिर वहीं शमशान घाट में ताश की गड्डी खोली गई। कुछ देर के लिए सबने बाजी लगाई। कोई शोर नहीं, कोई हंसी मजाक नहीं, बस चुपचाप पत्ते चलते रहे। साथियों का कहना था कि यह खेल नहीं, अपने दोस्त को आखिरी सलाम था। नोहर इलाके में यह अनोखी श्रद्धांजलि चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोग इसे भावनात्मक जुड़ाव बता रहे हैं, तो कुछ इसे दोस्ती की मिसाल कह रहे हैं। परिजनों ने भी इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उनका कहना है कि मांगीलाल सैनी को ताश से बहुत लगाव था। अगर उनके दोस्त ताश खेलकर उन्हें याद कर रहे हैं तो इसमें बुरा क्या है। 97 साल की लंबी उम्र जीने वाले मांगीलाल सैनी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका ताश का शौक और दोस्तों का साथ उन्हें यादगार बना गया।

कालेश्वरम मंदिर के शिवलिंग में समा जाता है हजारों लीटर पानी, क्या है इसका यमराज से नाता

भारत को देवभूमि कहा जाता है जहाँ कण-कण में भगवान का वास माना जाता है। यहाँ कई ऐसे मंदिर हैं जो अपनी विशिष्ट परंपराओं और चमत्कारों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक है तेलंगाना के जयशंकर भूपालपल्ली जिले में स्थित 'श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर'. यह मंदिर न केवल अपनी प्राचीन वास्तुकला बल्कि एक अद्भुत आध्यात्मिक रहस्य के लिए भी जाना जाता है जो इसे दुनिया के अन्य शिव मंदिरों से बिल्कुल अलग बनाता है।

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ एक ही पत्थर (पीठ) पर दो शिवलिंग स्थापित हैं। आमतौर पर किसी भी मंदिर के गर्भगृह में एक ही मुख्य शिवलिंग होता है लेकिन यहाँ की महिमा निराली है। इन दो शिवलिंगों में से एक को 'कालेश्वर' यानी मृत्यु के देवता यमराज माना जाता है और दूसरे को 'मुक्तेश्वर' यानी स्वयं भगवान शिव. पौराणिक कथाओं के अनुसार यमराज ने यहाँ भगवान शिव की घोर तपस्या की थी। जब महादेव प्रसन्न हुए तो यमराज ने वरदान माँगा कि जो भी भक्त यहाँ आए वह पहले यमराज के दर्शन करे और फिर महादेव के. यही कारण है कि आज भी श्रद्धालु पहले कालेश्वर और फिर मुक्तेश्वर की पूजा करते हैं। इस मंदिर से एक ऐसा गहरा रहस्य जुड़ा है जिसने विज्ञान को भी सोच में डाल दिया है। मुक्तेश्वर शिवलिंग में दो सूक्ष्म छिद्र हैं। भक्त श्रद्धा के साथ इनमें हजारों लीटर जल और दूध अर्पित करते हैं लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि ये छिद्र कभी भरते नहीं हैं। माना जाता है कि यह जल अदृश्य रूप से नीचे जाकर सीधे गोदावरी नदी में मिल जाता है। आज के आधुनिक युग में भी वैज्ञानिक इस रहस्य की सटीक भौगोलिक व्याख्या नहीं कर पाए हैं कि इतना पानी आखिर जाता कहाँ है।

एक ऐसा अनोखा बार, जहां ड्रिंक ऑर्डर करने से पहले होता है हेल्थ चेकअप

आज के बड़े शहरों में युवाओं की जिंदगी तेज रफ्तार से दौड़ रही है। लंबे काम के घंटे, करियर का दबाव, देर रात तक जागना और फास्ट फूड जैसी आदतें आम हो चुकी हैं। ऐसे माहौल में लोग थोड़ा सुकून और सेहत दोनों साथ में चाहते हैं। इसी जरूरत को समझते हुए चीन के शहर शंघाई में एक अनोखी शुरुआत हुई है यहां एक ऐसा बार खुला है, जहां ड्रिंक ऑर्डर करने से पहले आपकी सेहत की जांच की जाती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, शंघाई में कुछ बार ऐसे हैं जहां "हेल्थ कॉकटेल" देने से पहले पारंपरिक चीनी चिकित्सा यानी टीसीएम के आधार पर लोगों की पल्स जांची जाती है। एक पोस्टग्रेजुएट छात्रा, हेलन झाओ, जब इस बार में पहुंचती हैं तो सबसे पहले वह अपने दोनों हाथ आगे बढ़ाती हैं। डॉक्टर उनकी पल्स देखकर उनके शरीर की स्थिति समझते हैं। इसके बाद मिक्सोलॉजिस्ट (ड्रिंक बनाने वाला विशेषज्ञ) उनकी सेहत के हिसाब से खास जड़ी-बूटियों से बना कॉकटेल तैयार करता है। यह एक्सपीरियंस आम बार से बिल्कुल अलग है, क्योंकि यहां शराब की बोतलों की जगह दीवारों पर दवाइयों और जड़ी-बूटियों से दराजें सजी होती हैं। आज के युवा "पंक वेलनेस" नाम की सोच को अपना रहे हैं। इसका मतलब होता है व्यस्त और तनाव भरी जिंदगी के बीच भी सेहत को पूरी तरह नजर अंदाज ना करना। एससीएमपी के अनुसार, 26 वर्षीय झाओ बताती हैं कि उनकी जिंदगी आम युवाओं जैसी ही है देर रात तक काम करना और बाहर का खाना खाना। लेकिन काम के बाद एक ड्रिंक लेते समय अगर उन्हें अपनी सेहत के बारे में थोड़ी जानकारी भी मिल जाए, तो उन्हें सुकून और उम्मीद दोनों मिलते हैं।

'मेरे कोर्ट में बदतमीजी नहीं चलेगी'

> अंबानी का जिक्र करने पर वकील पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान वकील की बात पर इतना गुस्सा हो गए कि उन्होंने वकील को लगभग डांटते हुए चेतावनी दे डाली कि उनकी कोर्ट में ये बदतमीजी नहीं चलेगी।

> मिस्टर नेदुम्पारा, आप मेरी अदालत में जो कह रहे हैं, उसे सोच-समझकर बोलिए। आपने चंडीगढ़ में भी मुझे देखा है, दिल्ली में भी। ये मत सोचिए कि जैसे आप दूसरी पीठ के साथ बदतमीजी करते रहे हैं, वैसे ही आप मेरी कोर्ट में भी बदतमीजी करेंगे।
>
> *जस्टिस सूर्यकांत, सीजेआई*

क्या है पूरा मामला

दरअसल वरिष्ठ वकील मैथ्यूज नेदुम्पारा ने सीजेआई की पीठ के समक्ष कहा कि एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें न्यायपालिका के कॉलेजियम सिस्टम को चुनौती दी गई और जजों की नियुक्ति के लिए नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन को लागू करने की मांग की गई। जिस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी कोई याचिका रजिस्टर नहीं है। इस पर वकील नेदुम्पारा ने नाराजगी जाहिर की और कहा, 'अदाणी और अंबानी के लिए संविधानिक पीठ गठित की जाती है और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई ही नहीं होती।' लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार, वकील की इस बात से सीजेआई नाराज हो गए और उन्होंने तुरंत वकील नेदुम्पारा को चेतावनी दी कि 'मिस्टर नेदुम्पारा, आप मेरी अदालत में जो कह रहे हैं, उसे सोच-समझकर बोलिए। आपने चंडीगढ़ में भी मुझे देखा है, दिल्ली में भी...। ये मत सोचिए कि जैसे आप दूसरी पीठ के साथ बदतमीजी करते रहे हैं, वैसे ही आप मेरी कोर्ट में भी बदतमीजी करेंगे। मैं आपको चेतावनी देता हूं।' साल 2024 में सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्री विभाग ने नेदुम्पारा की याचिका को रजिस्टर करने से इनकार कर दिया था। रजिस्ट्री विभाग ने कहा कि पहले ही नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन पर फैसला हो चुका है, ऐसे में इसी मुद्दे पर नई याचिका सुनवाई लायक नहीं है। गौरतलब है कि पहले बार ऐसा नहीं हुआ है कि नेदुम्पारा के प्रति किसी न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर की है। बीते साल तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने भी नेदुम्पारा को फटकार लगाई थी। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था, 'कोर्ट में राजनीतिक भाषण मत दीजिए'।

मिट्टी का टीला ढहने से कई दबे, तीन महिलाओं की मौत राहत और बचाव कार्य जारी

सोनभद्र, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी गांव के जंगल में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। मिट्टी की खोदाई करते समय ढीहा (मिट्टी का टीला) ढहने से कई लोग उसमें दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू करते हुए मलवे में दबे लोगों को निकलने का प्रयास शुरू किया। सुबह साढ़े 11 बजे तक तीन शव बरामद हुए थे। अन्य की तलाश जारी है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग सफेद मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। यही मिट्टी लाने के लिए कुछ बच्चे-महिलाएं किरवानी गांव के जंगल में गए थे। मिट्टी खोदते हुए वह लोग सुरंग बनाकर टीले के काफी नीचे चले गए।

एआई समिट हंगामा, 5वां आरोपी एमपी से गिरफ्तार

यूथ कांग्रेस नेशनल प्रेसिडेंट से भी पूछताछ; आरोपी कृष्ण हरि की कार से पीएम फेस वाली टीशर्ट मिली

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने 5वीं गिरफ्तारी की है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से यूथ कांग्रेस नेता जीतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 2 और सदस्यों को हिरासत में लिया है। सोमवार को पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब से भी पूछताछ की है।

ग्वालियर से हिरासत में लिए गए दो लोगों ने राजा गुर्जर और अजय कुमार के नाम शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी शर्टलैस प्रदर्शन में शामिल थे। वीडियो के जरिए इनकी पहचान की गई है। दिल्ली की तिलक नगर थाना ने यह एक्शन लिया है। सभी को दिल्ली लाया गया है। इस मामले में पुलिस गैर जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। 21 फरवरी को पटियाला कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 4 आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर एआई समिट के दौरान शर्टलैस होकर पीएम मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

लाल किला-विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

> स्कूलों में ई-मेल आते ही मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के धौला कुआं में आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड पर एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को एक ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली विधानसभा और लाल किले को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस धमकी भरे ई-मेल के प्राप्त होते ही स्कूल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गहन जांच की जा रही है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद दोनों स्कूलों के एडमिनिस्ट्रेशन ने सुबह अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रशासन को एक अज्ञात ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। ई-मेल मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर पूरे स्कूल परिसर को खाली कराया और चप्पे-चप्पे की तलाशी शुरू कर दी। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया है। जांच में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अधिकारी ने कहा, 'दो स्कूलों, आर्मी पब्लिक स्कूल, धौला कुआं और एयर फ़ोर्स बाल भारती स्कूल, लोधी रोड को ईमेल से बम की धमकी मिली थी। एहतियात के तौर पर, जगह खाली करा ली गई और पूरी तरह से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।'

दिल्ली विधानसभा और लाल किला को बम से उड़ाने की धमकी

जानकारी के मुताबिक, ई-मेल के जरिए दिल्ली विधानसभा और लाल किला को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी भरा ईमेल सुबह करीब 7 बजे धौला कुआं स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल, धौला कुआं को मिला। ईमेल में चेतावनी दी गई थी कि सुबह 9 बजकर 11 मिनट पर इन महत्वपूर्ण स्थानों पर बम धमाका किया जाएगा। इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने स्कूल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर सेल की मदद ले रही है। फिलहाल, स्कूल परिसर में बम की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है।

तेजस विमान का ब्रेक फेल, रनवे से आगे निकला

लैंडिंग के दौरान हादसा, पायलट सुरक्षित; सेना ने सभी 30 विमान ग्राउंड किए

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना 7 फरवरी की है।

जानकारी अब सामने आई है। विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर आईएएफ की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। पहला हादसा मार्च 2024 में हुआ था, जब जैसलमेर के पास एक तेजस जेट क्रैश हो गया था। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में हुआ था जब दुबई एयरशो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक तेजस जेट क्रैश हो गया था।

आईडीएफसी बैंक घोटाले के बाद करोड़ों के शेयर डूबे

> 14438 करोड़ रुपये स्वाहा, आरबीआई गवर्नर की मामले पर पैनी नजर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। निजी क्षेत्र के बैंक की चंडीगढ़ शाखा में 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस एक घटना ने न केवल बैंक की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि शेयर बाजार में भूचाल लाते हुए निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। आखिर यह पूरा फर्जीवाड़ा क्या है, इसके पीछे कौन है और इस पर बैंक प्रबंधन से लेकर देश के केंद्रीय बैंक तक का क्या रुख है? यह धोखाधड़ी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ स्थित एक शाखा में हुई है, जो मुख्य रूप से हरियाणा राज्य सरकार से जुड़े खातों के एक समूह तक सीमित है।

18 फरवरी 2026 को हरियाणा सरकार की संस्थाओं ने अपने खातों के वास्तविक बैलेंस में गड़बड़ी पकड़ी थी। बैंक के अनुसार, शाखा के कुछ कर्मचारियों ने बाहरी लोगों के साथ मिलीभगत करके इस घटना को अंजाम दिया है। इन लोगों ने फर्जी चेक और जाली प्राधिकरण पत्रों का इस्तेमाल करते हुए मैन्युअल रूप से करोड़ों रुपये बैंक के बाहर अन्य लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। कार्रवाई के तौर पर, बैंक ने चार संदिग्ध अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की तह तक जाने के लिए केपीएमजी को स्वतंत्र फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया गया है। इस घटना के बाद हरियाणा सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए आईडीएफसी बैंक (और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक) को डी-एम्पैनल कर दिया है और अपने विभागों को खाते बंद करने का निर्देश दिया है।

आईडीएफसी बैंक में बड़ी सेंध

घोटाले की रकम: ₹590 करोड़।

निवेशकों का नुकसान: एक ही सत्र में शेयर बाजार से ₹14,438 करोड़ का मार्केट कैप साफ।

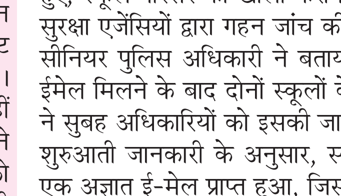

शेयरों में गिरावट: 20% तक की भारी गिरावट, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है।

मुनाफे से बड़ा घाटा: बैंक का तीसरी तिमाही का लाभ ₹503 करोड़ था, जबकि धोखाधड़ी की रकम इससे अधिक है।

इस खबर के सामने आते ही सोमवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों ने भारी बिकवाली की, जिससे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर 20% तक गिर गए। मार्च 2020 के बाद यह शेयर में सबसे बड़ी गिरावट है। इस एक झटके में निवेशकों की 14,438 करोड़ रुपये की संपत्ति (मार्केट कैप) स्वाहा हो गई। धोखाधड़ी की यह रकम (590 करोड़ रुपये) इतनी बड़ी है कि यह बैंक के तीसरी तिमाही के 503 करोड़ रुपये के कुल शुद्ध लाभ को भी पार कर गई है। डैमेज कंट्रोल करते हुए बैंक के एमडी और सीईओ वी. वैद्यनाथन ने स्पष्ट किया है कि यह कोई 'सिस्टमिक फेल्योर' नहीं है, बल्कि एक शाखा और एक ग्राहक समूह से जुड़ी एक अलग-थलग घटना है। उन्होंने कहा कि बैंक में चेक क्लियर करने के लिए 'मेकर, चेकर और ऑथराइजर' जैसे जरूरी नियंत्रण मौजूद हैं, लेकिन कर्मचारियों और बाहरी थर्ड-पार्टी की आपराधिक मिलीभगत के कारण ये नियम तोड़े गए। सीईओ ने निवेशकों को आश्वस्त किया है कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और गिरती क्रेडिट लागत के कारण मुनाफे की स्थिति बेहतर है, इसलिए 590 करोड़ रुपये का यह वित्तीय प्रभाव बैंक के लिए प्रबंधनीय होगा। रिकवरी के लिए बैंक ने अन्य बैंकों को संदिग्ध खातों में पड़े बैलेंस पर रोक लगाने का अनुरोध भी भेजा है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनाए हुए है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि स्थिति की निगरानी की जा रही है और इस घटना से कोई 'प्रणालीगत जोखिम' पैदा नहीं हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धोखाधड़ी केवल हरियाणा सरकार के विशिष्ट खातों तक ही सीमित है और बैंक के अन्य ग्राहक सुरक्षित हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का यह मामला बैंकिंग सेक्टर में शाखा-स्तर के नियंत्रण और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हालांकि प्रबंधन और आरबीआई ने इसे एक सीमित घटना बताया है, लेकिन सरकारी फंड के प्रबंधन को लेकर बैंक की साख को जो नुकसान हुआ है, उसका असर संस्थागत कारोबार पर लंबे समय तक दिख सकता है। फिलहाल, बाजार की नजर फोरेंसिक ऑडिट के नतीजों और चुराई गई रकम की रिकवरी पर टिकी रहेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

जीवन एक ऐसा रंगमंच है, जहां किरदार को खुद पता नहीं की अगला दृश्य क्या होगा!

शादी के नाम पर धोखाधड़ी और ब्लैकमेल के प्रति युवतियाँ सतर्क रहें : सज्जनार

शर्म या डर के कारण चुप न रहें, करें शी टीम से शिकायत

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनर ने शी टीम के माध्यम से चेतावनी दी कि शादी के बहाने युवतियों को धोखा देने और ब्लैकमेल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कड़ी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि केवल प्रेम संबंधों में ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों द्वारा तय किए गए रिश्तों में भी, युवतियों को सगाई के बाद झूठे बहाने देकर फंसाना और अतिरिक्त पैसों के लिए धमकाना जैसी घटनाओं की हाल ही में शी टीम को शिकायतें मिली हैं। इस कारण, युवतियाँ और उनके माता-पिता अत्यंत सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि पहले पूरी योजना के साथ पारंपरिक तरीके से शादी के प्रस्ताव, फिर भव्य सगाई। धोखेबाज 'अब शादी तय हो गई है ना?' का बहाना बनाकर युवतियों के पास आते हैं। 'फिर भी क्या कर सकते हैं?' जैसी बातें कहकर, भावनात्मक ब्लैकमेल करते हुए दबाव डालते हैं। अंत में अपनी असली मंशा दिखाते हैं: शादी के लिए भारी पैसे या अतिरिक्त धनराशि देने पर ही विवाह, अन्यथा शादी रद्द करने की धमकी। कई बार सगाई होने के कारण और रिश्तेदारों को सब पता होने के डर से, युवतियाँ और उनके माता-पिता पुलिस को शिकायत करने में हिचकिचाते हैं। धोखेबाज इसका फायदा उठाकर और अधिक धमकियां देते हैं। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया: ''डर के कारण चुप रहना जीवन भर दुःखद अनुभवों की वजह बन सकता है। इसलिए किसी को भी डरने की जरूरत नहीं, साहस के साथ आगे बढ़ें।'' केवल इसलिए कि शादी बुजुर्गों ने तय की है, अंधविश्वास न करें। लड़के के व्यवहार, दोस्तों और आदतों की पहले से जाँच करें। शादी से पहले किसी भी प्रकार के अकेले मिलने या शारीरिक संबंध के लिए दबाव डालना, निश्चित रूप से संदेह का संकेत है। पैसा मांगने या ब्लैकमेल करने पर डरें नहीं। धोखेबाजों के हाथ लग जाएँ तो संकोच न करें, तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पीड़ितों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। ऐसी धमकियों का सामना होने पर हैदराबाद शी टीम व्हाट्सएप नंबर 9490616555 या डायल 100 पर तुरंत शिकायत करें।

एआई आधारित बायोमेट्रिक घोटाले से सतर्क रहें : साइबर क्राइम पुलिस

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एआई आधारित बायोमेट्रिक घोटाले को लेकर जनता को चेतावनी जारी की है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह सीधे पैसे नहीं, बल्कि लोगों के चेहरे और आवाज जैसे पहचान संबंधी डेटा को निशाना बना रहा है। साइबर क्राइम विभाग के डीसीपी वी. अरविंद बाबू ने बताया कि जालसाज उन्नत तकनीक का उपयोग कर चेहरे की विशेषताएं और आवाज के नमूने चोरी कर रहे हैं। वे मॉल, मेट्रो स्टेशन और भीड़भाड़ वाले बाजारों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बुजुर्ग या मध्यम आयु वर्ग के व्यक्ति बनकर लोगों से संपर्क करते हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोबाइल ऐप पर पेंशन या सब्सिडी की जानकारी देखने, तकनीकी समस्या ठीक करने या स्मार्टफोन चलाने में मदद मांगते हैं। इस दौरान उनका फोन पहले से वीडियो कॉल या स्क्रीन रिकॉर्डिंग मोड में सक्रिय हो सकता है। कुछ ही सेकंड में दूसरी ओर मौजूद साथी व्यक्ति का चेहरा और आवाज रिकॉर्ड कर लेते हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस डेटा का दुरुपयोग पहचान की चोरी, सोशल इंजीनियरिंग स्कैम और डिजिटल सत्यापन प्रणालियों को धोखा देने के लिए किया जा सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अजनबियों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

मंदिर उत्सव हिंसा में शिशु मौत मामले में कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने नागरकर्नूल जिले में मंदिर उत्सव के दौरान हुए हमले में दो महीने के बच्चे की मौत के मामले में कथित आरोपियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बीआरएस नेताओं के साथ उन्होंने सोमवार को बी शिवधर रेड्डी को ज्ञापन सौंपा।

श्रीनिवास गौड़ ने बताया कि 18 फरवरी को कुम्मेरा गांव में मल्लिकार्जुन स्वामी जतारा के दौरान बीसी (धोबी) समुदाय के एक परिवार पर कथित रूप से हमला किया गया। आरोप है कि उन्हें मंदिर में प्रवेश से रोका गया, जातिसूचक शब्द कहे गए और मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार ने गांव के सरपंच तुकाराम रेड्डी और अन्य लोगों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन पर दोबारा हमला किया गया। बाद में परिवार ने नागरकर्नूल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, मगर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। घटना में घायल शिशु की 21 फरवरी को इलाज के दौरान मौत हो गई। पूर्व मंत्री ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया। इस दौरान कई सामुदायिक नेता भी मौजूद रहे।

दो माह के शिशु की मौत तेलंगाना पर कलंक : कविता

'रैतू संघर्ष सभा' को संबोधित किया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने कांग्रेस सरकार पर किसानों से विश्वासघात, जातिगत अन्याय को बढ़ावा देने और नाडिगड्डा क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। गदवाल में आयोजित 'रैतू संघर्ष सभा' को संबोधित करते हुए उन्होंने नगरकर्नूल में कथित जातीय हमले के बाद दो माह के शिशु की मौत को तेलंगाना पर कलंक बताया। उन्होंने कहा कि यह मानवता के खिलाफ अपराध है और सरकार की विफलता का प्रमाण है। कविता ने घोषणा की कि अब से तेलंगाना जागृति के प्रमुख कार्यक्रम जोगुलाम्बा गदवाल से शुरू होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीज कपास उत्पादक किसानों का कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा शोषण किया जा रहा है और बकाया भुगतान एक सप्ताह में नहीं होने पर राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने किसानों को आधी रात में बिजली आपूर्ति को 'खतरनाक और अमानवीय' बताया। उर्वरक आपूर्ति की कमी और ऐप-आधारित बुकिंग प्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहले किसानों को स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जाएं। कविता ने कृषि ऋण माफी के दावों को 'राजनीतिक धोखा' करार देते हुए कहा कि 40 लाख किसानों से वादा किया गया, लेकिन केवल 25 लाख को लाभ मिला। उन्होंने सभी किसानों के लिए पूर्ण और बिना शर्त ऋण माफी की मांग की। बाद में कविता ने गदवाल जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जिला भर में सड़क जाम आंदोलन किया जाएगा।

मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की नई डायरी का विमोचन

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को प्रजा भवन में आयोजित कार्यक्रम में मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (एमएए) की नई डायरी का विमोचन किया। कार्यक्रम में एमएए अध्यक्ष मंचू विष्णु, उपाध्यक्ष मदाला रवि, कोषाध्यक्ष शिवा बालाजी, कार्यकारिणी सदस्य जयवाणी, मलाकपेट शैलजा, शिवा नारायण, शशांक, हरिनाथ बाबू, मणिक, लोकप्रिय अभिनेता संपूर्णेश बाबू, एम.आर.सी. वडलपटला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। डायरी के विमोचन के बाद उपमुख्यमंत्री ने अध्यक्ष विष्णु मंचू और कार्यकारिणी सदस्यों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा सदस्यों के कल्याण हेतु चलाए जा रहे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, नियमित स्वास्थ्य जांच और अन्य कल्याणकारी गतिविधियों की सराहना की।

इंटर परीक्षार्थियों को मिलेगा 5 मिनट अतिरिक्त प्रवेश समय

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार से शुरू होने वाली इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के लिए पांच मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षाएं सुबह 9 बजे शुरू होंगी और छात्रों को 9.05 बजे तक केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन के सचिव एस. कृष्णा आदित्य ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी छात्रों को पांच मिनट की अतिरिक्त छूट दी जा रही है। हालांकि उन्होंने सलाह दी कि परीक्षार्थी कम से कम 30 मिनट पहले केंद्र पर पहुंचें।

राज्यभर में स्थापित 1,495 केंद्रों पर 25 फरवरी से 18 मार्च तक परीक्षाएं आयोजित होंगी। कुल 9,97,075 छात्रों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 4,89,126 प्रथम वर्ष और 5,07,949 द्वितीय वर्ष के छात्र शामिल हैं।

परीक्षाओं के लिए 28,500 पर्यवेक्षक, 1,495 मुख्य अधीक्षक, 75 फ्लाइंग स्क्वाड और 200 सिटिंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं। इस बार 20 स्पॉट मूल्यांकन शिविर बनाए गए हैं और संस्कृत उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 26 फरवरी से शुरू होगा। हॉल टिकट कॉलेज लॉगिन पर उपलब्ध हैं। छात्र बोर्ड की वेबसाइट या मी-सेवा केंद्रों से इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। बोर्ड ने हॉल टिकट में दर्ज विवरण की जांच करने की सलाह दी है। किसी भी त्रुटि की स्थिति में संबंधित कॉलेज के प्रधानाचार्य से संपर्क करने को कहा गया है। तनाव और घबराहट से जूझ रहे छात्रों के लिए टेलीमानस के माध्यम से निःशुल्क परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई गई है। छात्र 14416 टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा शिकायतों के लिए राज्य नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

पीआरएसआई चौथा तेलंगाना जनसंपर्क सम्मेलन कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी, हैदराबाद अध्याय 19 अप्रैल 2026 को हैदराबाद में चौथा तेलंगाना जनसंपर्क सम्मेलन आयोजित करेगा। सम्मेलन का विषय ''तेलंगाना उदीयमान 2047 : संचार, नवाचार और सशक्तिकरण'' निर्धारित किया गया है।

एक दिवसीय यह सम्मेलन विभिन्न विषयगत सत्रों में संपन्न होगा, जिसमें संचार रणनीतियों, नीतिगत संवाद, प्रौद्योगिकी के उपयोग, जनमाध्यमों में नवाचार, नवउद्यम संस्कृति, पर्यटन एवं संस्कृति, छवि निर्माण, युवा रोजगार तथा जन सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में कार्यरत संस्थाओं से तेलंगाना जनसंपर्क पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार श्रेणियों में डिजिटल एवं सामाजिक माध्यम संचार, संकट संवाद और प्रतिष्ठा प्रबंधन, सामुदायिक संबंधों में योगदान तथा संस्थागत स्वयंसेवा, आंतरिक संवाद एवं कर्मचारी सहभागिता, विपणन संवाद, जनमाध्यम संबंध, सामाजिक दायित्व एवं पर्यावरण—सामाजिक उत्तरदायित्व अभियान, कार्यक्रम प्रबंधन, वर्ष का श्रेष्ठ जनसंपर्क अभियान, संस्थागत चलचित्र निर्माण, गृह पत्रिका, संस्थागत जालस्थल, ई-पत्रिकाएं, ब्लॉग तथा कॉफी टेबल पुस्तकें, कैलेंडर, डायरी, पुस्तिकाएं और वार्षिक प्रतिवेदन जैसे संस्थागत प्रकाशन शामिल हैं।

प्रविष्टियां एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2025 के बीच संपन्न कार्यों से संबंधित होनी चाहिए। पुरस्कार प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

जनसंपर्क क्षेत्र के कार्यकर्ता, संस्थागत संवाद विशेषज्ञ, जनमाध्यम प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, शिक्षाविद, नवप्रवर्तक, उद्योग प्रतिनिधि, युवा संवाद अभ्यर्थी तथा विद्यार्थी सम्मेलन में प्रतिनिधि के रूप में भाग ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद अध्याय ने 1988, 2000 और 2019 में तीन अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन आयोजित किए हैं, जबकि 1980 से 2013 के बीच 12 आंध्र-प्रदेश जनसंपर्क सम्मेलन संपन्न कराए। राज्य पुनर्गठन के बाद 2017, 2018 और 2022 में तीन तेलंगाना राज्य जनसंपर्क सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। डॉ. यदागिरि कंभमपति, अध्यक्ष, भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी, हैदराबाद अध्याय ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की है।

रानीगंज में छापेमारी, एसकेएफ ब्रांड के नकली बियरिंग जब्त

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नकली औद्योगिक उत्पादों की बिक्री पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रविवार को रानीगंज क्षेत्र की कई दुकानों पर छापेमारी कर एसकेएफ ब्रांड के बड़ी संख्या में नकली बियरिंग जब्त किए। एसकेएफ बेयरिंग्स की शिकायत पर महाकाली पुलिस ने विशेष टीमों के साथ एसवी टूल एंड बेयरिंग, गंजी कॉम्प्लेक्स स्थित बेयरिंग इंटरनेशनल और सिकंदराबाद स्थित ए टू जेड मशीनरी स्टोर पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान करीब 1,987 नकली बियरिंग और एसकेएफ लेबल वाली लगभग 2,780 बाहरी पैकेजिंग शीट बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, ये नकली उत्पाद अनजान ग्राहकों को बेचे जा रहे थे, जिससे मशीनों की कार्यक्षमता और सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता था। मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी आपूर्ति श्रृंखला की पड़ताल कर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटे हैं।

महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को पुरस्कार दिए

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आज सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान रेल परिचालन में सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में समर्पण और सतर्कता दिखाने वाले पंद्रह कर्मचारियों को 'माह का उत्कृष्ट कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए।

बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, सभी विभागाध्यक्ष तथा सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक दूरसंचार माध्यम से शामिल हुए। ये पुरस्कार पथ अनुरक्षक, स्टेशन अधीक्षक, रेल चालक, प्वाइंट्समैन तथा की-मैन जैसे अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को प्रदान किए गए। मंडलवार पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में सिकंदराबाद मंडल 3, गुंटूर मंडल 1, विजयवाड़ा मंडल 5, नांदेड़ मंडल 3 तथा गुंतकल मंडल 3 शामिल है। महाप्रबंधक ने पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मान्यता अन्य कर्मचारियों को भी सतर्क रहने और रेल परिचालन में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी।

बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की शॉर्टकट पद्धतियों से बचा जाए। उन्होंने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को नियमित रूप से सुरक्षा अभियान चलाने, कर्मचारियों की सतर्कता तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कार्यस्थलों और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा उपायों के अनुपालन के संबंध में आकस्मिक निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने पर भी जोर दिया गया। महाप्रबंधक ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कर्मचारियों में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाने, अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, प्वाइंट्स और क्रॉसिंग की नियमित जांच करने तथा कार्य पूर्ण होने के बाद पटरियों के निकट से निर्माण सामग्री हटाने के महत्व को रेखांकित किया।

बंजारा हिल्स में टैंकर की टक्कर से होमगार्ड समेत दो की मौत

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में सोमवार को एक पानी के टैंकर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे होमगार्ड सहित दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान संतोष नगर ट्रैफिक पुलिस थाने में तैनात होमगार्ड सैयद हुसैन और विजयनगरम जिला की रहने वाली अक्षिता के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, हुसैन ड्यूटी के साथ-साथ अंशकालिक रूप से बाइक-टैक्सी चालक का काम भी करता था। सोमवार सुबह अक्षिता ने एक बाइक-टैक्सी ऐप के माध्यम से सवारी बुक की थी। दोनों बंजारा हिल्स के रोड नंबर 10 के पास पहुंच ही रहे थे कि पीछे से तेज रफ्तार पानी के टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

जीएचएमसी के तहत जनता संवाद में 59 अर्जियाँ

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के तहत आयोजित जनता संवाद में 59 अर्जियाँ प्राप्त हुईं। जीएचएमसी मुख्यालय में सोमवार को आयोजित जनता संवाद कार्यक्रम में 42 आवेदन और शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि छह जोनों के क्षेत्र से 17 अर्जियाँ आईं। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनता संवाद कार्यक्रम में एडिशनल कमिश्नर के. सत्यनारायण, एएसपी नरसिंह रेड्डी, जॉइंट कमिश्नर जयंत और रजनीकांत रेड्डी, सिटी प्लानर उम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

द हार्टफोर्ड का पहला ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर शुरू

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद भारत में द हार्टफोर्ड का पहला केंद्र बन गया है। राज्य सरकार ने सोमवार को उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू द्वारा शहर में कंपनी के ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर के शुभारंभ की घोषणा की।

वित्तीय जिले में स्थित यह केंद्र लगभग 1,60,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है। स्टार्ट-अप जैसे माहौल में संचालित यह केंद्र कंपनी के हार्टफोर्ड, शार्लोट, शिकागो और कोलंबस स्थित प्रौद्योगिकी केंद्रों के साथ समन्वय में कार्य करेगा। इसे तेज प्रोटोटाइपिंग, विकास और विभिन्न समय क्षेत्रों के बीच बेहतर सहयोग के लिए डिजाइन किया गया है।

यह सुविधा कंपनी की तकनीकी बदलाव यात्रा को मजबूती देगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल नवाचार और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता पर विशेष जोर रहेगा। केंद्र में अगले कुछ वर्षों में करीब 1,200 कर्मचारियों के कार्य करने की उम्मीद है, जिससे वैश्विक स्तर पर डिजिटल, इंजीनियरिंग और एआई क्षमताओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर उद्योग मंत्री ने कहा कि हैदराबाद वैश्विक कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी कंपनियों ने भी अमेरिका के बाहर अपने प्रमुख केंद्रों के लिए हैदराबाद को चुना। इसके अलावा मैकडॉनल्ड्स, वैनगार्ड, दाई-इची लाइफ और मैरियट इंटरनेशनल जैसे वैश्विक समूहों ने भी यहां अपने संचालन शुरू किए हैं।

तेलुगु विश्वविद्यालय में जादू विषय का पूर्ण पाठ्यक्रम शुरू होगा

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक वर्ष से जादू की कला पर एक पूर्ण पाठ्यक्रम शुरू करेगा। यह पहल जादू को एक औपचारिक अकादमिक विषय के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नामपल्ली स्थित एनटीआर कलामंदिर में आयोजित 'राष्ट्रीय जादूगर दिवस समारोह' के दौरान कुलपति आचार्य वेलिदंदा नित्यानंद राव ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जादू की पारंपरिक एवं आधुनिक तकनीकों को शैक्षणिक ढांचे में शामिल करेगा।

रजिस्ट्रार आचार्य कोटला हनुमंथा राव ने बताया कि विश्वविद्यालय का नौ वर्ष पुराना जादू पाठ्यक्रम स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने में सफल रहा है।

प्रख्यात जादूगर एवं पाठ्यक्रम निदेशक पीसी सोरकार की जयंती के उपलक्ष्य में इस दिवस को मनाए जाने की जानकारी भी कार्यक्रम में दी गई। कार्यक्रम का आयोजन लोक कला विभाग और भारतीय जादूगर अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसका उद्घाटन तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुकेंदर रेड्डी ने किया। समारोह का समापन डिप्लोमा प्राप्त छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण तथा मनमोहक जादू प्रदर्शनों के साथ हुआ।

तेज रफ्तार बस पलटी, सात लोगों की मौत की सूचना

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज में बड़ा हादसा हो गया। जौखंडी गांव में सोमवार शाम 4:30 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे से अफरा-तफरी मच गई। घटना में सात लोगों की मौत की सूचना है। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने किसी से तरह से बस में फंसे लोगों को निकाला। पुलिस के मुताबिक कई लोगों को भर्ती करवाया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

स्कूली बच्ची पर चढ़ा ट्रक, सिर धड़ से अलग

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में स्कूल जा रही 10 साल की बच्ची के ऊपर से ट्रक गुजर गया। उसका सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा इतना भीषण था कि सिर सड़क पर ही चिपक गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। बच्ची के कंधे पर स्कूली बैग टंगा रहा। सोमवार सुबह बच्ची मामा और भाई के साथ बाइक से स्कूल जा रही थी, तभी सामने से रॉन्ग साइड में आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बच्ची सड़क की ओर गिर गई।जबकि मामा और छोटा भाई दूसरी ओर गिर गए। तभी पीछे से आ रहे ट्रक के पहिए के नीचे बच्ची आ गई और सिर पूरी तरह से सड़क में चिपक गया।

मैथ से डर लग रहा इंटर के छात्र का सुसाइड

प्रयागराज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में एग्जाम से ठीक पहले इंटर के छात्र ने सुसाइड कर लिया। उसने अपने दोस्त को आखिरी कॉल की। उससे कहा- मैथ से बहुत डर लग रहा। मैं समझ नहीं पा रहा कि कैसे पेपर दे पाऊंगा। इतना कहने के बाद वह अपने रूम में गया। वहां फंदे से लटक कर जान दे दी। छात्र दसवीं में अपने स्कूल का टॉपर रहा था। परिवार वालों और स्कूल के मुताबिक छात्र पढ़ने में बहुत होनहार था। घटना सोमवार सुबग धूमनगंज थानाक्षेत्र के मुडेरा इलाके की है।

सिंगापुर में योगी बोले

ब्रह्मोस ने अच्छे-अच्छे को कंपा दिया

> यूपी में लड़कियां अब बिना डरे नाइट शिफ्ट करती हैं; 20 हजार को जॉब मिलेगी

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सिंगापुर में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बना है। ऑपरेशन सिंदूर में जो ब्रह्मोस मिसाइल दागी गई थी, वह लखनऊ की थी।

कितना सटीक निशाना था, न। अच्छे-अच्छे को कंपा दिया था। इस पर लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम ने कहा, अगर आप 5 साल पहले अयोध्या आए होंगे, तो अब पहचान नहीं पाएंगे। लगेगा तेत्रायुग की अयोध्या आ गई है। भगवान राम के समय की। इस पर प्रवासी भारतीयों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम ने कहा, 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक यूपी के पास है। हमने कलस्टर तैयार किए हैं। वहां बिजली की निर्बाध सप्लाई है। सुरक्षा का माहौल है। किसी तरह का अब कोई डर नहीं। हां, 9 साल पहले बेटियां डरती थीं। अब तो लड़कियां नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं। योगी ने कहा, नया भारत दुनिया के अंदर अपनी ताकत दिखा रहा है। दिल्ली में एआई समिट को देखा होगा। 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष इसमें शामिल हुए थे। 100 से ज्यादा देशों के लोग इसमें आए थे। विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्ष ने पीएम मोदी के नए भारत के द्वारा 140 करोड़ लिए अहम कदम उठाए हैं। सबने इसकी प्रशंसा की है।

पहले ही दिन बड़ी सफलता मिली सीएम योगी 4 दिवसीय सिंगापुर-जापान के दौरे पर हैं। आज सोमवार को सीएम ने सिंगापुर में कारोबारियों के साथ बैठक की। यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ 6,650 करोड़ रुपए के निवेश के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे अहम क्षेत्रों में किया जाएगा। इनसे 20 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

उन्होंने निवेशकों को बताया- हम निवेशकों को आसान और तेज मंजूरी दे रहे हैं। यूपी की 25 करोड़ से ज्यादा की बड़ी आबादी एक बड़ा बाजार है। कानून-व्यवस्था बेहतर है, एक्सप्रेसवे और कनेक्टिविटी मजबूत हो रही, जिससे लंबे समय के निवेशकों को फायदा मिलेगा। सीएम के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी नजर आए। नंदी और वित्त मंत्री कोट-पैंट पहने हुए थे, जबकि सीएम पारंपरिक परिधान यानी भगवा कपड़ों में नजर आए। सीएम 3 दिन में 25 कंपनियों के सीईओ से मुलाकात करेंगे। इसके बाद 25 फरवरी को जापान पहुंचेंगे।

पहले ही दिन 6,650 करोड़ रुपए के तीन एमओयू

20 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे का आगाज प्रदेश के लिए बड़ी निवेश उपलब्धि के साथ हुआ। दौरे के पहले ही दिन यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ कुल 6,650 करोड़ रुपए के तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इन निवेश प्रस्तावों के तहत ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स पार्क और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसी रणनीतिक परियोजनाएं विकसित की जाएंगी, जिनसे 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने का अनुमान है। सीएम योगी ने निवेशकों के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत औद्योगिक ढांचे और तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी साझा की। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग और त्वरित स्वीकृति देने का आश्वासन दिया। साथ ही डेटा सेंटर परियोजना के लिए समूह को लखनऊ आने का आमंत्रण भी दिया गया।

कहीं भाग नहीं रहा हूं, पूरा सहयोग करूंगा : अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि अगर मेरे ऊपर कोई आरोप लगा है तो पुलिस इसकी जांच करवाए, हम पूरा सहयोग करने को तैयार हैं, ताकि जल्दी से मेरे ऊपर लगे कलंक का निस्तारण हो सके। कहा कि कहानी गढ़कर मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया गया है।

सोमवार को श्रीविद्या मठ में मीडिया से बातचीत में कहा कि जनता को उत्तर प्रदेश पुलिस पर विश्वास नहीं हैं, मेरे ऊपर लगे आरोपों की जांच उन प्रदेशों की पुलिस से कराई जाए, जो गैर भाजपा सरकार की हो। गिरफ्तारी को लेकर कहा कि गिरफ्तारी के लिए पुलिस के पास कोई साक्ष्य नहीं है। क्योंकि इसके सभी आरोप झूठे हैं। कहा कि माघ मेले में तमाम सीसीटीवी लगे थे। उसकी जांच की जाए। कैमरा के जद में सब कुछ होगा, जो भी घटनाएं हुई होगी, वह प्रकाश में आ जाएगा। शकराचार्य पर प्रयागराज माघ मेले में यौन शोषण के आरोप में वहां की पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में प्रयागराज पुलिस के वाराणसी पहुंचने को लेकर सोमवार को सुबह से ही केदारघाट स्थित श्रीमठ में गहमागहमी रही। उनकी गिरफ्तारी को लेकर चर्चाएं गर्म रही। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी प्रयागराज पुलिस के आने खबर है, लेकिन अभी आई नहीं है।

पुलिस का पूरा सहयोग करूंगा

कहा कि गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं बनता है लेकिन गिरफ्तारी होगी तो उसके लिए भी तैयार हूं। गिरफ्तारी जो घटना हुई है उसका एविडेंस सुरक्षित रखने के दृष्टि से हो सकती है। लेकिन शिकायतकर्ता की ओर से इतने दिन बिता दिए गए हैं, हम कहीं भागे नहीं जा रहे हैं। इसलिए गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं है। उसके बाद भी गिरफ्तारी होती है तो कालनेमि चाहता है कि समाज के सामने हमे दोषी सिद्ध किया जाए।

'भाड़े के पहलवान से कभी जीत नहीं मिलती'

अखिलेश यादव के 100 विधायक लाइए वाले बयान पर बोले संजय निषाद

भदोही, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर बयानबाज़ी का पारा चढ़ गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा डिप्टी सीएम को सौ विधायक लाने पर मुख्यमंत्री बनाने के कथित ऑफर को लेकर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने तीखा हमला बोला है। भदोही में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत में संजय निषाद ने बिना नाम लिए सपा नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा और कहा कि यह बयान ही साबित करता है कि उनके पास खुद सरकार बनाने की ताकत नहीं है।

अखिलेश यादव पर संजय निषाद ने किया करार हमला

संजय निषाद ने कहा कि राजनीति अखाड़े की तरह होती है, जहां अपने दम पर लड़ना पड़ता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव खुद अखाड़े के पहलवान तैयार करते थे, संगठन को खड़ा करते थे और जमीन पर संघर्ष करते थे, लेकिन आज हालात यह हैं कि 'भाड़े के पहलवान' के सहारे अखाड़ा जीतने की सोच रखी जा रही है।

उन्होंने दो टूक कहा कि भाड़े के पहलवान से कभी जीत हासिल नहीं की जा सकती।

सपा पिछड़ों के नाम पर राजनीति करती रही- संजय निषाद

कैबिनेट मंत्री ने सपा की पिछड़ा राजनीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा हमेशा पिछड़ों के नाम पर राजनीति करती रही, लेकिन वास्तविक हितों की अनदेखी की गई। निषाद समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की बात कही गई, लेकिन उसे ओबीसी में ही रखा गया। अगर सच में पिछड़ों की राजनीति करनी है तो उनके अधिकारों और हिस्सेदारी की लड़ाई ईमानदारी से लड़नी होगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, तीन छात्रों ने तोड़ दिया दम

रामपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रामपुर जिले में हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे चार छात्रों को टांडा क्षेत्र के दढ़ियाल मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद क्षेत्र में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके से बाइक को कब्जे में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह चारों छात्र दढ़ियाल से टांडा परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रहे बाइक सवार छात्र संभल नहीं सके और ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा भिड़े। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

चाऊमीन ने तुड़वा दी शादी

सात फेरों से पहले दुल्हन ने लिया ये फैसला बुलानी पड़ी पुलिस-बारात लेकर लौटा दूल्हा

कासगंज, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कासगंज के गंजडुंडवारा क्षेत्र में एक शादी समारोह उस समय विवाद में बदल गया, जब चाऊमीन को लेकर बारातियों और घरातियों के बीच कहासुनी हो गई। मामला इतना बढ़ा कि पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और इस दौरान दुल्हन ने शादी से इंकार कर दिया। थाने में राजीनामा के बाद बरात बिना दुल्हन के लौट गई।

धूमधाम से पहुंची थी बारात

नगर के कैनाल रोड स्थित श्रीराम गेस्ट हाउस में नगला मानसिंह थाना दरियागंज निवासी मलिक सिंह अपनी पुत्री की शादी के लिए पहुंचे थे। विवाह थाना सिढपुरा क्षेत्र के गांव बिचौला निवासी स्वर्गीय शिवशंकर के पुत्र से तय हुआ था। बारात धूमधाम से गंजडुंडवारा पहुंची, स्वागत और घुड़चढ़ी की रस्में पूरी हुईं।

चाऊमीन को लेकर हुआ विवाद

गेस्ट हाउस में दोनों पक्षों के लिए भोजन की व्यवस्था थी। इसी दौरान चाऊमीन को लेकर बारातियों और घरातियों में विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने तूल पकड़ लिया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। मामला इस कदर बिगड़ गया कि पुलिस बुलानी पड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली ले गई। इसी बात से आहत दुल्हन ने नाराजगी जताते हुए शादी से इंकार कर दिया और कहा कि जो अभी साथ छोड़ सकता है, वह आगे क्या साथ देगा। इस दौरान दोनों पक्षों को काफी समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे लोग नहीं माने। समझौता इस बात पर हुआ कि शादी नहीं होगी। थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। लड़की पक्ष ने शादी से मना कर दिया। इसके बाद बारात लौट गई।

बच्चों की किताबें कबाड़ी को बेची

बहराइच में चार रुपये किलो बिकी, मामले में पूरा महकमा शामिल

बहराइच, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बच्चों को पढ़ाई जाने वाली किताबों को कबाड़ी को बेचे जाने का मामला सामने आया है। बच्चों को मुफ्त में किताबों को बांटा जाना था। लेकिन, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कर्मियों ने किताबों को सरकारी स्कूल के बच्चों में बांटने की जगह इसे 4 रुपए किलो की दर से कबाड़ी को बेच दी।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने एक्शन लिया। पुलिस ने कबाड़ी के यहां छापा मारा। वहां से 13 हजार किताबें बरामद की गई हैं। किताबों को कबाड़ी के जरिए उत्तराखंड भेजा जाना था। इसके लिए उसे कंटेनर पर लादा गया था। किताबों से भरे कंटेनर को लखीमपुर खीरी से वापस मंगवाया गया है। इस मामले में एक्शन भी शुरू किया गया है। पुलिस ने किताब बेचे जाने के मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी आलोक मिश्रा को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कबाड़ी दिलशाद, शुभांकर गुप्ता और अर्जुन मामले में पुलिस की पकड़ में आए हैं। घटना सामने आने के बाद बीएसए कार्यालय के कर्मचारी आशुतोष सिंह, दीपक कुमार, अतुल सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, ब्लॉक ऑफिसर डॉली मिश्रा और अकाउंट ऑफिसर वीरेश वर्मा पर कार्रवाई के लिए सरकार को चिट्ठी लिखी गई है।

पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

सरकारी स्कूलों की 13 हजार से अधिक किताबों को कबाड़ी को बेचे जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शिक्षा विभाग के एक चपरासी समेत चार को गिरफ्तार किया है। कबाड़ी और ट्रक ड्राइवर की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस दबिश दे रही है। इस मामले में थाना रामगांव में केस दर्ज किया गया गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ के बाद जेल भेजा गया है। इस मामले में दो अनुचर पहले ही सस्पेंड किए गए हैं। अनुदेशक, जिला समन्वयक, स्पेशल एजुकेटर की संविदा समाप्त की जा चुकी है। बहराइच के लेखाधिकारी और बीईओ नगर जांच के दायरे में हैं, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई चल रही है। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है।

छपरा में चश्मदीद गवाह की निर्मम हत्या

छपरा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के छपरा जिले में अपराधियों ने हत्या के एक चश्मदीद गवाह की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। मृतक का शव घर से लगभग छह किलोमीटर दूर खेत में बरामद किया गया। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सारण जिले के अवतार नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नया टोला हराजी गांव निवासी स्वर्गीय धूप लाल राय के 70 वर्षीय पुत्र बिंदेश्वरी राय के रूप में हुई है। बिंदेश्वरी राय साइकिल से अपने खेत गए थे और लौटते समय अचानक लापता हो गए।

अखिलेश यादव यूपी के विकास को पचा नहीं पा रहे हैं : राजभर

आजमगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यूपी के विकास को सपा प्रमुख पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि जब अखिलेश यादव राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी का नाम भी सही ढंग से नहीं ले पा रहे हैं, तो वे प्रदेश के विकास को कैसे पचा पाएंगे। आईएएनएस से बातचीत में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव का पीडीए का अपना खुद का मतलब है पीडीए मतलब परिवार, अखिलेश और डिंपल। इसके अलावा इसका कोई मतलब नहीं है। दलित समाज के लोग पीएम मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास देख रहे हैं। अखिलेश यादव को समझना चाहिए कि फर्जीवाड़ा करने से बचें। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जो मेट्रो का काम हो रहा है। एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। रैपिड रेल चल रही है, नई-नई तकनीकों पर व्यवस्था चल रही है। इनको ये पचा नहीं पा रहे हैं। चाहे सपा हो या कांग्रेस, दोनों ही मोदी के विकास से घबराए हुए हैं क्योंकि जनता पीएम मोदी और सीएम योगी को देख रही है। उनके कामों को देख रही है। इसी वजह से अखिलेश यादव बहुत परेशान हैं।

राबड़ी देवी ने कानून-व्यवस्था पर बिहार सरकार को घेरा

पटना, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता राबड़ी देवी ने प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाया है कि उनके शासनकाल में अपराधी खुलेआम अपराध अंजाम दे रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन इसे नियंत्रित करने में लगातार नाकाम नजर आ रहा है। बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार राजद और अन्य विपक्षी दलों की ओर से प्रदेश सरकार को घेरा जा रहा है। सोमवार को महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर विपक्षी सदस्यों ने विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में हत्याएं होना अब आम बात हो गई है। रोजाना प्रदेश में अपराधी हत्याओं को अंजाम दे रहे हैं। बलात्कार और लूटपाट की घटनाएं भी आम हो गई हैं।

पानी पूरी वाले के नाम से साइबर ठगी

दो जनसेवा केंद्र संचालक गिरफ्तार, एक साथी भागा

अलीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ में अकराबाद कस्बे के दो जनसेवा केंद्र संचालक ग्राहकों के दस्तावेजों की मदद से साइबर ठगी कर रहे थे। उन्होंने एक पानी पूरी वाले के नाम से खाता खोलकर ठगी को अंजाम दिया। शिकायत पर जांच करते हुए साइबर सेल टीम ने दोनों जनसेवा केंद्र संचालकों को गिरफ्तार कर लिया। उनका एक साथी फरार हो गया। महुआ खेड़ा के व्यक्ति संग हुई ठगी के मामले में अकराबाद के दो लोग प्रकाश में आए, जिन्हें साइबर सेल की मदद से गिरफ्तार किया गया है। उनका साथी अभी फरार है।

रिश्तेदार बताकर ठगे 40 हजार

महुआ खेड़ा इलाके के एक व्यक्ति ने 19 जनवरी को साइबर पोर्टल एनसीआरपी पर 40 हजार रुपये की ठगी की शिकायत की। बताया कि उन्हें किसी ने खुद का रिश्तेदार बताकर फोन किया। दुर्घटना में मदद के नाम पर 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। बाद में पता चला कि पीड़ित के रिश्तेदार सही हैं। इस मामले में शिकायत एनसीआरपी पोर्टल से महुआ खेड़ा व जिला साइबर सेल को ट्रांसफर हुई। इस प्रकरण में जांच करते हुए पुलिस रकम ट्रांसफर होने वाले खाते के स्वामी अकराबाद कस्बे के पानी पूरी विक्रेता पीयूष तक पहुंची। उसने पूरी बात बताई कि वह तो पानी पूरी बेचता है। उसने बताया कि पिछले दिनों वह कस्बे के बालाजी जनसेवा केंद्र पर उद्यम सर्टिफिकेट बनवाने गया था। तब वहां उसने सभी दस्तावेज केंद्र संचालक प्रशांत को दिए थे। अंगूठे का निशान भी लगवाया। जब उसे बताया कि उद्यम पंजीकरण में अंगूठा नहीं लगाया जाता।

एसआईआर अभियान में मतदाताओं को याद आ रहीं नानी-दादी

> महिलाएं लगा रहीं मायके की दौड़

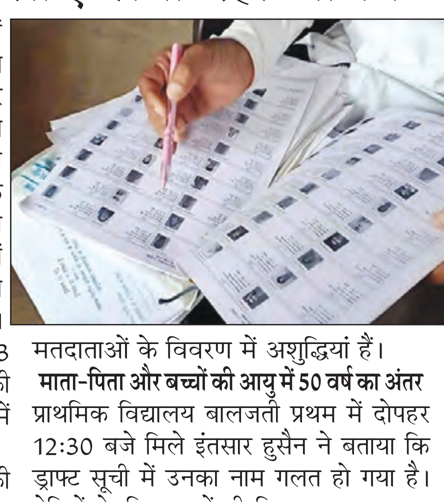

बरेली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर रविवार को बूथों पर खासी गहमागहमी रही। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज बूथ पर नो मैपिंग का नोटिस लिए मोहम्मद जावेद मिले। बताया कि पहले वह काजी टोला में रहते थे, पर वहां की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था। ऐसे में उन्होंने वर्ष 2003 की मतदाता सूची से तलाशकर ननिहाल पक्ष का लिंक दिया है। सूफी टोला के सलीम ने बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उनका तो नहीं, पर उनकी दादी का नाम था। बीएलओ को इस संबंध में साक्ष्य दिया है।

सूफी टोला की ही आयशा बेगम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जुड़ाव तलाशने के लिए मायके की दौड़ लगा रही हैं। रबड़ी टोला के अतीक अहमद ने बताया कि बेटे का वोट बनवाने के लिए फॉर्म छह भरा था, लेकिन ड्रॉफ्ट सूची में उसका नाम नहीं आया है। ये मामले तो महज बानगी हैं, असल में 2,20,711 लोगों का वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जुड़ाव नहीं मिल पा रहा हैं। 3,58,387 मतदाताओं के विवरण में अशुद्धियां हैं।

माता-पिता और बच्चों की आयु में 50 वर्ष का अंतर

प्राथमिक विद्यालय बालजती प्रथम में दोपहर 12:30 बजे मिले इंतसार हुसैन ने बताया कि ड्राफ्ट सूची में उनका नाम गलत हो गया है। बेटियों के विवरण में भी पिता का नाम गलत है। वासिद उल्ला खान के उपनाम भी त्रुटि है। पिता-पुत्र की आयु में 50 वर्ष से ज्यादा का अंतर दर्शाकर आवेदकों को नोटिस जारी हुए हैं। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज के बूथ 216 पर सूफी टोला के सलीम खान बेटे मजहर और बेटी नेहा के साथ पहुंचे थे। इनको मिले नोटिसों में माता-पिता और बच्चों की आयु में 50 वर्ष से अधिक का अंतर दिखाया गया है। मोहम्मद जावेद भी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से जुड़ाव का प्रमाण नहीं दे पा रहे हैं।

आधार संशोधन में छूट रहे पसीने

प्राथमिक विद्यालय बालजती प्रथम पर मिले नवादा शेखान निवासी रामकरन लाल मौर्य ने बताया कि बहू का नया वोट बनवाना है। उसके आधार कार्ड पर मायके का पता दर्ज है। संशोधन कराने के लिए उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी। आधार केंद्र पर कई बार लंबी लाइन में लगे। पत्नी रिया सैनी का वोट बनवाने के लिए बूथ पर आए नवादा शेखान के विकास बाबू ने बताया कि आधार केंद्र से वह सीधे बूथ पर आए हैं। आधार संशोधन के लिए वहां कई दिन लाइन में लगना पड़ा।

नोटिस तामील कराने में परेशान हो रहे बीएलओ

बूथ संख्या 217 की बीएलओ पूजा सविता ने बताया कि मौलाना आजाद इंटर कॉलेज में सूफी टोला, रबड़ी टोला, काजी टोला के 17 बूथ हैं। आवेदकों को जो नोटिस जारी हुए हैं, उन पर संबंधित के पिता का नाम नहीं है, न ही कोई मोबाइल नंबर लिखा है। ऐसे में नोटिस तामील कराने के लिए संबंधित व्यक्ति की खोज में कई घरों की कुंडी बजानी पड़ रही है।

आरक्षण पर संघ प्रमुख मोहन भागवत की दो टूक

समाज में भेदभाव वाले बयान का समझिए मतलब

देहरादून, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत का आरक्षण को लेकर एक बार फिर बयान दिया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में चुनावी माहौल अब गरमाता दिख रहा है। इस बीच मोहन भागवत के बयान ने हलचल तेज की है।

दरअसल, पूर्व के कई चुनावों के दौरान संघ प्रमुख की ओर से आरक्षण को लेकर ऐसा बयान दिया गया, जिस पर राजनीति गरमाती रही है। इस बार मोहन भागवत आरक्षण के पक्ष में बयान देते दिखे हैं। संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार को गढ़ी कैंट स्थित कल्चरल सेंटर में सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। भाजपा पर संघ के नियंत्रण पर भी उन्होंने बड़ी बात कही।

सामाजिक विषमता की कही बात

आरएसएस प्रमुख के आरक्षण को लेकर इस बयान को वर्तमान राजनीतिक परिपेक्ष्य में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मोहन भागवत ने कहा कि संविधान में आरक्षण के तय प्रावधानों का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक चेतना का असर दिख रहा है। जो लोग आरक्षण का लाभ लेकर संपन्न हो चुके हैं, वे अब खुद इसका लाभ छोड़ने लगे हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि जब तक सामाजिक विषमता है, तब तक भेदभाव है। शहरों में अलग तरीके से अस्पृश्यता के मामले देखे जाते हैं। गांवों में अलग तरीके से भेदभाव की बात सामने आती है। स्वतंत्रता, समानता का सभी को अधिकार है। इस भेदभाव को सामाजिक समरसता से ही समाप्त किया जा सकता है।

संघ की कार्यप्रणाली का जिक्र

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की कार्यप्रणाली का जिक्र किया। उन्होंने संघ में जातीय भेदभाव न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता के की दिशा में संघ लगातार सक्रिय है। संघ में किसी की जाति नहीं पूछी जाती। उन्होंने कहा, हिंदू शास्त्रों में भी सामाजिक कुरितियों और भेदभाव की कोई जगह नहीं है।

टैरिफ को लेकर बोला हमला

आरएसएस सरसंघचालक ने कहा कि हमें राष्ट्र को इतना मजबूत बनाना होगा कि कोई भी हमें टैरिफ का डर न दिखा पाए। जब राष्ट्र सुरक्षित और प्रतिष्ठित होता है, तो विश्व में भी हम सुरक्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि अपने स्वदेशी सिस्टम को हमें मजबूत बनाना होगा। तभी हम विकसित राष्ट्र, विश्व गुरु बनेंगे। मोहन भागवत ने कहा कि आने वाले समय में विश्व का हर रास्ता भारत से ही होकर निकलेगा।

देश में सबका डीएनए एक

संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के सभी लोगों का डीएनए एक ही है। ये बात वैज्ञानिक प्रमाणित है। उन्होंने कहा कि खानपान, पूजा, रीति रिवाज भले ही अलग-अलग हो, लेकिन इन सबसे ऊपर सभी को आपस में एक सूत्र में जोड़ना ही हिंदुत्व है। उन्होंने कहा कि अखंड भारत के क्षेत्र से जुड़े सभी लोग, भले ही वे किसी भी धर्म के हों, वे आज भी वंशावली देखते हैं। संघ प्रमुख ने आरएसएस की आजादी की लड़ाई में भूमिका की भी चर्चा की। आरएसएस चीफ ने कहा कि संघ का देश की आजादी में अहम योगदान है। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार कभी भी अंग्रेजों के आगे नहीं झुके। वे पश्चिम भारत में क्रांतिकारी समिति के कोर कमेटी सदस्य रहे। राजद्रोह का केस उन पर लगा। रासबिहारी बोस, वीर सावरकर, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, अरविंद बोस के साथ मुहिम में रहे। बाद में उन्होंने गुलामी जैसे हालात पैदा ही न हों, इसके लिए संघ की स्थापना की।

अतिक्रमण हटाओ अभियान

1400 से अधिक अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर

राजकोट, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में रविवार को नगर निगम के अधिकारियों ने शहर में अवैध कब्जे हटाने का एक बड़ा अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई में 1,489 अवैध इमारतों को गिराया जाएगा। अधिकारियों ने जानकारी दी कि डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी के आदेश मिलने के बाद, राजकोट नगर निगम (आरएमसी) ने जंगलेश्वर इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

क्या बोले अधिकारी?

म्युनिसिपल कमिश्नर तुषार सुमेरा ने बताया कि पुलिस की मदद से जंगलेश्वर में अजी नदी के किनारे और म्युनिसिपल टाउन प्लानिंग रोड पर बनी 1,489 संपत्तियों को हटाया जाएगा। निगम ने शनिवार से ही लोगों से घर खाली करवाना शुरू कर दिया था।

पूर्व रेल मंत्री और टीएमसी नेता मुकुल रॉय का निधन; पीएम मोदी ने जताया शोक

कोलकाता, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के नेता और पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन हो गया है। मुकुल रॉय बीमार थे और उनका कोलकाता के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। मुकुल रॉय के बेटे सुभ्रांशु रॉय ने अपने पिता के निधन की पुष्टि की है और बताया कि बीती रात 1.30 बजे उन्हें अस्पताल में ही दिल का दौरा पड़ा और उन्हें बचाया नहीं जा सका। वे 71 वर्ष के थे।

टीएमसी के संस्थापक सदस्य रहे मुकुल रॉय तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और पार्टी के संगठन को खड़ा करने में उनकी अहम भूमिका थी। ममता बनर्जी के बाद वे टीएमसी में दूसरे नंबर के नेता थे। यही वजह थी कि जब टीएमसी सत्ता में आई और केंद्र में हिस्सेदारी मिली तो मुकुल रॉय को रेल मंत्री बनाया गया।

भाजपा को बंगाल में पैठ बनाने में की मदद

इसके बाद साल 2017 में मुकुल रॉय भाजपा में शामिल हो गए। मुकुल रॉय ने जमीनी स्तर पर काम करके भाजपा को बंगाल में पैर जमाने में मदद की। उनके भाजपा में रहते हुए ही पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। साल 2021 में मुकुल रॉय कृष्णानगर उत्तर सीट से विधायक चुने गए। हालांकि जल्द ही उन्होंने भाजपा का साथ छोड़ दिया और वापस टीएमसी में लौट आए। हालांकि टीएमसी में वापस आने के बाद वे ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन पर दुख जताया और कहा कि उन्हें उनके राजनीतिक अनुभव और समाज की सेवा करने की कोशिशों के लिए याद किया जाएगा।

'हमारा वोट सीटी के लिए, कोई हमें खरीद नहीं सकता'

स्टालिन पर भी साधा निशाना

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु की सियासत में टीवीके प्रमुख लगातार तमिलनाडु सरकार और भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। इसी बीच वेल्लोर में टीवीके की रैली के दौरान उन्होंने दमदार भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि कोई हमें खरीद नहीं सकता, हमारा वोट सीटी के लिए है। विजय ने कहा कि उनकी पार्टी किसी के भरोसे धोखा नहीं खाएगी और अपने वादों पर बिना किसी विचलन के कायम रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार बनने के बाद वह खुद हर गांव में जाकर लोगों से मिलेंगे।

अनिल अंबानी को बड़ा झटका

बैंक खातों को 'फ्रॉड' घोषित करने पर रोक का आदेश रद्द

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी को झटका देते हुए एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें उनके एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को "धोखाधड़ी" वाला वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंक और लेखा परामर्श कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी की, दिसंबर 2025 में पारित एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया।

खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए इसे "अवैध एवं विकृत" करार दिया। अंबानी के वकीलों ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि आदेश पर रोक लगाई जाए ताकि वे उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकें, लेकिन अदालत ने यह मांग ठुकरा दी। अंबानी एवं उनकी कंपनी को अंतरिम राहत देने वाले दिसंबर 2025 के आदेश को तीनों बैंक ने पिछले महीने चुनौती दी थी। उस आदेश में अनिवार्य भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कहा गया था कि बैंक वर्षों बाद "गहरी नींद से जागे" हैं। एकल पीठ ने इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा की गई वर्तमान और भावी कार्रवाई पर रोक लगाते हुए कहा था कि यह कार्रवाई कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण 'फोरेंसिक ऑडिट' पर आधारित है और भारतीय रिजर्व बैंक के अनिवार्य दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करती है।

इन बैंक ने अपनी अपील में कहा कि जिस 'फोरेंसिक ऑडिट' के आधार पर खातों को "धोखाधड़ी" वाला वर्गीकृत किया गया, वह कानूनी रूप से वैध था और उसमें धन की हेराफेरी एवं दुरुपयोग के गंभीर परिणाम सामने आए हैं जो बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में दर्ज है।

बैंकों ने साथ ही कहा कि अंबानी ने एकल पीठ के समक्ष 'फोरेंसिक ऑडिट' को तकनीकी आधार पर चुनौती दी थी और खंडपीठ से एकल पीठ के अंतरिम आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया था। अंबानी ने एकल पीठ के समक्ष इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी थी, जिनमें उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खातों को "धोखाधड़ी खाता" वर्गीकृत करने का प्रस्ताव था। अंतरिम राहत के रूप में उन्होंने नोटिस पर रोक और किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर प्रतिबंध का अनुरोध किया था।

तिरुवनंतपुरम में स्कूल बसों में लगी भीषण आग, तीन जलकर राख

साजिश की आशंका के बीच जांच शुरू

तिरुवनंतपुरम, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में सोमवार तड़के एक स्कूल मैदान में खड़ी बसों में भीषण आग लग गई। इस आग में तीन स्कूल बसें पूरी तरह जलकर राख हो गईं, जबकि एक अन्य बस आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई। घटना सुबह करीब 2.45 बजे कझक्कूट्टम थाना क्षेत्र के थुंडाथिल स्थित एक हायर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में हुई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोग दहशत में आ गए।

पुलिस के अनुसार फायर एंड रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बसें स्कूल परिसर में खड़ी थीं और अचानक आग भड़क उठी। राहत की बात यह रही कि घटना के समय बसों में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

साजिश की आशंका

घटनास्थल के पास एक टेम्पो ट्रैवलर वाहन मिला है, जिससे तोड़फोड़ या साजिश की आशंका जताई जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह वाहन वहां कैसे पहुंचा और किसने खड़ा किया। स्कूल प्रबंधन और स्थानीय लोगों का मानना है कि आग दुर्घटनावश नहीं लगी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

कझक्कूट्टम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच की जाएगी। फिलहाल इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और स्कूल प्रशासन को भी सतर्क रहने को कहा गया है।

राहुल गांधी ने 'मोहम्मद दीपक' से की मुलाकात, साहस की सराहना की

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में जिम ट्रेनर दीपक कुमार से मुलाकात की। दीपक उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कोटद्वार में एक मुस्लिम बुजुर्ग दुकानदार-एडवोकेट अहमद के 'बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर'-का बचाव किया था। सोशल मीडिया पर उन्हें "मोहम्मद दीपक" के नाम से भी जाना जा रहा है। मुलाकात के बाद दीपक कुमार ने साफ कहा कि उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के साथ-साथ उनकी मुलाकात सोनिया गांधी से भी हुई, जिन्होंने उनके साहस की सराहना करते हुए कहा कि समाज को ऐसे युवाओं की जरूरत है। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान कोटद्वार के विजय रावत और एक अन्य युवक भी उनके साथ मौजूद थे। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, "हर इंसान, एक समान — यही भारतीयता, यही मोहब्बत की दुकान। उत्तराखंड के भाई 'मोहम्मद दीपक' से मुलाकात — एकता और साहस की ऐसी ही लौ हर भारतीय युवा में जलनी चाहिए।" साझा तस्वीरों में राहुल गांधी और दीपक कभी बातचीत करते, कभी गले मिलते और कभी हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं, जबकि दीपक के साथी विजय रावत और एक अन्य युवक भी पास में बैठे दिखाई देते हैं।

केंद्र ने 2021 से अब तक कबाड़ की बिक्री कर कमाए 4,405 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत वर्ष 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के अनुसार, दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई है, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं। विभाग के मुताबिक, 'सचिवालय सुधार' का 27 वां संस्करण शासन और प्रशासन में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से चल रही पहलों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। लगभग 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय (1,88,687 वर्ग फुट) और भारी उद्योग मंत्रालय (62,129 वर्ग फुट) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं, एक रिपोर्ट में बताया गया, "प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया (कुल शिकायतों का 90.41 प्रतिशत निपटाया गया), साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया।

इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है। जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से लगभग 93.81 प्रतिशत ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से लगभग 95.29 प्रतिशत ई-रसीदें थीं, और 65 मंत्रालयों/विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 प्रतिशत ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों/विभागों की ई-रसीदों में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सिक्किम में बर्फीले संकट के बीच सेना का 'ऑपरेशन हिमराहत'

46 पर्यटक सुरक्षित निकाले

गंगटोक, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी सिक्किम के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अचानक हुई भारी बर्फबारी के बीच भारतीय सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन हिमराहत' के तहत फंसे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए व्यापक बचाव अभियान चलाया। यह अभियान रविवार को शुरू किया गया।

गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि अचानक और तेज बर्फबारी के साथ शून्य से नीचे तापमान पहुंचने के कारण कई पर्यटक वाहन संवेदनशील मार्गों पर फंस गए थे। प्रतिकूल मौसम के चलते लोग खुले में कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेना के जवान तुरंत प्रभावित इलाकों में पहुंचे और राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया।

46 पर्यटकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कुल 46 पर्यटकों को सुरक्षित निकालकर नजदीकी सेना शिविर में पहुंचाया गया। शिविर में उनका तत्काल चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा गर्म कपड़े, गरम भोजन, हीटिंग की व्यवस्था और आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। सेना की मेडिकल टीमों ने सभी व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर उन्हें सुरक्षित और स्थिर होने के बाद आगे की आवाजाही के लिए तैयार किया।

केरल विधानसभा में सबरीमाला सोना चोरी विवाद पर घमासान

यूडीएफ ने सदन चलाने में सहयोग न करने का किया एलान

तिरुवनंतपुरम, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला सोना गुमशुदगी मामले और तंत्री कंदरारू राजीवारू की गिरफ्तारी को लेकर केरल विधानसभा में सोमवार को जोरदार टकराव देखने को मिला। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ आमने-सामने आ गए। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने साफ कहा कि सरकार के रुख के खिलाफ वह सदन की कार्यवाही में सहयोग नहीं करेगा।

जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, यूडीएफ सदस्यों ने स्पीकर को अपनी आपत्ति से अवगत कराया। उन्होंने देवस्वम मंत्री वी एन वसवन के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की और तख्तियां लहराईं। विपक्षी सदस्य स्पीकर के आसन के सामने धरने पर बैठ गए। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन की अनुपस्थिति में वरिष्ठ विधायक के बाबू ने सरकार पर तीखा हमला बोला। बाबू ने कहा कि तंत्री राजीवारू को बिना ठोस सबूत के गिरफ्तार किया गया और 40 दिन तक जेल में रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे पर सरकार के रुख का समर्थन न करने की वजह से कार्रवाई की गई। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल अयप्पा संगमम कार्यक्रम में कथित अनियमितताएं हुईं।

'सिस्टम हैक' कर निकाले करोड़ों रुपये, राजस्थान में 'साइबर सरकार' का खेल

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा राजस्थान की पेंशन और फसल नुकसान मुआवजा योजनाओं में बड़े घोटाले का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और करोड़ों रुपये के गबन का खुलासा हुआ है। हजारी लाल 35 साल के हैं और राजस्थान के मनोहर थाना क्षेत्र के राजपुरा में रहते हैं। उनका कहना है कि करीब दो साल पहले 15 साल के एक किशोर ने उनके संपर्क किया था। जिसने सरकारी नकद योजना का फायदा दिलाने के लिए उनके आधार कार्ड की फोटो मांगी थी। इसके बदले में उस लड़के ने स्कीम में मिलने वाली रकम का 50 प्रतिशत हिस्सा देने का वादा किया। आठ दिन बाद, हजारी लाल को वादे के अनुसार 5,000 रुपये मिले। जिस व्यक्ति ने कथित रूप से उन्हें यह रकम दी उसका नाम रामबाबू है और वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है। हजारी लाल का कहना है कि उन्हें आज तक यह नहीं पता कि उन्हें किस योजना के तहत यह पैसा मिला था।

दिनेश कुमार 38 वर्ष के हैं और झालावाड़ के बट्टूखेरी गांव में एक मोबाइल दुकान के मालिक हैं। वह याद करते हुए बताते हैं कि उन्होंने करीब 3-4 साल पहले एक फॉर्म भरा था और अपनी आधार डिटेल्स शेयर की थीं क्योंकि 'हर कोई ऐसा कर रहा था।' कुछ दिनों बाद ही उनकी पत्नी को पीएम-किसान के तहत 6000 रुपये मिले और 'कुछ महीनों पहले' उन्हें इसी स्कीम के तहत 32,000 रुपये की रकम मिली। बता दें कि पीएम किसान के तहत सभी भूमिधारक किसान परिवारों को 3 किस्तों में 6000 रुपये सालाना मिलते हैं। कुमार के पिता के पास '10-12 बीघा' जमीन है लेकिन उनके अपने नाम पर कुछ नहीं है। राम दयाल 25 वर्ष के हैं मनोहर थाना के मदनपुरा गांव के निवासी हैं। उनका कहना है कि जब दो साल पहले उनके अकाउंट में 33,000 रुपये आए तो वह चौंक गए। क्योंकि उन्होंने किसी भी योजना के लिए आवेदन नहीं किया था तो वो सतर्क हो गए। एक छोटा क्लीनिक चलाने वाले राम दयाल ने बताया, "मैंने कलेक्टर से संपर्क किया और साइबर पुलिस स्टेशन को सूचना दी।" इसके बाद एक स्थानीय फोटोकॉपी दुकान चलाने वाले शख्स की गिरफ्तारी हुई और दयाल के अकाउंट से पैसे निकाल लिए गए। दयाल को शक है कि फोटोकॉपी दुकान मालिक ने उनके आधार की एक कॉपी रख ली थी और सरकारी स्कीम में आवेदन के लिए इस्तेमाल किया। भगवान दास 30 वर्ष के हैं और मनोहर थाना के खाताखेड़ी में रहते हैं। उनका कहना है कि स्थानीय ई-मित्र ऑपरेटर ने उन्हें दो साल पहले मजदूरों के लिए एक योजना के बारे में बताया था। उनका कहना है, "उसने कहा कि मुझे पैसे मिलेंगे और कहा कि रकम आधी-आधी बांट लेंगे। उस वक्त लगभग हर कोई अपना आधार नंबर उसे दे रहा था, तो मैंने भी दे दिया।"

तारिक रहमान के पीएम बनते ही बांग्लादेशी सेना में फेरबदल

भारत से रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर प्रमोशन दिया, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ भी बदला

ढाका, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद ही तारिक रहमान ने सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। रविवार को जारी आदेशों में ऑपरेशनल और इंटेलिजेंस पदों पर नई नियुक्तियां की गईं।

भारत में तैनात रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एमडी हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल पद पर प्रमोट किया गया है। उन्हें वापस बुलाकर 55वीं इन्फैंट्री डिविजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) नियुक्त किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मैनूर रहमान को सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) बनाया गया है। वे इससे पहले आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के प्रमुख थे।

उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह ली है, जिन्हें रिटायरमेंट लीव पर भेज दिया गया था।

मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेस इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आर्मी मुख्यालय में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर कार्यरत थे।

उन्होंने मेजर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम की जगह ली है, जिन्हें फिलहाल विदेश मंत्रालय में राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को सशस्त्र बल डिविजन का प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर (पीएसओ) बनाया गया है। वे इससे पहले चटगांव स्थित 24वीं इन्फैंट्री डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) थे। मौजूदा पीएसओ लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन को विदेश मंत्रालय में राजदूत के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है।

मेजर जनरल जेएम एमदादुल इस्लाम को ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर का कमांडेंट नियुक्त किया गया है। वहीं मेजर जनरल फिरदोस हसन सलीम को 24वीं इन्फैंट्री डिविजन का जीओसी बनाया गया है।

बांग्लादेश सेना में फेरबदल क्यों हुआ?

ये बड़ा फेरबदल तारिक रहमान की नई बीएनपी सरकार के लिए सेना पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने का पहला बड़ा कदम माना जा रहा है।

फरवरी 2024 में छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी थी, जिसने सेना के कई शीर्ष पदों पर अपने करीबी या पुरानी व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को तैनात किया था।

अब 12 फरवरी 2026 के चुनाव में बीएनपी की भारी जीत के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री बने, तो नई सरकार ने जल्दी से इन पदों पर बदलाव किए।

इसके पीछे मुख्य वजह यह माना जा रहा है कि पुराने अधिकारियों (जो यूनुस सरकार या हसीना काल से जुड़े थे) को हटाकर बीएनपी के करीबी या नई सरकार के प्रति वफादार अधिकारियों को महत्वपूर्ण कमांड और खुफिया पद दे रही है, ताकि सेना नई सरकार के खिलाफ कोई असंतुलन पैदा न करे और सेना मजबूत हो सके।

इस फेरबदल से क्या फायदा

सरकार मजबूत होगी- सेना के बड़े पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति से नई सरकार को सेना का साफ समर्थन मिलेगा। इससे सरकार के खिलाफ बगावत या अस्थिरता की संभावना कम हो सकती है, खासकर जब हाल में देश में राजनीतिक तनाव रहा है।

पुरानी व्यवस्था के प्रभाव कम होंगे- जो अधिकारी पिछली सरकारों जैसे मोहम्मद यूनुस या शेख हसीना के करीब माने जाते थे, उन्हें हटाया या दूसरे पदों पर भेजा जा रहा है। इससे नई सरकार के विरोधी माने जाने वाले लोगों का प्रभाव कम होगा।

भारत से संबंधों पर असर- भारत में तैनात रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर नई जिम्मेदारी दी गई है। इससे दिल्ली में बांग्लादेश की मिलिट्री लीडरशिप बदलेगी। आगे चलकर भारत-बांग्लादेश रिश्तों में थोड़ा नया संतुलन देखने को मिल सकता है।

सेना का फोकस बदलेगा- नए अधिकारियों के आने से सेना का फोकस राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा पर ज्यादा हो सकता है। इससे सरकार को अर्थव्यवस्था, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों पर काम करने का ज्यादा मौका मिलेगा।

रूस से अमेरिका तक हमला कर सकता है दुनिया का पहला अंतरमहाद्वीपीय फाइटर जेट सू-34

मॉस्को, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूस दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनकी ताकतवर फाइटर जेट बनाने में महारत मानी जाती है। लड़ाकू विमानों को लेकर रूस की अमेरिका और पश्चिम के दूसरे देशों से प्रतिद्वंद्विता रही है। रूस का ऐसा ही लड़ाकू विमान सू-34 है, जो अमेरिका जैसे देशों का भी ध्यान खींचता रहा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी हवा में देर तक रहने की क्षमता और बड़ा फ्यूल टैंक है। ये एक ऐसा विमान है, जो रूस से अमेरिका तक उड़ान भर सकता है।

मिलिट्री वॉच मैगजीन के मुताबिक, रूसी सू-34 स्ट्राइक फाइटर दुनिया में कहीं भी सबसे लंबी ऑपरेशनल रेंज वाला टैक्टिकल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है। इसकी एंड्योरेंस (हवा में रहने की क्षमता) कई तरह के स्ट्रेटेजिक बॉम्बर्स के बराबर है। यह लंबे समय तक घूमने से लेकर डीप पेनेट्रेशन मिशन

जरूरतों के लिए ऑपरेशनल फ्लेक्सिबिलिटी देता है।

अलग से फ्यूल टैंक की नहीं होती जरूरत

पश्चिमी के फाइटर्स के उलट रूसी फाइटर्स को एक्सटर्नल फ्यूल टैंक ले जाते बहुत कम देखा जाता है क्योंकि उनकी लंबी रेंज इंटरनल फ्यूल का इस्तेमाल करती है। इससे वे बिना ड्रैग लगाए लंबी दूरी पर असरदार तरीके से काम कर सकते हैं। ऐसे टैंकों का इस्तेमाल करके उपलब्ध वेपन हार्डपॉइंट की संख्या को कम कर सकते हैं। सू-34 का तीन पीटीबी-3000 3,000 लीटर एक्सटर्नल फ्यूल टैंक के साथ बहुत कम देखा जाना बताता है कि यह एयरक्राफ्ट इंटरकॉन्टिनेंटल रेंज पर ऑपरेशन के लिए कॉन्फिगर होने की एक खास क्षमता है।

सू-34 को सोवियत सू-27 एयर सुपीरियोरिटी फाइटर के डेरिवेटिव के तौर पर डेवलप किया गया था, जो 20वीं सदी में सबसे लंबी रेंज वाला फाइटर टाइप था।

मोदी का इजरायल दौराः नेतन्याहू से मुलाकात

तेल अवीव, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हफ्ते इजरायल दौरे पर जा रहे हैं। उनकी यह यात्रा तब हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चंद दिनों पहले गाजा के पुनर्निर्माण को लेकर बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस की बैठक की थी। हालांकि, निमंत्रण के बावजूद भारत इसका सदस्य नहीं बना है। भारत सिर्फ ऑब्जर्वर के तौर पर इसमें शामिल हुआ था। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पीएम मोदी के इस दौरे से काफी खुश हैं। उन्होंने एक दिन पहले ही भारत की जमकर तारीफ की और पीएम मोदी को अपना सबसे करीबी दोस्त बताया। पीएम मोदी ने भी बदले में भारत-इजरायल संबंधों की तारीफ की और अपनी यात्रा को लेकर उत्साह जताया।

पीएम मोदी की इजरायल यात्रा से पहले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कम से कम दो बार भारत आने की तारीख का ऐलान किया था। हालांकि, उनकी यात्रा अलग-अलग कारणों से मुकम्मल न हो सकी। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा होगी। इससे पहले वे जुलाई 2017 में इजरायल का दौरा कर चुके हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत की इजरायल के साथ नजदीकियां काफी बढ़ी हैं। बड़ी संख्या में इजरायल के शीर्ष नेता और अधिकारी भारत आ रहे हैं। भारतीय अधिकारी भी इजरायल का दौरा करते हैं। ऐसे में जानें कि पीएम मोदी का इजरायल दौरा क्यों महत्वपूर्ण है और इस पर दुनिया की नजर क्यों रहेगी।

पीएम मोदी का इजरायल दौरा तब हो रहा है, जब मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है। गाजा युद्ध भले ही खत्म हो गया है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच छिटपुट झड़पें अभी जारी है। वहीं, इजरायल गाजा पट्टी में यहूदी कॉलोनियों का तेजी से विस्तार कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच भी तनाव चरम पर है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका कभी भी ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसमें इजरायल के भी शामिल होने का अंदेशा है, जो अमेरिका का साथ देगा और ईरान की मुश्किलें बढ़ाएगा। अगर मध्य पूर्व में संघर्ष छिड़ता है तो इससे उस इलाके में रहने वाले करीब 90 लाख भारतीय लोग भी प्रभावित हो सकते हैं।

हाल में ही नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि वह भारत को साथ लेकर हेक्सागन अलायंस बनाने जा रहे हैं, जिसमें अरब, अफ्रीकी और एशियाई देश भी शामिल होंगे।

पति ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

कोरबा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सोमवार को पति ने पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पत्नी के कैरेक्टर पर शक करता था। झगड़े के बाद गुस्साए पति ने डंडे से पत्नी को इतना पीटा कि, उसकी जान चली गई। मामला बालको थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी पति का नाम फुलजेन तिर्की (38) है। चरित्र संदेह को लेकर पत्नी गीता तिर्की (36) के अक्सर विवाद होता था। सोमवार सुबह इसी बात पर दंपती के बीच झगड़ा हो गया। पिटाई के दौरान गीता के सिर पर गंभीर चोट लगी थी।

बताया जा रहा है कि पति रविवार को ही गोवा से लौटा था। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, फुलजेन तिर्की अपने बड़े बेटे के साथ गोवा में रहता था।

नेपाल के पूर्व राजा ने चुनाव से ठीक पहले मारी एंट्री

भारत के पड़ोस में फिर मचेगी उठापटक

काठमांडू, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल की पहचान ऐसे देश है, जो राजनीतिक तौर पर बहुत स्थिर नहीं रहा है। ये राजनीतिक अस्थिरता बीते साल काफी ज्यादा बढ़ गई, जब युवा सड़कों पर उतर आए और केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद बनी अंतरिम सरकार ने 5 मार्च को आम चुनाव का ऐलान किया है। एक ओर नेपाल में चुनाव और डेमोक्रेसी की बात हो रही है तो वहीं राजशाही के लिए भी समर्थन देखा जा रहा है। इस सबके बीच चुनाव से ठीक पहले पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की अपील ने नए राजनीतिक 'खेल' की संभावनाओं के दरवाजे खोल दिए हैं।

ज्ञानेंद्र शाह ने बीते हफ्ते (18 फरवरी) आठ मिनट का वीडियो मैसेज जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि नेपाल के अपने हालिया संकट को हल करने से पहले चुनाव नहीं कराने चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि चुनावों पर आगे बढ़ाने से पहले

देश की जरूरी समस्याओं को हल करना ज्यादा सही होगा। उन्होंने कहा कि नेपाल मुसीबत के बवंडर में फंसा है, उसे इससे निकाला जाए।

नेपाल के चुनाव में पूर्व राजा के दखल ने कई सवाल खड़े किए हैं। उनका वीडियो जारी करना क्या सिर्फ स्थिरता के लिए एक नैतिक अपील है।

कई एक्सपर्ट का मानना है कि यह नैतिक अपील से ज्यादा बंटे हुए चुनाव मैदान के बीच एक राजनीतिक संकेत है। पूर्व राजा की दखल पर बात करने से पहले चुनाव के मुख्य खिलाड़ियों को जान लेना भी जरूरी है।

नेपाल के इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, 5 मार्च के चुनावों के लिए करीब 1 करोड़ 90 लाख वोटर रजिस्टर हैं। 165 पार्लियामेंट्री सीटों पर 3,500 से ज्यादा उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इसमें 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व हैं। इस सबमें एक बड़ा बदलाव यह है कि इस दफा पारंपरिक बड़े दल देउबा की नेपाली कांग्रेस और ओली की CPN-UML आक्रामकता से चुनाव में नहीं है।

नेपाल की बड़ी राजनीतिक ताकत केपी ओली बचाव की मुद्रा में लड़ रहे हैं। बीते साल की अशांति ने उनकी अथॉरिटी को काफी कमजोर किया है। पिछले चुनावों में ओली ने पूरे देश में बड़े पैमाने बड़ी रैलियां की थीं। चार बार के प्रधानमंत्री ओली ने इस दफा खुद को काफी हद तक अपने घरेलू मैदान झापा-5 सीट तक ही सीमित कर रखा है।

काठमांडू के मेयर पद से इस्तीफा देकर चुनाव में उतरे पूर्व रैपर बालेन शाह झापा-5 सीट से ओली को चुनौती दे रहे हैं। इसने ओली के लिए अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर प्रचार करने की गुंजाइश नहीं छोड़ी है।

ओली बहुत शांति से प्रचार में हैं तो बालेन शाह खुद को सिस्टम में सुधार के चेहरे के तौर पर पेश कर रहे हैं और उनकी रैलियों में काफी हल्ला है।

अमेरिकी यौन अपराधी का विमान जर्जर हालत में

नाबालिग लड़कियों को ले जाता था, अडल्ट नॉवेल से 'लोलिता' नाम मिला

वाशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का निजी विमान 'लोलिता एक्सप्रेस' अब दक्षिणी अमेरिका के एक एयरक्राफ्ट यार्ड में जर्जर हालत में खड़ा है। करीब छह दशक पुराना यह बोइंग 727 अब दोबारा कभी उड़ान नहीं भरेगा।

करीब 60 साल पुराना और 133 फीट लंबा लोलिता एक्सप्रेस कभी महंगी साज-सज्जा और निजी केबिन के लिए जाना जाता था। अब इसकी बाहरी सतह पर जंग और गंदगी की परत जमी है। इंजन वर्षों पहले हटा दिए गए, जिससे यह स्थायी रूप से जमीन पर खड़ा है।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, इस विमान का इस्तेमाल नाबालिग लड़कियों को न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा ले जाने में किया गया। पीड़ितों ने बयान दिए कि उड़ानों के दौरान भी शोषण हुआ।

एक सर्वाइवर वर्जीनिया जिउफ्रे ने भी दावा किया था कि उनके साथ विमान में यौन उत्पीड़न हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान के भीतर अब भी फ्लाइट मैनुअल, फाइलें, नैपकिन और प्लेसमैट रखे हैं, जिन पर नंबर छपा है। बाथरूम कैबिनेट में टॉयलेट्री आइटम और निजी सामान पड़े हैं।

मुख्य सोने वाले हिस्से में अब भी गद्दा मौजूद है, जिसके ऊपर इमरजेंसी ऑक्सीजन मास्क लटके हैं। लाल रंग के अपहोल्स्ट्री वाले सीटिंग लाउंज अब धूल से ढंके हैं।

रिकॉर्ड के अनुसार, 2001 में एपस्टीन से जुड़ी एक कंपनी ने यह विमान खरीदा था। 2019 में संघीय सेक्स-ट्रैफिकिंग आरोपों में उसकी गिरफ्तारी से ठीक पहले मालिकाना हक बदला गया। इसके बाद यह कई एविएशन कंपनियों के जरिए ट्रांसफर हुआ।

हालांकि पहले इसे स्क्रैप करने की योजना थी, लेकिन अब तक इसे पूरी तरह तोड़ा नहीं गया है। विमान को 'लोलिता एक्सप्रेस' उपनाम इसलिए दिया गया क्योंकि आरोप थे कि इसमें नाबालिग लड़कियों की तस्करी हुई। यह नाम 1955 के अडल्ट नॉवेल 'लोलिता' से लिया गया है, जिसमें एक पुरुष की 12 साल की लड़की के प्रति आसक्ति की कहानी है।

रायगढ़ के मोबाइल दुकान में 5 लाख की चोरी

रायगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में अज्ञात नकाबपोश चोरों ने एक मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी कर ली। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें 4-5 चोर वारदात को अंजाम देते नजर आ रहे हैं।

ग्राम कुडुमकेला के तेलीपाटा निवासी सेतराम साव (31) सड़कपारा मेन रोड पर 'साव कंप्यूटर एंड मोबाइल' नाम से दुकान संचालित करते हैं। 15 फरवरी की रात करीब 8:15 बजे दुकान बंद कर वे घर चले गए थे। अगली सुबह पहुंचने पर शटर का ताला टूटा मिला और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि कपड़ा बांधकर चोर लोहे की रॉड से शटर तोड़कर अंदर घुसे और काउंटर में रखे मोबाइल बैग में भरकर ले गए। दुकान संचालक के मुताबिक चोर 43 नए मोबाइल, 40 पुराने मोबाइल, अन्य सामान और गल्ले में रखे 3 हजार कैश ले गए। चोरों ने सीसीटीवी कैमरा भी उखाड़ लिया, लेकिन डीवीआर वहीं छोड़ दिया, जिससे पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई। सेतराम साव ने बताया कि चोरी में लगभग 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आसपास तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। घरघोड़ा थाना प्रभारी कुमार गौरव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रेमी जोड़े ने की आत्महत्या

गुमला, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के सुरुहू गांव के आकरा गबरी टोली में एक प्रेमी युगल का शव सोमवार को पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग में आत्महत्या का लग रहा है। मृतक युवक की पहचान आकरा गबरी टोली निवासी रमेश चीक बड़ाईक (20) पुत्र स्वर्गीय बैधनाथ चीक बड़ाईक के रूप में हुई है। वहीं, लड़की पोढोटोली निवासी सोनी कुमारी (16) पुत्री राजू सिंह थी। इस मामले में एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मृतक रमेश चीक बड़ाईक ने आत्महत्या से पहले इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो अपलोड किया था।

सड़क हादसे के बाद बवाल

धनबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। झरिया में नगर निगम चुनाव के बीच एक सड़क हादसे ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। देर रात झरिया थाना और घनुवाडीह ओपी क्षेत्र के लिलौरी पथरा इलाके में अवैध कोयला ले जा रहे एक ट्रक की चपेट में आने से एक बच्ची की मौत हो गई।

घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने मौके पर ही दो से तीन कोयला लदे ट्रकों को रोक लिया और विरोध शुरू कर दिया। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध कोयला परिवहन लगातार जारी है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। बच्ची की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और देर रात से ही इलाके में तनाव का माहौल बना रहा।

सोमवार सुबह गुस्साए लोगों ने झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग पर डीएवी उच्च विद्यालय के पास आगजनी कर सड़क जाम कर दिया। यह स्थान बूथ संख्या 12, 13, 14 और 15 के समीप है। सड़क जाम होने से मतदान प्रक्रिया प्रभावित हो गई और मतदाताओं को बूथों तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग बीच रास्ते से लौटते नजर आए, जबकि कुछ मतदाता पैदल ही वैकल्पिक रास्तों से मतदान केंद्र तक पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और अवैध कोयला ढुलाई पर रोक लगाने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। प्रशासनिक अधिकारी आंदोलनकारियों को समझाने और सड़क जाम हटवाने का प्रयास कर रहे हैं।

रूस की परमाणु ताकत और बढ़ेगी

यूक्रेन युद्ध के चार साल पर पुतिन ने किया बड़ा ऐलान, अमेरिका टेंशन में

मॉस्को, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के चार साल पूरे होने के अवसर पर देश की परमाणु ताकत बढ़ाने का ऐलान किया। पुतिन ने कहा है कि रूस अपनी मिलिट्री और टेक्नोलॉजिकल क्षमताओं को बेहतर बनाता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में न्यूक्लियर ट्रायड एक बिना शर्त प्राथमिकता है। पुतिन ने यह ऐलान तब किया है, जब रूस और अमेरिका के बीच हुई न्यू स्टार्ट संधि समाप्त हो चुकी है। इसके टूटने से दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों पर लगी कानूनी सीमाएं (1,550 तैनात वॉरहेड) हट गई हैं, जिससे एक नई, अनियंत्रित

परमाणु हथियारों की होड़ शुरू होने और वैश्विक अस्थिरता बढ़ने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

पुतिन ने रूस के न्यूक्लियर ट्रॉयड को बढ़ाने का ऐलान सोमवार को डिफेंडर ऑफ़ द फादरलैंड डे के मौके पर एक वीडियो संबोधन में किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने रूस की आजादी की रक्षा के लिए, खास तौर पर यूक्रेन के खइलाफ सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों की जमकर तारीफ की। उन्होंने यूक्रेन संघर्ष से मिले कॉम्बैट एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करके रूसी सेना और नौसेना को मजबूत करने, और रूस की साइंस और हाई-टेक इंडस्ट्रीज की मदद से सभी मिलिट्री ब्रांच में कॉम्बैट रेडीनेस बढ़ाने का वादा किया। उन्होंने कहा, "न्यूक्लियर ट्रायड का डेवलपमेंट रूस की सिक्योरिटी की गारंटी देता है और हमें दुनिया में स्ट्रेटेजिक डिटरेंस और पावर बैलेंस को असरदार तरीके से पक्का करने में मदद करता है। ऐसे में न्यूक्लियर ट्रायड हमारी बिना शर्त प्राथमिकता बनी हुई है।" पुतिन के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि रूस एक बार फिर परमाणु हथियारों की रेस में शामिल हो सकता है। रूस के पास पहले ही दुनिया में सबसे अधिक परमाणु हथियार हैं।

रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियार भंडार है, जो मुख्य रूप से सोवियत संघ के दौर से विरासत में मिला है।

सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

मेक्सिको सिटी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं।

तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं।

एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है।

इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव

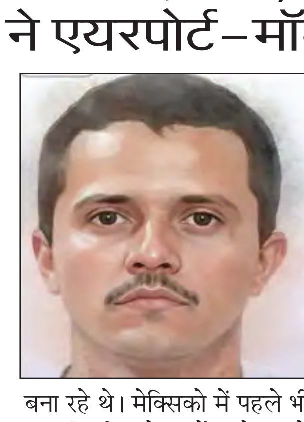

बना रहे थे। मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था।

होली से आठ दिन पहले होलाष्ठक के दिन शुरू

होलाष्टक में महत्वपूर्ण तिथियां और समय

होलाष्टक प्रारंभ : 24 फरवरी को सुबह 07:03 बजे तक
रंगभरी एकादशी : 27 फरवरी
नृसिंह द्वादशी : 28 फरवरी
प्रदोष व्रत : 1 मार्च
होलाष्टक समापन : 3 मार्च (होलिका दहन के बाद)
होलिका दहन मुहूर्त : 3 मार्च सायंकाल 6:08 बजे से 8:35 बजे तक

होली से आठ दिन पहले होलाष्ठक के दिन शुरू हो जाते हैं. इसके बाद होलिका दहन के साथ होलाष्टक का समापन होता है. होलाष्टक आठ दिनों की वो अशुभ अवधि मानी जाती है जब असुर राज हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र और भगवान विष्णु के परम भक्त प्रहलाद को यातनाएं दी थीं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रहलाद को दिन गए कष्ट ही होलाष्टक कहे जाते हैं. होलाष्कट के अशुभ होने के बाद भी सनातन धर्म में इसका खास महत्व माना गया है. होलाष्क की शुरुआत हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होती है।

इस साल होलाष्टक के अशुभ दिन कल यानी 24 फरवरी से शुरू हो रहे हैं. इसका समापन होलिका दहन के दिन यानी 03 मार्च को होगा. होलाष्टक की अवधि में शुभ और मांगलिक काम वर्जित माने गए हैं. इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश मुंडन, नामकरण आदि नहीं किए जाते हैं. मान्यता है कि होलाष्टक में बुरी शक्तियां और ग्रह उग्र अवस्था में होते हैं, इसलिए इस दौरान मांगलिक कामों का शुभ फल नहीं मिलता. ऐसे में आइए जानते हैं कि होलाष्टक के आठ दिनों में क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए?

होलाष्टक में क्या करें क्या न करें

क्या न करें : नया घर खरीदना, भूमि पूजन, गृह प्रवेश, मुंडन संस्कार, विवाह और नए व्यापार की शुरुआत करने से बचें। इस दौरान भारी निवेश या नए वाहन की खरीदारी को भी टालना बेहतर माना जाता है।
क्या करें : ग्रहों का प्रभाव उग्र होता है, इसलिए इन दिनों में महामृत्युंजय मंत्र का जाप, इष्ट देव की आराधना और दान-पुण्य करना विशेष लाभकारी होता है।
धार्मिक उत्सव : होलाष्टक के दौरान रंगभरी एकादशी और नृसिंह द्वादशी जैसे महत्वपूर्ण व्रत आते हैं। इन दिनों में भगवान विष्णु और शिव की पूजा से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

होलाष्टक में क्या करें?

होलाष्टक के आठ दिनों में दान-दक्षिणा करें. पूजा-पाठ जप-तप करें. भगवान विष्णु और शिव जी की पूजा करें. कुल देवी-देवता की पूजा करें रोजाना ऋण मोचन स्रोत, विष्णु सहस्त्रनाम, हनुमान चालीसा और श्रीसूक्त का पाठ करें. होलाष्टक के दिनों में पितरों का रोजाना तर्पण करें. उनका ध्यान करें. ग्रहों की शांति के लिए पूजा या यज्ञ करवाएं. संभव हो तो इस समय मथुरा-वृंदावन की परिक्रमा करें.
होलाष्टक में क्या न करें?
होलाष्टक के दिनों में शादी-विवाह न करें. भूमि, भवन और वाहन आदि की खरीदारी न करें. नवविवाहित महिलाएं इस समय में ससुराल में न रहें. सनातन धर्म में बताए 16 में से किसी भी संस्कार को होलाष्टक में न करें।

अयोध्या में कितने साल था राम राज्य जानें पुराणों में क्या वर्णित?

त्रेतायुग में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन भगवान विष्णु ने अयोध्या के प्रतापी राजा दशरथ के यहां भगवान राम के रूप में जन्म लिया था. भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन राम नवमी का पर्व मनाया जाता है. साल 2026 में राम नवमी 26 मार्च को मनाई जाने वाली है. हालांकि, कुछ पंचांगों के अनुसार, इस साल राम नवमी का पावन पर्व 27 मार्च को भी मनाया जाएगा।

राम नवमी के दिन विधि-विधान से भगवान राम की पूजा की जाती है. साथ ही व्रत किया जाता है. राम नवमी के दिन व्रत और पूजन करने से भगवान राम का आशीर्वाद मिलता है. भगवान राम के समय को अयोध्या में राम राज्य के रूप में याद किया जाता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि श्रीराम ने अयोध्या में कितने साल राज किया था?

रामायण और पुराणों के अनुसार...

रामायण और पुराणों के अनुसार, श्रीराम अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए उनके कहने पर 14 सालों के लिए वनवास गए थे. उनके साथ माता सीता और लक्ष्मण भी थे. वनवास के दौरान ही प्रभु ने लीलाएं की. फिर अंत में उन्होंने रावण का वध किया. जब श्रीराम वनवास गए थे तो उनकी आयु 25 से 27 साल के बीच थी. फिर वो जब 14 साल का वनवास और रावण वध करके लौटे तो वो 38 से 41 साल के बीच थे।

11 हजार सालों तक अयोध्या में राज किया

इस तरह ये कहा जा सकता है कि श्रीराम वनवास से लौटने के बाद 41 साल की आयु में अयोध्या के राजा बने. धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि श्रीराम ने 11 हजार सालों तक अयोध्या में राज किया. भगवान की आयु करीब 11 हजार साल बताई जाती है. वहीं इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार, अयोध्या कई हजार साल पुरानी है. प्रभु ने आदर्श जीवन जिया इसलिए उनको मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है. बतौर राजा भी भगवान श्रेष्ठ थे. उनके शासन काल को राम राज्य कहा गया है. उनके राज में प्रजा को दुख नहीं था. ना प्रजा को किसी बात का भय था. अयोध्या के लोग आनंद से जीते थे।

गुस्सा आने पर न लें ये तीन फैसले, माने गए हैं घोर पाप के समान!

क्रोध मनुष्य का पहला शत्रु है और अनेक विपत्तियों का कारण बनता है. कई बार इंसान क्रोध में आकर ऐसे कदम उठा लेता है, जिसके लिए उसे हमेशा पछताना पड़ती है. यही नहीं, कई बार ऐसा देखा गया कि क्रोध के चक्कर में अपनी जीवन लीला तक समाप्त कर लेता है. इस क्रोध को लेकर धर्म शास्त्रों में मनुष्य को सतर्क किया गया है और संयम बरतने की सलाह दी गई. इस बीच प्रसिद्ध ज्योतिषी डॉ. बसवराज गुरुजी ने ऐसे तीन फैसले बताए हैं, जिन्हें क्रोध में कभी भी नहीं लेना चाहिए. उनका कहना है कि क्रोध स्वास्थ्य, आयु और सकारात्मक ऊर्जा को कम करता है. साथ ही साथ यह बताया कि सहनशीलता और धैर्य जीवन में सफलता दिलाते हैं।

बसवराज गुरुजी ने कहा कि क्रोध से संबंधित कोई भी निर्णय लेते समय तीन बातों पर विशेष रूप से विचार करना चाहिए. हमारा पहला शत्रु कोई और नहीं, बल्कि हमारा क्रोध है. भगवद् गीता में भी इस बात का उल्लेख है कि व्यक्ति क्या लेकर आया है और क्या लेकर जाएगा.उन्होंने बताया कि भारतीय अर्थशास्त्र और नैतिकता में विद्वानों का कहना है कि क्रोध अनेक समस्याओं कारण है. लक्ष्मी केवल व्यंग्यात्मक ही नहीं हैं, बल्कि सफलता के लिए धैर्य और सहनशीलता भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं. लक्ष्मी धैर्य और सहनशीलता में निवास करती हैं. क्रोध में लिया गया कोई भी निर्णय शुभ नहीं होता. आदर की दृष्टि से, दूसरों के बारे में नकारात्मक बोलना या दान करते समय क्रोध में धन देना घोर पाप और अभिशाप के समान है।

जानवरों को प्रताड़ित करना

गुरुजी के अनुसार, गुस्से में कुत्तों जैसे जानवरों को प्रताड़ित करना, या भोजन दान करते समय या भोजन बनाते समय क्रोधित होना, जीवन को कठिन बना देता है. जानवरों की देखभाल से लेकर बातचीत के तरीके तक, हर चीज में क्रोध महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. गुरुजी ने चेतावनी दी है कि क्रोध के माध्यम से जीवन में सफलता, प्रसिद्धि प्राप्त की जा सकती है या यह जीवन को पूरी तरह से नष्ट भी कर सकता है।

झील के बीचों-बीच है दुनिया का सबसे ऊंचा युल्ला कांडा श्रीकृष्ण मंदिर

भारत को मंदिरों की पवित्र भूमि कहा जाता है, जहां देश के एक छोर से दूसरे छोर तक विभिन्न देवी-देवताओं के लाखों मंदिर मौजूद हैं।उन्हीं में से एक देवभूमि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में स्थित 'युल्ला कांडा मंदिर' है, जो भगवान कृष्ण को समर्पित है।इसे दुनिया का सबसे ऊंचा पर स्थित श्रीकृष्ण मंदिर का दर्जा प्राप्त है।यह एक झील के बीच हैं, जहां पर जाने वाले भक्त अपनी किस्मत का पता किन्नौरी टोपी से लगाते हैं।

दुनिया का सबसे ऊंचा श्रीकृष्ण मंदिर

युल्ला कांडा दुनिया का सबसे ऊंचा श्रीकृष्ण मंदिर है, जो एक पवित्र झील के बीचों बीच प्रकृति की गोद में स्थित है। मंदिर की ऊंचाई लगभग 12,000 से 14,000 फीट के बीच मानी जाती है।

पांडवों ने किया था मंदिर का निर्माण

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण महाभारत काल में पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान किया था।मंदिर अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और ट्रैक के लिए प्रसिद्ध है, जो बर्फ से ढकी चोटियों, हरे-भरे जंगलों और शांत परिदृश्यों से होकर गुजरती है।

युल्ला कांडा श्रीकृष्ण मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को युल्ला नामक एक गांव से 12 किलोमीटर का ट्रैक करना पड़ता है। पहाड़ी इलाके में होने की वजह से मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय मई से सितंबर का माना जाता है, जब मौसम सुहावना होता है।

जन्माष्टमी पर लगता है मेला

युल्ला कांडा श्रीकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है।यहां पारंपरिक तरीके से भगवान कृष्ण का जन्मदिन मनाया जाता है।इस खास दिन विशेष मेले का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें दूर-दराज से तीर्थयात्री भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए आते हैं।

किन्नौरी टोपी से जानें अपना भाग्य!

एक स्थानीय परंपरा युल्ला कांडा मंदिर को और भी खास बनाती है।मान्यता है कि मंदिर की झील में टोपी बहाने से भक्तों के भाग्य का पता चलता है।इसके लिए मंदिर में पहुंचे भक्त किन्नौरी टोपी को झील में डालते हैं और मान्यता है कि अगर टोपी पानी में डूबे बिना झील के दूसरी ओर तैरते हुए चली जाती है, तो भक्त की मनोकामना पूरी हो जाती है।वहीं, अगर टोपी डूब जाती है, तो आगे आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।आपके जीवन में मुश्किलें आ सकती हैं।

मंदिर से जुड़ी मान्यताएं

इसके अलावा मंदिर को लेकर एक यह भी मान्यता है कि युल्ला कांडा श्रीकृष्ण मंदिर आने वाले जो भक्त झील की परिक्रमा सच्ची श्रद्धा और पूरी निष्ठा के साथ करते हैं, उनके सारे पाप धुल जाते हैं और उन्हें प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

हैदराबाद का वो मंदिर, जिसे औरंगजेब भी नहीं छू सका आज भी गूंजती है हनुमान जी की गर्जना

21वीं सदी के आधुनिक हैदराबाद की ऊंची इमारतों और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक ऐसा ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल मौजूद है, जहां आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।चम्पापेट के पास स्थित कर्मनघाट हनुमान मंदिर न केवल शहर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है, बल्कि इसके नामकरण और स्थापना से जुड़ी कथा किसी रोमांचक कहानी से कम नहीं लगती।

इतिहासकारों के अनुसार, यह मंदिर करीब 800 साल पुराना है और इसका संबंध काकतीय वंश से जुड़ा हुआ है।12वीं शताब्दी में काकतीय वंश के राजा प्रोला द्वितीय ने इस मंदिर का निर्माण कराया था।मंदिर में भगवान हनुमान ध्यान मुद्रा में विराजमान हैं, जिन्हें यहां अंजनेय स्वामी के रूप में पूजा जाता है।

सामान्यतः हनुमान जी को वीर और पराक्रमी मुद्रा में देखा जाता है, लेकिन इस मंदिर में उनकी शांत और ध्यानमग्न छवि श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती है।

मुगल बादशाह औरंगजेब से जुड़ी है प्रचलित कथा

हैदराबाद के इस प्राचीन मंदिर से जुड़ी सबसे प्रचलित और चर्चित कथा मुगल बादशाह औरंगजेब के शासनकाल की है।17वीं शताब्दी में जब औरंगजेब की सेनाएं गोलकुंडा पर विजय के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों को निशाना बना रही थीं, तब उनकी नजर इस मंदिर पर भी पड़ी।स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जब मुगल सैनिक मंदिर को तोड़ने पहुंचे तो वे मंदिर की दीवार तक भी नहीं लांघ सके।कई प्रयासों के बाद जब वे हथौड़े लेकर मंदिर की दहलीज पर पहुंचे, तभी अचानक एक भयानक गर्जना सुनाई दी और उनके हाथ कांपने लगे।

इस वजह से नाम पड़ गया कर्मनघाट

कहा जाता है कि उसी समय एक आकाशवाणी हुई, जिसमें कहा गया, मंदिर तोड़ना है राजन तो कर मन घाट, यानी हे राजा, अगर मंदिर तोड़ना है तो पहले अपने मन को कठोर और मजबूत कर। इस चमत्कारिक घटना से औरंगजेब इतना भयभीत हो गया कि वह अपनी सेना के साथ वहां से लौट गया। उसी दिन से इस स्थान का नाम कर्मनघाट पड़ गया, जिसका अर्थ है मन को कठोर बनाना।

मंडल अनुष्ठान करने पर बीमारियों से मिलती है मुक्ति

कर्मनघाट हनुमान मंदिर से जुड़ा एक और दिलचस्प पहलू यह है कि यहां बड़ी संख्या में ऐसे श्रद्धालु आते हैं, जो पुरानी बीमारियों, विशेषकर मधुमेह और मानसिक रोगों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं।भक्तों का विश्वास है कि यहां 40 दिनों का मंडल अनुष्ठान करने से स्वास्थ्य में सुधार होता है।हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन लोगों की आस्था इसे एक विशेष ऊर्जा केंद्र मानती है।

मंदिर में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

कर्मनघाट हनुमान मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार को मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।आधुनिकता और विज्ञान के इस युग में भी कर्मनघाट हनुमान मंदिर आस्था, विश्वास और उम्मीद की एक मजबूत मिसाल बना हुआ है, जो लोगों को आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

नाखूनों पर दिखे ये निशान तो समझिए बदलने वाली है तकदीर!

तर्जनी और मध्यमा से जुड़े संकेत नेतृत्व और जिम्मेदारी का संकेत अगर किसी व्यक्ति की तर्जनी उंगली मध्यमा के बराबर या उससे लंबी दिखे, तो उसे नेतृत्वप्रिय माना जाता है।ऐसे लोग अधिकार और पहचान पाने की इच्छा रखते हैं।वहीं छोटी तर्जनी शांत स्वभाव का संकेत मानी जाती है, लेकिन ऐसे लोग जिम्मेदारी लेने से हिचकते हैं।मध्यमा उंगली लंबी हो तो व्यक्ति गंभीर और एकांतप्रिय माना जाता है।ऐसे लोग सोच-विचार में डूबे रहते हैं और कई बार आध्यात्मिक या गूढ़ विषयों में रुचि लेते हैं। वहीं छोटी मध्यमा जल्दबाजी और अस्थिरता का संकेत मानी जाती है।

उंगलियां और ग्रहों का संबंध हर उंगली का अलग प्रभाव परंपरागत मान्यता के अनुसार हाथ की हर उंगली किसी ग्रह से जुड़ी मानी जाती है-

तर्जनी: गुरु का प्रभाव -**मध्यमा:** शनि -**अनामिका:** सूर्य -**कनिष्ठा:** बुध इसी वजह से उंगलियों की लंबाई-छोटाई को व्यक्ति के महत्वाकांक्षा, अनुशासन, प्रसिद्धि और बुद्धि से जोड़ा जाता है।अनामिका और कनिष्ठा के रहस्य प्रसिद्धि, कला और बुद्धि अनामिका उंगली को सूर्य का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसकी लंबाई को यश और रचनात्मकता से जोड़ा जाता है।जिनकी अनामिका लंबी होती है, उन्हें कला, लेखन या प्रदर्शन से जुड़ी रुचियां होती हैं। बहुत लंबी अनामिका धन और प्रतिष्ठा की चाह का संकेत मानी जाती है।कनिष्ठा उंगली बुद्धि और संवाद क्षमता का प्रतीक मानी जाती है।लंबी कनिष्ठा वाले लोग चतुर और प्रभावशाली वक्ता माने जाते हैं।छोटी कनिष्ठा आत्मविश्वास की कमी और कामकाज में बाधाओं से जोड़ी जाती है।

नाखूनों के निशान क्या कहते हैं सफेद और काले दाग के संकेत नाखूनों पर दिखने वाले छोटे सफेद या काले धब्बों को भी सामुद्रिक शास्त्र में संकेत माना गया है।

तर्जनी पर सफेद दागः सम्मान या उपलब्धि -तर्जनी पर काला दागः पहचान में बाधा -मध्यमा पर सफेद दागः यात्रा या अवसर -मध्यमा पर काला दागः मन में भय या चिंता इसी तरह अनामिका पर सफेद दाग श्रद्धा और सामाजिक सम्मान का संकेत माना जाता है, जबकि काला दाग आलोचना या असफलता का। कनिष्ठा पर सफेद दाग विश्वास और लाभ से जोड़ा जाता है, जबकि काला दाग कामकाज में हानि का संकेत माना जाता है। अंगूठे के निशान और निजी जीवन अंगूठा इच्छा-शक्ति और संबंधों का प्रतीक माना जाता है।अंगूठे के नाखून पर सफेद दाग प्रेम और भावनात्मक संतोष से जोड़ा जाता है।वहीं काला निशान संबंधों या कामकाज में चुनौतियों का संकेत माना जाता है।हालांकि विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि नाखूनों पर निशान स्वास्थ्य या पोषण से जुड़े कारणों से भी हो सकते हैं, इसलिए इन्हें पूरी तरह भाग्य से जोड़कर देखना जरूरी नहीं है।

बदलती सोच में भी कायम है विश्वास आज के वैज्ञानिक दौर में भी सामुद्रिक शास्त्र जैसी परंपरागत मान्यताएं लोगों को आकर्षित करती हैं।कई लोग इसे आत्म-विश्लेषण का एक प्रतीकात्मक तरीका मानते हैं अपने स्वभाव और आदतों को समझने का। हाथों की बनावट को देखकर व्यक्तित्व समझने का यह तरीका भले वैज्ञानिक प्रमाणों से परे हो, लेकिन सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से लोगों के लिए रोचक बना हुआ है। शायद यही वजह है कि जब भी कोई अपनी उंगलियों या नाखूनों को ध्यान से देखता है, तो मन में कहीं न कहीं यह सवाल जरूर उठता है-क्या सचमुच हमारी किस्मत हमारी उंगलियों में लिखी है?

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 24 फरवरी - 2026

एआई कूटनीति का नया अध्याय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब केवल तकनीकी चर्चा का विषय नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को आकार देने वाली शक्ति बन चुकी है। ऐसे समय में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का सफल आयोजन और उससे निकली 'नई दिल्ली घोषणा' भारत के बढ़ते कद का स्पष्ट संकेत है। लगभग 88 देशों और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन इस बात को रेखांकित करता है कि एआई के भविष्य को लेकर भारत की पहल को गंभीरता से लिया जा रहा है। इस घोषणा की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें एआई को मानव-केंद्रित और जिम्मेदार तरीके से विकसित करने पर जोर दिया गया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि तकनीक का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि केवल मुनाफा या सामरिक बढ़त। 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना के साथ एआई विकास की बात करना भारत की सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि को वैश्विक मंच पर स्थापित करता है। यही कारण है कि अमेरिका, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और यूरोपीय संघ जैसे शक्तिशाली देशों ने भी इस पहल का समर्थन किया। हालांकि, घोषणा-पत्र में जताई गई प्रतिबद्धताएँ बाध्यकारी नहीं हैं। प्रत्येक देश अपने हितों और प्राथमिकताओं के अनुसार एआई नीति तय करेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह पहल केवल प्रतीकात्मक रह जाएगी? एआई के क्षेत्र में अमेरिका और चीन का दबदबा स्पष्ट है। इन देशों के पास पूंजी, डेटा और तकनीकी बुनियादी ढांचा प्रचुर मात्रा में है। भारत को यदि इस प्रतिस्पर्धा में प्रभावी भूमिका निभानी है, तो उसे अपने अनुसंधान, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और कौशल विकास पर बड़े पैमाने पर निवेश करना होगा। एआई को लेकर सबसे बड़ा डर रोजगार का है। यह आशंका स्वाभाविक है कि स्वचालन और मशीन लर्निंग के बढ़ते उपयोग से पारंपरिक नौकरियों पर असर पड़ेगा। परंतु इतिहास गवाह है कि हर तकनीकी क्रांति के साथ नई संभावनाएँ भी जन्म लेती हैं। चुनौती यह है कि सरकार और उद्योग मिलकर कौशल उन्नयन (स्किल अपग्रेडेशन) की ठोस रणनीति बनाएं। यदि डेटा-आधारित निर्णय लिए जाएं और शिक्षा व्यवस्था को भविष्य के अनुरूप ढाला जाए, तो एआई भारत के युवाओं के लिए अवसरों का नया द्वार खोल सकता है। नई दिल्ली घोषणा में एआई तक सस्ती और आसान पहुंच की बात कही गई है। यह विकासशील देशों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। यदि एआई गिने-चुने देशों या कंपनियों तक सीमित रह गई, तो डिजिटल असमानता और गहरी हो जाएगी। भारत की यह पहल इस असमानता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिर भी, केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा। एआई के नैतिक उपयोग, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस कानूनी ढांचा तैयार करना होगा। साथ ही, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, ताकि तकनीक का दुरुपयोग न हो। निस्संदेह, इस समिट ने भारत को वैश्विक विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। यह केवल कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। अब समय है कि नई दिल्ली घोषणा कागजों से निकलकर ज़मीन पर उतरे। तभी 'ग्लोबल विलेज' की अवधारणा साकार होगी और एआई वास्तव में मानवता के हित में काम करेगी।

ईरान की खाड़ी में फंसी ट्रंप की गाड़ी

ओंकारेश्वर पांडेय

रूस और चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हनहनाती गाड़ी को ईरान की खाड़ी में फंसा दिया है ताकि अमेरिका की दादागिरी खत्म हो और उसकी सेना यूक्रेन और ताइवान से हटे। अमेरिका चाहता तो है कि ईरान कमजोर हो और इजराइल सुरक्षित रहे लेकिन रूस-चीन के साथ 'मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट' पहनकर ईरान ने अमेरिका के सामने कड़ी चुनौती पेश कर दी है। इस बीच, तटस्थ रहकर भी भारत समेत दुनिया के अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और करोड़ों लोगों की जान दांव पर लगी है। 19 फरवरी को दी गयी ट्रंप की 10-15 दिनों की समयसीमा घड़ी की टिक-टिक की तरह है। ईरान समझौते का नया मसौदा तैयार कर रहा है। अमेरिका को मंजूर नहीं हुआ तो होर्मुज की लहरें जल्द ही खून से लाल हो सकती हैं।

महज बारह दिन पहले तक दुबई एयरपोर्ट पर भारत से आने वाली उड़ानों का इंतजार कर रहे यात्री सिर्फ अपनी फ्लाइट की देरी से परेशान थे। आज वही देरी जानलेवा साबित हो सकती है। ईरान द्वारा एयरलाइंस को दी गई चेतावनी-कि वे दक्षिणी क्षेत्र और ओमान की खाड़ी में रॉकेट लॉन्च से बचें-महज एक तकनीकी सूचना नहीं है। यह उस भू-राजनीतिक विस्फोटक का धुआं है, जिसके जल्द भड़कने का डर पूरी दुनिया को सता रहा है। यह पूरा संकट किसी अचानक हादसे का नतीजा नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही रणनीतिक शतरंज की अगली चाल है। 16 फरवरी 2026 को रूसी राष्ट्रपति सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि चीन, रूस और ईरान का संयुक्त नौसैन्य अभ्यास, 'मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट-2026', होर्मुज जलडमरूमध्य में शुरू हो गया है । यह कोई पहला आयोजन नहीं है; ये अभ्यास 2019 में ईरान की पहल पर शुरू हुए थे और तब से सात बार हो चुके हैं लेकिन इस बार का आयोजन सिर्फ सैन्य कौशल दिखाने से कहीं बढ़कर है। पेत्रुशेव ने साफ कहा कि वे ब्रिक्स को अब एक रणनीतिक समुद्री आयाम देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में दक्षिण अटलांटिक में पहला ब्रिक्स नौसैन्य अभ्यास (विल फॉर पीस-2026) हो चुका है जिसमें रूस, चीन, ईरान, यूएई और दक्षिण अफ्रीका ने हिस्सा लिया । यह सीधा संदेश है-अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन के मुकाबले अब पूर्व का एक नया सैन्य त्रिकोण उभर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, रूस की भागीदारी प्रतीकात्मक है-एक कोरवेट भेजा गया है-लेकिन यह संकेत साफ है कि मास्को तेहरान को पश्चिम के खिलाफ 'लीवरेज' के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है । इस संयुक्त अभ्यास के जवाब में, अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी ऐतिहासिक स्तर पर बढ़ा दी है। 22 फरवरी 2026 तक स्थिति यह हैः यूएसएस अब्राहम लिंकनः जनवरी के अंत में क्षेत्र में भेजा गया यह विमानवाहक पोत अपने तीन गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर के साथ ओमान के पास अरब सागर में तैनात है। इसमें करीब 90 विमान हैं और यह ईरानी तट से मात्र 240 किमी दूर है । यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्डः दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को ट्रंप ने 13 फरवरी को मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया । 21 फरवरी की शाम को यह भूमध्य सागर में दाखिल हो गया ।

ट्रंप ने साफ कहा है, अगर डील नहीं हुई, तो हमें इसकी जरूरत पड़ेगी । सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 150 से अधिक अमेरिकी सैन्य कार्गो उड़ानें हथियार और गोला-बारूद लेकर मध्य पूर्व पहुंच चुकी हैं। कतर के अल उदैद एयर बेस और जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी बेस पर दर्जनों लड़ाकू विमान तैनात किए गए हैं । इसके जवाब में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 17 फरवरी को तेहरान में एक कार्यक्रम में चेतावनी दी कि अमेरिकी युद्धपोतों को समुद्र की तलहटी में डुबोया जा सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया की सबसे ताकतवर सेना को कभी-कभी ऐसा थप्पड़ पड़ता है कि वह उठ नहीं पातीः । होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है। यहां से रोजाना दुनिया के 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती है। इसकी सबसे संकरी जगह पर चौड़ाई महज 40 किलोमीटर है। ईरान के पास एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलों का विशाल भंडार है। 17-18 फरवरी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने होर्मुज में अलग से नौसैनिक अभ्यास किए और मिसाइलों का सफल परीक्षण किया । विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान के पास खलीज फार्स (300 किमी रेंज), होर्मुज-1 और होर्मुज-2 (300 किमी रेंज) और जुल्फिकार बसीर (700 किमी रेंज) जैसी एंटी-शिप मिसाइलें हैं। यमन के हूती विद्रोहियों ने इन्हीं मिसाइलों के क्लोन का इस्तेमाल कर लाल सागर में 100 से अधिक बार जहाजों पर हमला किया है।

अगर युद्ध हुआ, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा नागरिक उड्डयन को भुगतना होगा। मध्य पूर्व क्षेत्र में 110 हवाई अड्डे हैं। अकेले दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 2025 में रिकॉर्ड 9.52 करोड़ यात्रियों को सेवा दी, जिसमें 4,54,800 उड़ान मूवमेंट हुए। डीएक्सबी पर अकेले भारत से 1.19 करोड़ यात्री आए, पाकिस्तान से 43 लाख यात्री और चीन से 25 लाख यात्री आए। यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी ने यूरोपीय एयरलाइंस को मार्च 2026 के अंत तक ईरानी हवाई क्षेत्र से दूर रहने को कहा है, जिससे हजारों उड़ानों के रूट बदलने और करोड़ों यात्रियों के फंसने का खतरा है। 20 फरवरी को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने कहा कि तेहरान अगले दो-तीन दिनों में एक संभावित परमाणु समझौते का मसौदा तैयार करेगा। उन्होंने कहा, एक त्वरित समझौता, दोनों पक्षों के लिए दिलचस्पी का विषय है । लेकिन 22 फरवरी को एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के सामने दो विकल्प हैः या तो ईरान से ज़ीरो एनरिचमेंट की मांग करें, या फिर टोकन एनरिचमेंट की अनुमति दें जिससे ईरान के पास परमाणु बम बनाने की कोई संभावना न रहे । एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस को बताया, राष्ट्रपति ट्रंप एक ठोस डील के लिए तैयार हैं, जिसे वे घरेलू स्तर पर राजनीतिक रूप से बेच सकें। अगर ईरानी हमले से बचना चाहते हैं, तो उन्हें हमें ऐसा ऑफर देना चाहिए, जिसे हम ठुकरा न सकें ।

परमाणु हमले की स्थिति में, ईरान का आकार-16 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक का पहाड़ी इलाका-एक ही हमले में उसे खत्म करना असंभव बनाता है जबकि अमेरिका के पास पारंपरिक हथियारों से भारी तबाही मचाने की क्षमता है, ईरान को खत्म करने की अवधारणा एक स्ट्रैटेजिक मृगतृष्णा है। कुछ लोगों के मन में सवाल है कि क्या अमेरिका आयतुल्लाह खामेनेई को वेनेजुएला के मादुरो की तरह उठा सकता है? एक्सियोस की 22 फरवरी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप को सैन्य विकल्प पेश किए गए हैं जिसमें एक परिदृश्य ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा को सीधे निशाना बनाने का भी शामिल है । एक वरिष्ठ ट्रंप सलाहकार ने कहा, पेंटागन ने हर परिदृश्य के लिए विकल्प तैयार कर रखे हैं। एक परिदृश्य आयतुल्लाह और उनके बेटे और मुल्लाओं को खत्म करने का है । लेकिन यह तुलना बेहद गलत है। मादुरो की गिरफ्तारी जनवरी 2026 में एक सटीक ऑपरेशन था, जो अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल में हुआ।

एआई-समिट के राह में रोड़े अटकाने की नाकाम कोशिश

विजय सहगल

इंडिया एआई इंपेक्ट एक्स्पो 2026 का इन दिनों 16 से 21 फरवरी तक वृहद आयोजन भारत मंडपम नई दिल्ली में किया गया जिसका उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस विश्वस्तरीय सम्मेलन में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस समिट के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि फ़्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, संयुक्त राष्ट्र संगठन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित दुनियाँ के 20 देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं सूचना प्रौध्योगिकी की विश्वविख्यात कंपनियों के सीईओ, यथा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन मुकेश अंबानी, ओपन एआई के सैम, स्केल एआई के एलेक्सजेंडर वांग, एन्थ्रोपिक के अमोदेई, भारत एयरटेल के भारती मित्तल सहित अनेकों स्टार्ट अप भाग ले रहे है। इस एक्स्पो में 300 से अधिक दिग्गज कंपनियों के प्रमुखों ने 250 अरब डॉलर का निवेश कर एआई प्रोजेक्टों को भारत मे स्थापित करने का आश्वासन दिया है जो आने वाले समय में देश के आर्थिक विकास और रोजगार के नए आयाम खोलेगा।

दिल्ली में चल रही इंडिया एआई समिट में 19 फरवरी 2026 का दिन 2026 का दिन गौरवशाली पल था जब सबसे कम उम्र के वक्ता 8 वर्षीय रणवीर सचदेवा ने एआई सबमिट को संबोधित किया।

पाँच साल की उम्र से ही अपनी एआई योग्यता, प्रतिभा और कौशल दिखाने वाले रणवीर सचदेवा, बच्चों के नज़रिये से एक बुक भी लिख चुके हैं जिसकी प्रशंसा संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी कर चुके है। हमारे यहाँ एक हिन्दी लोकोक्ति है कि, ₹होनहार बिरवान के होत चीकने पात₹ जिसका अर्थ है प्रतिभावान व्यक्ति के गुण, बचपन से ही दिखाई देने लगते हैं जो रणवीर जैसे होनहार बच्चे पर सटीक बैठती है।जहाँ एक ओर तो इस प्रतिभाशाली, होनहार बालक ने देश का मस्तक, अपने ज्ञान और कौशल से ऊंचा किया, वहीं दूसरी ओर गलगोटिया यूनिवर्सिटी की प्रौढ़ महिला प्रोफेसर नेहा सिंह ने अपने झूठ, फ़रेब और कपट पूर्ण वक्तव्य से देश के मान सम्मान को शर्मसार कर दिया। गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा की इस प्रोफेसर ने अपने संस्थान के स्टाल पर, चीन मे निर्मित और आयातित एक एआई रोबोट डॉग को अपनी गलगोटिया यूनिवर्सिटी मे विकसित और विनिर्मित बता कर प्रदर्शित कर झूठी, वाहवाही बटोरी।

इंडिया एआई सबमिट 2026 को संबोधित करने वाले एक आठ साल के बालक रणवीर को तो इस बात की समझ थी कि हमे मिथ्या खोज और शोध को प्रदर्शित नहीं करना है पर बेहद अफसोस, विश्वविध्यालय की प्रोफेसर को दूसरे देश की खोज को बेहूदा, धृष्टतापूर्वक अपने संस्थान की खोज बताने मे तनिक भी शर्म और लज्जा नहीं आई। चोरी और सीनाजोरी की पराकाष्ठा देखिये कि मीडिया द्वारा गलगोटिया यूनिवर्सिटी के रोबोट के झूठे दावे की पोल खुल जाने के बावजूद उस प्रोफेसर ने अपने आप को सही ठहराते हुए कुतर्क देकर, गलती का ठीकरा मीडिया के सिर पर फोड़ते हुए कहा कि मै इसे ठीक से समझा नहीं पायी या इसे ठीक से समझा नहीं गया।

बड़बोलापन यहीं नहीं रुका. उन्होने गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा एआई पर 350 करोड़ के रूपये के निवेश का भी दावा कर दिया पर इसके शीर्षवार निवेश को स्पष्ट नहीं कर सकी। इस मामले को सामने आने पर सरकार ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के स्टाल को तुरंत बंद करा कर, एआई समिट से बाहर कर दिया और स्टाल की लाइट भी काट दी। मामले के तूल पकड़ने पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के प्रबंधन ने प्रोफेसर नेहा सिंह के कृत्य के लिये माफी मांगते हुए कहा कि हमारे प्रतिनिधि को सही जानकारी नहीं थी। उन्होने कैमरे पर आने के अतिउत्साह के कारण गलत बयानी की. वास्तव मे उन्हे प्रेस से बातचीत के लिये अधिकृत भी नहीं किया गया था। एक महिला प्रोफेसर की मीडिया के सामने प्रसिद्धि पाने के अतिउत्साह और महत्वाकांक्षा ने अपने और अपने संस्थान का अहित तो किया ही, देश और दुनियाँ के सामने भारत की एआई समिट के सफल आयोजन पर बट्टा लगाने का कार्य किया जिसकी जितनी निंदा की जाय, कम है। एक और शर्मनाक घटना इंडिया एआई समिट मे देखने को मिली जब 20 फरवरी 2026 को दोपहर मे यूथ कॉंग्रेस के 15-20 सदस्यों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध मे प्रदर्शन किया। हाथों मे नरेंद्र मोदी की फोटो वाली टीशर्ट लिए, पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए एक पूर्वनियोजित षड्यंत्र के तहत अर्धनग्न हो कर प्रदर्शन कर, समिट मे आये हुए देश विदेश के अतिथियों के सामने एक बार फिर भारत की साख को शर्मसार किया।

दिल्ली पुलिस ने इस घटना मे शामिल चार लोगो को गिरफ्तार कर जाँच शुरु कर दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रदर्शन को वैश्विक मंच पर भारत की छवि को धूमिल करने की कोशिश बताया है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सहित अन्य पदाधिकारियों ने युवक कॉंग्रेस के लोगो के इस अधम कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की है। वहीं कॉंग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन बता कर देश की कोई बदनामी नहीं बतलाई।

राजनैतिक दलों के बीच आपसी मतभेद और वर्चस्व की लड़ाई स्वाभाविक है पर कल जिस तरह युवक कॉंग्रेस के कुछ लोगो ने अर्धनग्न प्रदर्शन कर इंडिया एआई समिट मे देश के मान सम्मान को शर्मसार किया वह अत्यंत ही निंदनीय और आपत्तिजनक है। इंडिया एआई समिट का भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौते से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। यदि विरोध प्रदर्शन करना ही था तो समय और स्थान इस विरोध के लिए कतई उपयुक्त नहीं था। ये प्रदर्शन यूथ कॉंग्रेस के इन सिरफिरे लोगो द्वारा सस्ती लोकप्रियता हांसिल करने और अपने शीर्ष नेताओं की नज़रों मे आने की चाहत ही मूल उद्देश्य था। बेशक ऐसे द्रोही लोग अपने निजी स्वार्थ और अपवित्र उद्देश्य मे भले ही कामयाब हो गए हों लेकिन उन्होने दुनियाँ के सामने देश की आत्मसम्मान का जितना नुकसान किया है, वह किसी देशद्रोह से कम नहीं है।

बाहरियों से नहीं, अपनों से कैसे निपटेंगे योगी आदित्यनाथ

राजेश श्रीवास्तव

कल सचिवालय में एक अधिकारी ने बातचीत के दौरान कहा 'भारतीय जनता पार्टी को कोई हरा नहीं सकता. उसे अगर कोई हरा सकता है तो वह खुद भारतीय जनता पार्टी ही है। यूपी में उसे न पीडीए की धारा चलाकर सपा हरा सकती है, न मुस्लिम तुष्टिकरण करके कांग्रेस।' उनकी इस बात के बाद यूपी की सियासत के नौ साल के पन्ने जैसे ताजे हो गये। पिछले नौ सालों से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरोधी उनकी ताजपोशी के बाद ही सक्रिय हो गये थे लेकिन अब जब चुनाव के मात्र कुछ महीने या फिर यूं कहें कि एक साल ही शेष है तो हर मुद्दा ऐसा खड़ा हो रहा है जो आने वाले चुनाव में योगी को हर दिन पीछे करता हुआ दिख रहा है।

योगी आदित्यनाथ को बाहर से हराने का माद्दा न तो समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव में हैं, न ही खुद अपनी जमीन तलाश रही कांग्रेस में है।

बसपा तो मानो अपने अस्तित्व को ही संजोने में जुटी है। उनको अगर कोई हरा सकता है तो खुद भाजपा ही है और उन्हें इन दिनों अंदर से ही चुनौती मिल रही है। इन चुनौती देने वालों में केंद्रीय नेतृत्व से अमित शाह और उत्तर प्रदेश के दोनो उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य और बृजेश पाठक हैं।

बीते लगभग दो दशकों से यह चर्चा भी सिर उठा रही है कि प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के बाद दावेदार कौन तो बरबस ही योगी आदित्यनाथ का नाम आता है जबकि इसके वास्तविक उत्तराधिकारी अमित शाह हैं । इसीलिए सियासी गलियारें में अक्सर यह कहा जाता है कि अमित शाह की राह में अगर कोई सबसे बड़ा रोड़ा है तो वह शाह ही हैं। अमित शाह ने योगी की राह में रोड़े तब से बिछाने शुरू किये जब से बीते लोकसभा चुनाव हो रहे थे । याद कीजिये टिकटों के बंटवारे में योगी की नहीं चली।

केंद्रीय नेतृत्व की खींचतान के चलते ऐसे-ऐसे लोगों को टिकट दे दिया गया जिनके न जीतने की गारंटी थी। परिणाम सामने आया भाजपा यूपी से लोकसभा चुनाव हार गयी। उसके बाद से अब जैसे-जैसे चुनाव करीब आता जा रहा है वैसे-वैसे यूपी में हर तरफ से रार दिखती जा रही है। पहले ब्राह्मण राजनीति ने सिर उठाया। फिर यूजीसी ने आग उगला। अभी यूजीसी का असर कम होता देख फिर से ब्राह्मणों के सिर पर ठीकरा फोड़ कर सवर्ण वोट को बांटने का काम किया जा रहा है। उपमुख्यंत्री बृजेश पाठक यूं ही नहीं बयान दे रहे हैं। यूं ही नहीं उन्होंने शंकराचार्य के विवाद को तूल दिया। अपने घर पर जब वह बटुकों का सम्मान कर रहे थे तो उन्होंने नारे लगवाये बृजेश पाठक सीएम बनें। यह संदेश था कि ब्राह्मण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नाराज हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की सीएम योगी से अदावत जगजाहिर है। गाहे-बगाहे अक्सर दिखती रहती है।

कहा तो यहां तक जा रहा है कि केंद्र की शह पर ही दोनों डिप्टी सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राह में कांटे बोने का काम कर रहे हैं। अगर 2027 के चुनाव में यूपी से भाजपा कमजोर होती है तो इसका ठीकरा योगी आदित्यनाथ पर फोड़ा जा सके और यह संदेश जाये कि योगी आदित्यनाथ अब वोट दिलाने में सक्षम नहीं रहे। पहले लोकसभा चुनाव हरवाया और अब विधानसभा चुनाव क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता है तो योगी आदित्यनाथ तीसरी बार मुख्यमंत्री बनकर प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार होंगे और ऐसा भाजपा के चाणक्य को कतई मंजूर नहीं होगा ।

दिल्ली में बैठकर जिस भाजपा के चाणक्य ने पूरी दुनिया में गोट बिठायी, आज तक विदेश नहीं गये, वह यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अब उनके ही प्यादों से निपटाने की साजिश में तो नहीं जुटे हैं. अगर ऐसा होता है तो उनकी राह साफ हो जायेगी क्योंकि सीधे तौर पर तो योगी आदित्यनाथ से निपटना आसान नहीं होगा. अब तक कई ऐसे मौके आये, चाहे यूपी के अब तक के कई डीजीपी पद पर नियुक्ति का मामला हो या फिर किसी का सेवा विस्तार। योगी की पसंद वाले मुख्य सचिवों को भी न तो केंद्र ने हरी झंडी दी और न ही डीजीपी को। इसीलिए अब केंद्रीय नेतृत्व को वरीयता की फाइल न भेज कर यूपी में योगी आदित्यनाथ ने हर बार कार्यवाहक डीजीपी से ही काम चलाया।

यह भी रिकार्ड ही है कि आज तक योगी आदित्यनाथ के शपथ के बाद कोई अधिकृत डीजीपी नहीं बना यानी कि यूपी की हर फाइल जो अमित शाह के विभाग पर गयी, उस पर पलीता जरूर लगा लेकिन वह मुख्यमंत्री के मंसूबों पर पानी नहीं फेर पाये। जब-जब दोनों के बीच मुकाबला हुआ तो मुख्यमंत्री बीस ही पड़े। इसीलिए अब यूपी के गढ़ में ही मुख्यमंत्री को घेरने की रणनीति बनी है। उनके ही गृह जनपद से ही भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया, यह भी बड़ा सवाल रहा। लेकिन अब देखना है कि इस सियासी डगर में कौन आगे रहता है और कौन पीछे ।

'योगी मॉडल' और भारतीय परंपरा का नया विमर्श

सुरेश गांधी

भारतीय ग्रंथों में “राजऋषि” शब्द का उल्लेख कई स्थानों पर मिलता है। इसका अर्थ है, ऐसा शासक जो आध्यात्मिक दृष्टि से परिपक्व हो और शासन को लोककल्याण का माध्यम माने। उदाहरण के रूप में : मिथिला के राजा जनक, जिन्हें ज्ञान और वैराग्य के लिए जाना जाता है, महाभारत काल में विदुर, जिन्होंने नीति और धर्म का संतुलन प्रस्तुत किया. यह परंपरा बताती है कि भारतीय चिंतन में शासन और आध्यात्मिकता को अलग-अलग खांचों में नहीं बांटा गया। सनातन परंपरा में संन्यास का अर्थ केवल जंगलों में तपस्या करना नहीं रहा। अनेक संन्यासियों ने समाज और राष्ट्र के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए : स्वामी विवेकानंद ने आध्यात्मिकता को राष्ट्रीय जागरण से जोड़ा, स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक सुधार आंदोलन चलाया. इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि संत परंपरा समय के अनुसार सामाजिक भूमिका भी ग्रहण करती रही है।

भारत आज एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जहां शासन जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से चलता है। इस व्यवस्था में कोई भी नागरिक, चाहे वह साधु हो, शिक्षक हो या किसान, चुनाव लड़ सकता है। योगी आदित्यनाथ का राजनीतिक जीवन भी इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम है। वे गोरक्षपीठ की परंपरा से आते हैं, जहां धार्मिक नेतृत्व और सामाजिक सेवा का लंबा इतिहास रहा है। गोरखनाथ परंपरा में मठ केवल आध्यात्मिक केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक गतिविधियों का केंद्र भी रहा है, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसेवा से जुड़ा। धर्मशास्त्रीय दृष्टि से संन्यास का अर्थ व्यक्तिगत संपत्ति का त्याग है। लेकिन आधुनिक लोकतांत्रिक पद का वेतन व्यक्तिगत पेशे का वेतन नहीं, बल्कि संवैधानिक मानदेय होता है। यहां दो महत्वपूर्ण अंतर हैं : निजी आय व संवैधानिक पद का मानदेय. भारतीय संविधान के अनुसार मुख्यमंत्री का वेतन पद से जुड़ा है, व्यक्ति से नहीं। इसलिए इसे आध्यात्मिक नियमों के संदर्भ में सीधे जोड़ना सरल निष्कर्ष हो सकता है, लेकिन पूर्णतः सटीक नहीं। भारतीय समाज में धार्मिक व्यक्तित्वों का प्रभाव व्यापक होता है। इसलिए जब धार्मिक मंच से राजनीतिक टिप्पणी आती है, तो उसका प्रभाव भी बड़ा होता है। लेकिन इतिहास बताता है कि संतों ने समय-समय पर सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर मत व्यक्त किए हैं। प्रश्न यह नहीं कि संत बोलें या न बोलें, प्रश्न यह है कि क्या उनके तर्क ऐतिहासिक और तथ्यात्मक आधार पर टिकते हैं। यह बहस केवल संत और राजनीति तक सीमित नहीं है। इसका संबंध वाराणसी में हुए सांस्कृतिक पुनर्विकास से भी जुड़ा है। विशेष रूप से काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र के विस्तार ने देशभर में चर्चा पैदा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर विकसित इस परियोजना का उद्देश्य था : तीर्थ सुविधाओं का विस्तार, प्राचीन मंदिरों का संरक्षण, घाट से मंदिर तक सीधा संपर्क. हालांकि कुछ समूहों ने पारंपरिक संरचना में बदलाव को लेकर चिंता भी जताई। यही से वैचारिक मतभेद उभरने लगे। योगी आदित्यनाथ का मॉडल भारतीय राजनीति में एक विशिष्ट उदाहरण माना जाता है : संन्यासी जीवनशैली, प्रशासनिक नेतृत्व, धार्मिक पहचान और राजनीतिक जिम्मेदारी. यह मॉडल नया अवश्य है, लेकिन भारतीय परंपरा से पूरी तरह अलग नहीं। राजऋषि अवधारणा की आधुनिक व्याख्या के रूप में इसे देखा जा सकता है। आज की बहस को तीन स्तरों पर समझा जा सकता है : आध्यात्मिक आदर्श बनाम प्रशासनिक व्यवहार, परंपरा बनाम आधुनिक लोकतंत्र, धार्मिक भूमिका बनाम राजनीतिक जिम्मेदारी. इन तीनों के बीच संतुलन बनाना ही आधुनिक भारतीय समाज की चुनौती है। भारतीय परंपरा स्थिर नहीं, गतिशील रही है। समय के साथ उसकी व्याख्या भी बदलती रही है।

दिल बहलाने को यह खयाल अच्छा है

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर के बाद समुद्र के किनारे मैं और छोटू रेत में बैठे थे। उठती गिरती, आती-जाती लहरें सुबह-सुबह के सूरज की किरणें पड़कर कहीं चांदी सी तो कहीं सोने सी मनोहारी लग रही थीं। मैंने छोटू से पूछा इन आती-जाती लहरों को देखकर तुम्हें क्या लगता है छोटू?

भैया! छोड़िए। कहूंगा तो कहोगे हमेशा एक ही बात बोलता है।

तो अच्छा है न? बोलो!

बोलता हूं। पहले आप बताइए आपको क्या लग रहा है?छोटू! मुझे लगता है समुद्र के पानी पर दूर-दूर तक चांदी और सोने की वर्क़ लगी हुए है, जो कि लहरों के साथ उठती गिरती और एक अनोखी सुंदरता को सहेज रही है।

भैया! आपको पता है दस ग्राम सोने की कीमत डेढ़ लाख रुपए हो गई है और चांदी भी बहुत महंगा हो रही है और ऐसे में आपको समुद्र की लहरों पर गिरती पड़ती किरणें सोने और चांदी का एहसास करा रही है?

कल्पना करने में क्या जाता है छोटू? अगर चांदी और सोना आसमान छू रहे हैं तो हमारी कल्पना आसमान से भी ऊंची हुआ करती है। स्वाभाविक है हम ऊंचा ही सोचेंगे। खैर! तुम बताओ! तुम्हें क्या लगता है इन लहरों को देखकर?

भैया मुझे आती हुई लहरों को देखकर ऐसा लगता है महंगाई पूरी रफ्तार से हमारी ओर आ रही है और जब लहरें लौटती हैं तब लगता है आई हुई महंगाई हमारी सारी कमाई समेटकर वापस ले जा रही है। समुद्र पर जो आप सोना और चांदी देख रहे हैं मुझे लगता है कि मध्यम वर्ग की पहुंच से चांदी और सोना दूर जा रहे हैं।

देखो छोटू! कभी-कभी कल्पनाओं में खो जाना इसलिए भी जरूरी है कि दुख दर्द से कुछ निजात मिले। जैसे कहते हैं न कि दिल बहलाने के लिए ग़ालिब यह ख्याल अच्छा है। भले ही तुम इसे पलायनवाद कहो या कोई और नाम दो। दुख, दर्द, पीड़ा, समस्या में हमें कल्पनाएं थोड़ी देर के लिए अलग दुनियां में ले जाती है और आराम देती हैं। इस दुनिया से दूर कहीं और ले जाती हैं। आपका कहना सही है भैया! लेकिन हम कहां तक भागेंगे? यह महंगाई और समस्याओं का कबंध राक्षस पता नहीं कब अपनी बाहों में हमें कस ले और हम वहीं दम तोड़ दें। नए-नए कर , नए-नए जीसटी । अब देखिए न वेतन से आयकर पहले ही काट लिया जाता है। वेतन जब घर आता है तो हर एक बिल पर, हर खरीदी, हर एक व्यय पर जीएसटी अलग से दुकान वाले तो देते ही हैं, ग्राहक को भी देना पड़ता है। अब देखा जाए तो वेतन से सामान खरीदने के बाद जो बच जाता है उसकी अगर तुलना हम करें तो ऐसा लगता है कि हमें बर्फ की सिल्ली हाथ में वेतन के रूप में दिया गया है जो कि अंत में जाकर एक छोटे से घन के आकार का रह जाता है। ऐसे में मध्यवर्गीय नंगा क्या नहाए और क्या निचोड़े? ठीक है छोटू। लेकिन कल्पना थोड़ी देर की तहत भी तो देती है। हमेशा हमें अपनी समस्याओं की चिंता इतनी अधिक रहती है कि बाकी चीजों में कल्पना करने का न मन होता है न ऊर्जा होती है। भैया हम यह कहां आ गए हैं। जो कुछ नहीं कमाते खुश हैं और जो बहुत ज्यादा कमाने वाले धनी वर्ग है वह भी खुश है, लेकिन जो त्रिशंकु सा अधर में लटका हुआ मध्यवर्गीय जन है उसकी तो हालत बड़ी गंभीर और चिंतनीय है। अब नेताओं को जनता का ध्यान भटकने के अलावा इन समस्याओं पर लड़ने या समस्याएं कम करने के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं रही। जैसे मदारी सांप और नेवले का खेल दिखाने का झांसा देकर तरह की चीजें, तावीज़ बेचने लगता है। लोगों को बातों मे उलझाकर पैसे ऐंठ लेता है और चलता जाता है। बस हमारे नेता भी ऐसे ही हैं। अच्छे दिन, विकास की बात पर अपना तमाशा जारी रखे हुए हैं।

दिल ही नहीं आंखों के लिए भी नुकसानदायक है हाई कोलेस्ट्रॉल, क्या होती हैं दिक्कतें?

दिल की बीमारियां कम उम्र के लोगों में भी तेजी से बढ़ती जा रही हैं। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल अक्सर हाई रहता है उनमें ह्रदय रोगों का खतरा सबसे ज्यादा होता है। कोलेस्ट्रॉल एक मोमनुमा पदार्थ है, यह वास्तव में शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। आपके शरीर को कोशिकाओं के निर्माण और विटामिन-अन्य हार्मोन बनाने के लिए इसकी आवश्यकता होती है। पर इसकी अधिकता शरीर के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल, रक्त वाहिकाओं में रुकावट का कारण बन सकता है जिसे ह्रदय के लिए नुकसानदायक माना जाता है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण, ब्लड प्रेशर की समस्याओं के रूप में देखने को मिलते हैं। पर क्या आप जानते हैं, आंखों में होने वाली कुछ समस्याओं के आधार पर भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या का निदान किया जा सकता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने के कारण आंखों में दर्द की समस्या से लेकर धुंधला दिखने तक की दिक्कत हो सकती है। इस तरह के संकेतों पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

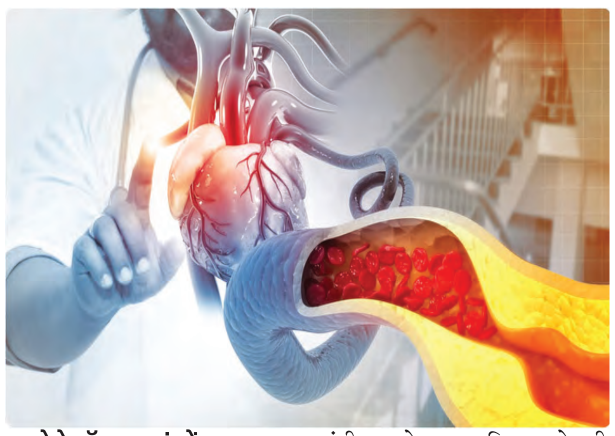

कोलेस्ट्रॉल का आंखों पर असर

नेत्र रोग विशेषज्ञ निकोल बाजिक कहते हैं, यह जानकर आपको आश्चर्य हो सकता है कि कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर, वास्तव में आपकी आंखों के लिए समस्याएं पैदा कर सकता है, इसमें आपकी पलकों के आसपास पीले रंग का जमाव होना सबसे आम है।

इस स्थिति को जैंथेलाज्मा कहा जाता है। जिसमें आंखों के आसपास की त्वचा में छोटे, पीले रंग का फैटी जमाव हो सकता है, विशेष रूप से पलकों पर। इसके अलावा कोलेस्ट्रॉल के कारण आंखों में कई और तरह की दिक्कतें हो सकती हैं, जिनपर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

आंखों के आसपास पीले रंग का उभार

जैंथिलास्मा पैल्पेब्रारम एक ऐसी स्थिति है जिसमें आंखों के आसपास पीले रंग की उभार वाली त्वचा दिख सकती है। इसे मधुमेह, और थायरॉइड डिसफंक्शन सहित कई चिकित्सा स्थितियों से भी जोड़कर देखा जाता है।

डॉ.कहते हैं, यह उच्च कोलेस्ट्रॉल वाले कुछ लोगों में क्यों होता है और दूसरों में नहीं, इसके कारण बहुत स्पष्ट नहीं हैं। हालांकि अगर आपको भी ये दिक्कत हो रही है तो किसी डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

रेटिनल वेन इंक्लूजन (आरवीओ) किसी धमनी या नस में रुकावट के कारण होता है, इसे भी हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण होने वाली दिक्कत माना जाता है।

डॉक्टरों के अनुसार, जब रेटिना में रक्त का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है, तो यह समस्या होती है।

अगर इसका इलाज न किया जाए तो सेंट्रल रेटिनल वेन इंक्लूजन की समस्या के कारण अंधेपन की दिक्कत भी हो सकती है।इसे गंभीरता से हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या के तौर पर देखा जाना चाहिए।

कॉर्निया से संबंधित समस्याएं

कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण कॉर्निया के चारों ओर नीले या भूरे रंग के छल्ले बनने की समस्या को आर्कस सेनिलिस के नाम से जाना जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, इन छल्लों को फैमिलियल हाइपरलिपिडिमिया के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि ये एक आनुवंशिक रूप हैं। आर्कस सेनिलिस से पीड़ित लोगों के रक्त में कोलेस्ट्रॉल या ट्राइग्लिसराइड्स का असामान्य रूप से स्तर बढ़ा हुआ होता है, इस तरह की समस्या होने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराना आवश्यक माना जाता है।

हार्ट अटैक को दो कोस दूर रखते हैं ये फूड्स

यदि तुरंत इलाज ना मिले तो हार्ट अटैक आने पर मौत से बच पाना बहुत ही मुश्किल होता है. एक समय तक हार्ट अटैक जहां ज्यादा उम्र के लोगों तक ही सीमित था, वहीं आज के समय में कम उम्र के लोगों में भी इसका जोखिम बढ़ते जा रहा है. इसमें कोई दोराय नहीं कि इसका एक अहम कारण खराब जीवनशैली और खान पान है.

आयुर्वेद एक्सपर्ट बताती ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में 3 ऐसे फूड्स के बारे में बताया है जिसकी मदद से हार्ट अटैक से बचा जा सकता है. उन्होंने यह भी बताया है कि आयुर्वेद आपको दिल के दौरे को रोकने, रक्तचाप को प्रबंधित करने, एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और हर उम्र में आपके दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है.

लहसुन

लहसुन एंटी-एजिंग मसाला है. आयुर्वेद के अनुसार, हार्ट के लिए एक टॉनिक की तरह काम करता है. इसके सेवन से बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा बना रहता है. जिसके कारण खून का थक्का नहीं बनता है और हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है.

ऐसे करें सेवन : आधा/1 कच्चा लहसुन (ताजा कुचला हुआ) खाली पेट या भोजन से पहले दिन में एक बार 8-12 सप्ताह तक खा सकते हैं.

अनार

आयुर्वेद के अनुसार अनार हार्ट हेल्थ के लिए सबसे अच्छे फलों में से एक है. इसके सेवन से ट्राइग्लिसराइड्स और एलडीएल का स्तर काफी कम हो जाता है जबकि एचडीएल का स्तर काफी बढ़ जाता है.

ऐसे करें सेवन : आप नाश्ते के रूप में प्रतिदिन 1 अनार या सप्ताह में 2-3 बार इसका सेवन कर सकते हैं.

अर्जुन छाल की चाय

यह जड़ी-बूटी कार्डियो-टॉनिक की तरह काम करती है. इसकी ठंडी प्रकृति, कसैला स्वाद और पचाने में आसान गुणवत्ता कफ और पित्त दोषों को संतुलित करने में मदद करती है और इसका कटु विपाक (पाचन के बाद प्रभाव) खून को साफ करने का काम करता है. इसके साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, आपके दिल को स्वस्थ रखता है.

ऐसे करें सेवन : 100 मिलीलीटर पानी और 100 मिलीलीटर दूध लें, इसमें 5 ग्राम अर्जुन की छाल का पाउडर मिलाएं और तब तक उबालें जब तक यह आधा न हो जाए. इसे छानकर सोते समय या सुबह/शाम भोजन से 1 घंटा पहले पियें.

गर्मी के मौसम में खाए जाने वाले हेल्दी फूड्स

गर्मी के मौसम में हमें अपनी सेहत का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है, वरना तेज गर्मी, गर्म हवाएं और चिलचिलाती धूप आपको काफी बीमार कर सकती है. इस सीजन में हमारी कोशिश होनी चाहिए कि शरीर में कभी पानी की कमी न हो और अंदरूनी ठंडक मिलती रहे. आमतौर पर हीथ स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा काफी ज्यादा रहता है, ऐसे में आपको कुछ ऐसे फूड्स का सेवन करना होगा, जो इस तपिश भरे मौसम में राहत दिलाने का काम करता है.

हरी सब्जियां : हरी सब्जियां वैसे तो हर मामले में सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन गर्मी से राहत दिलाने मे भी इसका अहम रोल होता है. इससे पाचन तंत्र सही रहता है और पेट में होने वाली गर्मी का सामना नहीं करना पड़ता.

छाछ : दही और काला नमक मिलाकर अगर छाछ तैयार करेंगे तो इसे पीने के बाद शरीर को ठंडक मिलती है, साथ ही अगर कुछ ऑयली फूड खा भी लिया तो पाचन तंत्र नहीं बिगड़ता.

नींबू : नींबू में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है. ये न सिर्फ हमें गर्मी से बचाता है, बल्कि अंदरूनी तौर पर फ्रेश भी रखता है. आप एक दिन में कई ग्लास नींबू पानी पी सकते हैं.

संतरा : गर्मी में संतरे का सेवन बढ़ा दें क्योंकि इसमें पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो हमें डिहाइड्रेशन से बचाती है. इसमें मौजूद विटामिन सी, फाइबर और कैल्शियम भी शरीर को फायदे पहुंचाते हैं.

नारियल पानी : गर्मियों के मौसम में आप धूप और तपिश से परेशान हैं तो सॉफ्ट ड्रिंक कभी न पिएं, इसकी जगह नारियल पानी का सेवन करेंगो तो न सिर्फ शरीर को कई तरह के पोषक तत्व हासिल होंगे, बल्कि हीथ स्ट्रोक का खतरा कम हो जाएगा.

लटकती तोंद कम करने के लिए समय से इस्तेमाल किजिए ये ड्रिंक्स

आज के समय में पेट निकलना बहुत आम परेशानी बन गयी है. इसका खतरा हर उम्र के लोगों में देखा जा सकता है. इसके पीछे का कारण अनहेल्दी लाइफस्टाइल और दिन प्रतिदिन कम होती फिजिकल एक्टिविटी है. पेट के

हिस्से में जमा चर्बी बहुत जद्दी मानी जाती है. यानी की इसे हटाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है. वैसे तो एक्सरसाइज के बिना किसी भी तरीके से बॉडी के हिस्सों में जमे फैट को हटा पाना मुश्किल है. हालांकि कुछ चीजों की मदद से वेट लॉस जर्नी को आसान जरूर बनाया जा सकता है. ऐसे में यहां हम आपको कुछ मॉर्निंग ड्रिंक्स बता रहे हैं जो फैट को पिघलाने में मददगार साबित होते हैं.

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, मेथी के बीजों को पोषक तत्वों का एक पावर हाउस माना जाता है. मेथी के बीजों को रात भर भिगोकर उसके पानी को रोज पीने से वेट लॉस में भी मदद मिलती है. मेथी में घुलनशील फाइबर होता है, जो ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है. इसके अलावा मेथी में मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है जो वेस्ट लॉस के लिए बहुत जरूरी होता है.

जीरा पानी

जीरा एक ऐसा मसाला है जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए जाना जाता है. सुबह के समय खाली पेट गुनगुने पानी में जीरा डालकर पीने से पेट साफ होता है और पाचन क्रिया तेज होती है. इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है.

हर्बल चाय

हर्बल चाय ना सिर्फ स्वादिष्ट होती है बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है. ग्रीन टी, पुदीना, दालचीनी जैसी हर्बल चाय सुबह के समय पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और शरीर में जमी चर्बी तेजी से कम होती है.

हल्दी+अदरक पानी

अदरक और हल्दी दो शक्तिशाली मसाले हैं जो अपने एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों और चयापचय-बढ़ाने वाले प्रभावों के लिए जाने जाते हैं. ऐसे में अपनी सुबह की शुरुआत एक कप अदरक और हल्दी के पानी से करके आप अपने मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं और वेट लॉस को आसान बना सकते हैं.

ब्लैक कॉफी

एनआईएच में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, ब्लैक कॉफी में कोई कैलोरी नहीं होती है. साथ ही कैफीन मेटाबॉलिज्म को थोड़ा तेज करने का काम करता है. ऐसे में यदि आप वेट लॉस करने का प्रयास कर रहे हैं तो ब्लैक कॉफी का सेवन आपके लिए मददगार साबित हो सकता है.

सुबह खाली पेट क्यों नहीं पीनी चाहिए चाय?

चाय एक ऐसा पेय पदार्थ है जो भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जो लोग बिना कुछ खाए इस हॉट ड्रिंक का सेवन करते हैं उनकी सेहत पर इसका क्या असर पड़ सकता है? भारत ही नहीं दुनियाभर के कई देशों में लोगों को सुबह जागने के बाद एक कप चाय पीने की आदत है, जिसे आमतौर पर बेड टी कहा जाता है, कई लोगों को इसके बिना कोई काम में दिल नहीं लगता, लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए अच्छा नहीं है. खाली पेट चाय पीते हैं तो इससे आपको क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.

1. पेट की समस्याएं

सुबह खाली पेट में चाय पीने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं. चाय में मौजूद कैफीन पेट में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं और इसके अलावा एसिडिटी को बढ़ा सकता हैं, जिससे आपको अपच, कब्ज और पेट दर्द की समस्या हो सकती है.

2. पौष्टिकता की कमी

सुबह खाली पेट में चाय पीने से आपका शारीरिक पोषण की मात्रा कम हो सकती है. चाय में मौजूद कैफीन आपके भूख को दबा सकते हैं, जिससे पोषक तत्वों का सही संतुलन प्रभावित हो सकता है.

3. दिल से जुड़ी परेशानी

सुबह खाली पेट में चाय पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है. चाय में मौजूद कैफीन के कारण आपको हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो सकती है, जो हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारी का बड़ा कारण है.

4. डिहाइड्रेशन

चाय का सेवन करने के कारण सुबह खाली पेट में डेहाइड्रेशन का खतरा हो सकता है. चाय का बार-बार सेवन आपके यूरिनेशन को बढ़ा देता है जिसके कारण पानी की कमी का सामना करा सकता है. इसलिए खाली पेट चाय न पिएं और इसकी मात्रा सीमित करें

5. नींद की कमी

चाय हमारे नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है जिससे माइग्रेन समेत नींद की कमी की शिकायत हो सकती है, जिससे पहले ही 8 घंटे की सुकून भरी नींद नहीं आती है उन्हें लिमिट में टी का इनटेक करना चाहिए और बिना कुछ खाए इसे नहीं पीना चाहिए।

क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है?

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।

- जी रंगनाथ, वारंगल

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में ₹कर्कटार्बुद₹ कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 76 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- प्रताप रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 80 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवे। औषध कल्प में आप ऊं झा चंद्र प्र भा वटी एवं

ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें।

तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

प्रश्न : मेरी 11 साल की बेटी के टॉन्सिल अक्सर बड़े हो जाते हैं। डॉक्टर इसे ऑपरेशन से निकाल देने की सलाह देते हैं । क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपया कर बताएं।

- श्रीनिवास राव, महबूबनगर

उत्तर : टॉन्सिल ग्रंथि हमारे पाचन तंत्र की पहली सुरक्षा कड़ी है। भोजन या किसी भी पेय में जो हानिकारक जैव तत्व होते हैं - टांसिल या तुंडीकेरी ग्रंथि उसे पहले ही खत्म कर देती हैं। आज पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान के दिग्गज शल्य चिकित्सक भी एकमत से स्वीकार करते हैं कि टांसिल को जहां तक हो सके बचाना चाहिए, उसे निकालना या टांसिलेक्टमी को जहां तक हो सके टालना या नहीं करना चाहिए। कंठशोध, गलग्रंथिशोथ या टुंडीकेरिशोथ का आयुर्वेद में उपचार है।

ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस की 25 टिकिया, सितोपलादि चूर्ण 100 ग्राम, अभ्रक भस्म 1000 पुटी एक ग्राम, गिलोय सत्व 100 ग्राम, यष्टिमधु चूर्ण 100 ग्राम, श्रृंग भस्म 10 ग्राम को पूरा मिलाकर एक जीव कर लें। इसे सुरक्षित डब्बी में भर लें। इसे 3 ग्राम की मात्रा में सुबह -दोपहर-शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा कांचनार गुग्गुलु एवं ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी गुनगुने पानी से दें। हर बार भोजन या कोई भी पेय लेने पर गरारे या कुल्ली करें। हर प्रकार के मीठे, मिठाई, गुड़, शक्कर आदि से बने पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी मलाई, ठंडे पेय एवं बहुत ज्यादा पके मीठे फल से पूरा परहेज करें। बासी भोजन, फ्रिज में रखे भोजन, ठंडे पानी, दही से भी परहेज करें। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कम से कम तीन से चार माह चिकित्सा चालू रखें। ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आज-कल की व्यस्त लाइफ स्टाइल का सीधा असर लोगों के शरीर पर दिखता है। व्यस्तता भरी जिंदगी में तनाव, नाइट शिफ्ट, नींद में कमी और कई अन्य कारणों की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे होने लगते हैं। ये घेरे आपके चेहरे के ग्लो और खूबसूरती को कम कर देते हैं। कई मामलों में चश्मा लगाने की वजह से भी ये समस्या सामने आती है। महिलाएं डार्क सर्कल छिपाने के लिए मेकअप का इस्तेमाल करती हैं, पर जब ये ज्यादा होते हैं तो मेकअप से भी ये छिप नहीं पाते।

इसी के चलते आज हम आपको इन डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के आसान तरीके बताने जा रहे हैं। दरअसल, आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलु नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनको अपनाकर आप अपने चेहरे के काले घेरों को खत्म कर सकते हैं। इसके लिए आपको महज कुछ ऐसी चीजों की जरूरत पड़ेगी जो आपकी रसोई में मिल जाएंगीं।

काले घेरों को हटाता है दूध

डार्क सर्कल हटाने के लिए आप ठंडे दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कॉटन बॉल को दूध में भिगो कर रखें। अब इस रुई को आंखों के नीचे वहां रखें, जहां काले घेरे हों। हर रोज दिन में दो बार ऐसा करने से आपके डार्क सर्कल पर असर दिखने लगेगा।

करें गुलाब जल का इस्तेमाल

डार्क सर्कल कम करने के लिए दूध के साथ गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें रूई डुबो कर उसे आंखों पर रखें। बीस मिनट बाद ताजे पानी से आंखें धो लें। हर रोज ऐसा करने से आपको जल्द असर दिखेगा।

बादाम का तेल है बेहद फायदेमंद

बादाम के तेल में ठंडे दूध को मिलाकर आप अगर डार्क सर्कल पर लगाएंगे तो इससे भी चेहरा साफ हो जाएगा। इसके लिए बादाम का तेल और दूध को एक साथ बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें भीगी हुई कॉटन बॉल्स को बीस मिनट के लिए आंखों पर रखें। फिर ठंडे पानी से धो लें।

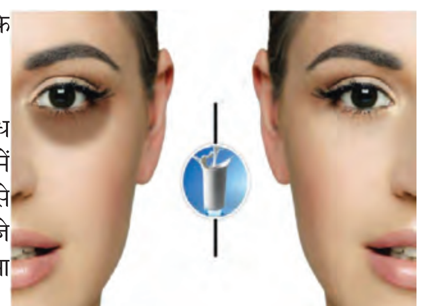

आलू का रस है असरदार

डार्क सर्कल हटाने के लिए आलू का रस काफी असरदार होता है। इसके लिए सबसे पहले आलू को कद्दूकस कर लें। अब इसका रस निकाल लें। रुई की मदद से इसे आंखों के आस-पास लगाएं। अब साफ पानी से आंखों को धो लें। इससे भी आपको जल्द आराम मिलेगा।

सब झूठ और कल्पना है : 'जैकलीन फर्नांडीज'

श्रीलंका से बॉलीवुड का सफर

जैकलीन ने अपनी स्कूली पढ़ाई बहरीन में पूरी की। इसके बाद उसने ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी से मास कम्युनिकेशन का कोर्स किया । वह 13 साल की ही थी जब उसने बहरीन में एकटी.वी. शो होस्ट किया था । फिर ग्रैजुएशन पूरी करने के बाद प्रोफैशनल टी.वी. रिपोर्टर के तौर पर काम करने लगी । जैकलीन के मन में हमेशा से एक टॉप एक्ट्रैस बनने का सपना था जिसे साकार करने के लिए उसने रिपोर्टिंग के साथ-साथ श्रीलंका में मॉडलिंग की शुरुआत कर दी। मॉडलिंग के दौरान ही उसने कई ब्यूटी कॉम्पीटिशन में हिस्सा लिया और

2006 में 'मिस श्रीलंका यूनिवर्स' का खिताब जीता और उसी साल मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया।

इसके बाद उसकी किस्मत बदल गई। वह भारत केवल एक मॉडलिंग शो का हिस्सा बनने आई थी लेकिन इसी दौरान उसकी मुलाकात निर्देशक सुजॉय घोष से हुई जिसने उसे फिल्म 'अलादीन' ऑफर की और इसके साथ ही बॉलीवुड में उसका सफर शुरू हो गया जो अब तक जारी है।

फ्रांस के अंगूर के बागों और लग्जरी यॉट से लेकर प्राइवेट जैट, लिली - ट्यूलिप के गार्डन और बेवर्ली हिल्स में आलीशान बंगले तक, सुकेश की ये बातें हकीकत कम और किसी काल्पनिक कहानी जैसी ज्यादा लगती हैं। ठग सुकेश चंद्रशेखर जेल में बंद है लेकिन जैकलीन फर्नांडीज का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रहा है। जैकलीन साफ कर चुकी है। कि उसके साथ उसका कोई संबंध नहीं है लेकिन उसने उसे लव लैटर भेजने और महंगे गिफ्ट देने का दावा करने का सिलसिला लगातार जारी रखा हुआ है।

'वैलेंटाइन्स डे' पर भी उसकी ओर से ऐसा ही एक दावा किया गया कि उसने जैकलीन को एयरबस कम्पनी का एक लग्जरी हैलीकॉप्टर गिफ्ट किया है। उसने कहा कि हैलीकॉप्टर के अंदर-बाहर जैकलीन के नाम के अक्षर 'जे' व 'एफ' उकेरे गए हैं और इससे वह फिल्म शूट या मुंबई के ट्रैफिक ऊपर उड़ान भर सकेगी। उसने यह भी कहा कि यह उसकी 'कड़ी मेहनत की कमाई' से खरीदा गया है, न कि किसी अपराध से ।

वहीं जैकलीन के नाम से जारी लव लैटर में उसने अपने गहरे प्यार, पछतावे और समर्पण का जिक्र किया है । 'टू, जैकलीन फर्नांडीज' को संबोधित और 'फ्रॉम, सुकेश चंद्रशेखर' के हस्ताक्षर वाले लैटर की शुरुआत 'माई बेबी बोम्मा जैकलीन' से होती है। उसने लिखा कि वह 'इन ठंडी दीवारों और लोहे की सलाखों' कारण उससे दूर है और उसे ऐसे याद करता है जैसे 'रेगिस्तान में खोया हुआ आदमी ।'

उसने लिखा, हर धड़कन आज हमारे बीच की दूरी का एहसास कराती है। कुछ भी हमारे प्यार को तोड़ नहीं सकता । केश ने अपने कारण झेलनी पड़ी' कानूनी परेशानियों, शर्मिंदगी और तनाव ' के लिए जैकलीन से माफी मांगते हुए कहा कि वह इस सबके लिए बेहद शर्मिंदा है और जल्द ही सब कुछ ठीक कर 'शांति बहाल' करने का भी उसने वायदा किया है। इस पत्र में सुकेश ने बेहद अधिकारपूर्ण बातें भी लिखीं- 'तुम मेरी हो और हमेशा मेरी ही रहोगी । सुकेश की तरफ से लगातार आ रहे ये 'पब्लिक लव लैटर्स' और बढ़ा-चढ़ा कर किए जा रहे दावे अब सिर्फ एक तमाशा नहीं रहे बल्कि सीधे तौर पर परेशानी का रूप ले चुके हैं । इन हरकतों की वजह से जैकलीन को जबरदस्ती एक ऐसी कहानी में घसीटा जा रहा है, जिससे उसने हमेशा खुद को दूर रखा है। फ्रांस के अंगूर के बागों और लग्जरी यॉट से लेकर प्राइवेट जैट, लिली - ट्यूलिप के गार्डन और बेवर्ली हिल्स में आलीशान बंगले तक, सुकेश की ये बातें हकीकत कम और किसी काल्पनिक कहानी जैसी ज्यादा लगती हैं। जैकलीन भी उन्हें झूठ बता कर उससे पल्ला झाड़ चुकी है। सबसे जरूरी बात है कि इन दावों को साबित करने के लिए आज तक कोई पुख्ता सबूत सामने नहीं आया है- न तो कोई मालिकाना हक के कागज, न ही कोई वित्तीय रिकॉर्ड या किसी स्वतंत्र स्रोत से इसकी पुष्टि हुई है। सार्वजनिक तौर पर बार- बार दिए जा रहे इन बयानों का मकसद सिर्फ इतना लगता है कि जैकलीन का नाम किसी न किसी तरह विवादों से जुड़ा रहे।

अलग होने के बाद टूट गई थीं, राज ने मुझे बेहतर इंसान बनाया : सामंथा

अपनी पर्सनल लाइफ के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बाद अब सामंथा रुथ प्रभु को फिर से प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस ने पिछले साल दिसंबर में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की। अब सामंथा ने अपने हार्टब्रेक पर खुलकर बात की और बताया कैसे उन्होंने मूव ऑन किया।

मैं पूरी तरह से बिखर गई थी

सामंथा ने दिल खोलकर बताया कि कैसे एक हार्टब्रेक के बाद उन्होंने खुद को पूरी तरह बंद कर लिया था। लेकिन राज की दोस्ती और प्यार ने उन्हें फिर से प्यार पर भरोसा करना सिखाया। सामंथा ने कहा, 'जब मेरा सेपरेशन हुआ, तो मैं पूरी तरह से बिखर गई थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी किसी पर दोबारा भरोसा कर पाऊंगी। लेकिन शुक्र है कि मैंने खुद को इतना कमजोर नहीं होने दिया और प्यार और दोस्ती पर फिर से भरोसा किया। आज मैं एक बेहतर इंसान हूं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मेरी जिंदगी में राज जैसे इंसान हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह बदलाव उनके करीबियों को भी महसूस हो रहा है। कुछ दिन पहले मैं अपनी एक पुरानी दोस्त से मिली। बाद में उसने मुझे वॉइस नोट भेजा और

कहा कि काफी समय बाद ऐसा लग रहा है कि तुम्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं हो रही। अब मैं कुछ दिखावा नहीं कर रही हूं।'

2021 में नागा चैतन्य से अलग हुईं थी सामंथा

सामंथा और नागा चैतन्य की लव स्टोरी 2010 की फिल्म 'ये माया चेसावे' के सेट से शुरू हुई थी, जो सामंथा की डेब्यू फिल्म भी थी। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने 2017 में भव्य शादी की। लेकिन शादी के चार साल बाद, 2021 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। हालांकि, अलग होने की वजह कभी सार्वजनिक नहीं की गई। बाद में 2024 में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से शादी कर ली।

सामंथा ने राज से शादी कर फैंस को चौंकाया

वहीं सामंथा और राज की पहली मुलाकात 2021 में वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन के दौरान मानी जाती है, जहां सामंथा ने 'राजी' का किरदार निभाया था। हालांकि, 2024 में 'सिटाडेल' पर साथ काम करने के बाद दोनों के डेटिंग की खबरें सामने आईं।

दोनों ने इस पर कभी खुलकर बात नहीं की, लेकिन फैंस ने उन्हें छुट्टियों और इवेंट्स में साथ देखा। 1 दिसंबर 2025 को सामंथा और राज ने कोयंबटूर में शादी कर ली। उन्होंने अपनी इंटिमेट वेडिंग की पोस्ट शेयर कर फैंस को चौंका दिया। उनकी शादी में केवल घर के लोग और करीबी दोस्त शामिल थे।

अवॉर्ड समारोह में नवोदित कलाकारों को मंच पर बोलने के लिए पर्याप्त समय न दिए जाने पर निराश साउथ एक्ट्रेस निहारिका

हाल ही में फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ की घोषणा की गई। जहां कई हस्तियों ने अवॉर्ड अपने नाम किया। लेकिन अब इस अवॉर्ड समारोह को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। तेलुगु अभिनेत्री निहारिका कोनिडेला ने अवॉर्ड समारोह में नवोदित कलाकारों को मंच पर बोलने के लिए पर्याप्त समय न दिए जाने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात को उठाया कि बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड जीतने वाले कलाकारों को मंच पर बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

निहारिका कोनिडेला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने एक स्टेटमेंट जारी किया है, जिसमें एक कथित अवसर की चूक को उजागर किया। खासकर तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के नए कलाकारों के लिए, जिन्हें मंच पर अवॉर्ड जीतने के बाद स्पीच देने का मौका नहीं दिया गया।

अपने इस स्टेटमेंट में एक्ट्रेस ने लिखा, 'फिल्मफेयर अवाड्र्स में भारतीय सिनेमा की प्रतिभा का जश्न मनाना हमेशा एक यादगार पल होता है। इतनी अद्भुत प्रतिभाओं को एक मंच पर देखना वास्तव में खास था। हालांकि, मुझे इस बात का अफसोस है कि तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा के नए कलाकारों को बोलने का मौका नहीं दिया गया।'

नए कलाकारों के लिए यह सिर्फ एक मंच नहीं होता

अभिनेत्री ने नए कलाकारों के लिए ऐसे मंचों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अपने करियर की शुरुआत कर रहे एक कलाकार के लिए, वह मंच महज एक प्लेटफॉर्म नहीं होता, बल्कि उनके सपनों के साकार होने का प्रतीक होता है। उनकी आवाज सुनकर हम सबको याद आ जाता कि सिनेमा से हमारा प्यार क्यों शुरू हुआ था। इतने बड़े शो में समय की पाबंदी होना लाजमी है, लेकिन पहली बार मंच पर खड़े किसी कलाकार से वह एक मिनट छीना नहीं जाना चाहिए। क्योंकि उनके लिए वह एक मिनट जीवन भर के लिए यादगार हो सकता है।

इस फिल्म में नजर आई थीं निहारिका

हाल ही में कोच्चि में आयोजित हुए फिल्मफेयर अवाड्र्स साउथ 2026 में निहारिका ने भी शिरकत की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो निहारिका को आखिरी बार तमिल फिल्म 'मद्रासकारन' में शेन निगम के साथ मुख्य भूमिका में देखा गया था।

पिता और बेटे दोनों की बनी हीरोइन स्कूल के दोस्त से रचाई शादी

नयनतारा से लेकर समांथा रुथ प्रभु तक, साउथ सिनेमा में आज के समय में कई हसीनाएं हैं जिन्होंने अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अभिनय से भी दर्शकों के दिल जीते हैं। फैंस के बीच इन अभिनेत्रियों का अलग ही क्रेज है। खास बात तो ये है कि ये हसीनाएं

कीर्ति सुरेश

साउथ के साथ-साथ अब बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का जादू बिखेर रही हैं। नयनतारा ने जहां शाहरुख खान के साथ 'जवान' में काम करके सुर्खियों बटोरीं तो वहीं समांथा भी 'द फैमिली मैन 2' और 'सिटाडेलः हनी बनी' के जरिए हिंदी भाषी दर्शकों के बीच दस्तक दे चुकी हैं। ऐसी ही एक अभिनेत्री फोटो में नजर आ रही ये बच्ची भी है, जिन्होंने 2024 में बॉलीवुड डेब्यू किया था। फोटो में अपनी मां के साथ नजर आ रही ये बच्ची करीब 13 साल से फिल्मी दुनिया में एक्टिव है और मेगा स्टार नागार्जुन और उनके बेटे नागा चैतन्य सहित साउथ इंडस्ट्री के कई बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकी है। अगर अब भी आप इन्हें नहीं पहचान सके हैं तो बता दें, ये बच्ची कोई और नहीं बल्कि साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश हैं।

पिता-बेटे दोनों की बनीं हीरोइन

कीर्ति सुरेश ने 2013 में आई मलयालम फिल्म 'गीतांजलि' से डेब्यू किया था, इससे पहले वह बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 2000 में रिलीज हुई 'पायलट्स' में भी नजर आई थीं। वहीं कीर्ति सुरेश के तमिल और तेलुगु करियर की बात करें तो उन्होंने 'इधु एना मायम' (2015) और 'नेनु सैलजा' (2016) से शुरुआत की। कीर्ति सुरेश बॉलीवुड डेब्यू भी कर चुकी हैं। 2024 में उन्होंने वरुण धवन स्टारर 'बेबी जॉन' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। खास बात तो ये है कि अभिनेत्री साउथ सिनेमा के सुपरस्टार नागार्जुन और उनके बेटे नागा चैतन्य दोनों की हीरोइन बन चुकी हैं। कीर्ति सुरेश ने 2019 में रिलीज हुई 'मनमंधुडु 2' में नागार्जुन और 2018 में रिलीज हुई 'महानती' में नागा चैतन्य के साथ काम किया था।

बड़े सुपरस्टार्स के साथ किया काम

कीर्ति सुरेश अब तक साउथ सिनेमा के लगभग सभी बड़े स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री नागार्जुन से लेकर थलापति विजय, नागा चैतन्य, मोहनलाल और महेश बाबू जैसे सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। वहीं उनकी फिल्मों की बात करें तो वह दशहरा, लकरारू वारी पाटा, बेबी जॉन, भोला शंकर, महानती, सरकार और मिस इंडिया जैसी दमदार फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोर चुकी हैं। इससे पहले उन्होंने बतौर चाइल्ड एक्टर भी कई फिल्मों में काम किया था। कीर्ति सुरेश को को पिछली बार फिल्म रिवोल्वर रीटा में देखा गया था, जो 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

15 साल डेटिंग के बाद की शादी

कीर्ति सुरेश अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहीं। एक्ट्रेस ने 2024 में दुबई बेस्ड भारतीय बिजनेसमैन एंटनी थाटिल से शादी की थी, जो उनके क्लासमेट भी थे। दोनों स्कूल के समय से दोस्त थे और करीब 15 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों शादी के बंधन में बंध गए। इससे पहले 6 साल तक दोनों लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में भी रहे। कीर्ति और एंटनी ने हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शादी रचाई थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में रही थीं।

क्या इमरान हाशमी निभाएंगे 'धुरंधर- द रिवेंज' में 'बड़े साहब' का किरदार?

आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' को आए करीबन 3 महीने हो गए हैं और अब फैंस इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी आंखें जमाई हुईं है कि रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की कोई भी अपडेट मिस ना कर दें।

यामी गौतम का होगा स्पेशल अपीयरेंस

फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में बनी हुई है। पहले ही खबर आ चुकी है कि आदित्य धर की पत्नी और एक्ट्रेस यामी गौतम फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस में नजर आएंगी, वहीं अक्षय खन्ना भी फ्लैशबैक सीन में दिखाई देंगे। अब लेटेस्ट चर्चा ये है कि यामी के 'हक' मूवी के को-स्टार इमरान हाशमी भी 'धुरंधर 2' की स्टारकास्ट में शामिल हो गए हैं।

'बड़े साहब' का कई बार आ चुका है नाम

बता दें कि पहले पार्ट में 'बड़े साहब' का नाम फिल्म में कई बार लिया गया था। संजय दत्त के किरदार एसपी चौधरी असलम और अर्जुन रामपाल के निभाए किरदार आईएसआई मेजर इकबाल ने इस नाम का जिक्र किया था। बाद में रणवीर सिंह के किरदार ने अपनी डायरी में 'बड़े साहब' को अगला टारगेट बताया था, जब वह रहमान डकैत को मार चुका था।

सोशल मीडिया पर पोस्ट हुई वायरल

अब चर्चा है कि फिल्म के सीक्वल में 'बड़े साहब' का किरदार इमरान हाशमी निभा सकते हैं। लेटरबॉक्स्ड पर मौजूद कास्ट लिस्ट के मुताबिक इमरान को इस रोल के लिए कास्ट किया गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

फैंस इस खबर से बहुत एक्साइटेड हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इमरान की कास्टिंग कमाल है, वो बहुत टैलेंटेड हैं हक में भी शानदार थे।' एक यूजर ने लिखा, 'अख्खा बॉलीवुड एक तरफ, इमरान हाशमी एक तरफ!' हालांकि, कुछ फैंस ने इस खबर पर सवाल भी उठाए। उनका कहना है कि लेटरबॉक्स्ड का डेटा टीएमडीबी से आता है और उसे कोई भी एडिट कर सकता है, इसलिए यह पूरी तरह से भरोसे के लायक नहीं है।

कब रिलीज होगी 'धुरंधरः द रिवेंज'

'धुरंधरः द रिवेंज' पिछले साल आई 'धुरंधर' का सीक्वल है। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे, जिन्होंने भारतीय जासूस का किरदार निभाया है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से होगा।

कृष्णा श्रॉफ ने कबूला इश्क

जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ रियलिटी शो क्वीन कहलाती है।

उसने कई सारे ऐसे शो में अच्छा प्रदर्शन किया है। हाल फिलहाल वह 'द 50' शो का हिस्सा है जहां उसने अपने प्यार का खुलेआम जिक्र किया और अपने ब्वॉयफ्रैंड के बारे में बताया है। अपनी कमाल की फिटनेस के लिए लोकप्रिय कृष्णा ने सैट पर अन्य प्रतियोगी नताशिया से बातचीत में बताया कि उसका ब्वॉयफ्रैंड अब्दुल अजीम बदख्शी है । वह अफगानिस्तान से ताल्लुक रखता है और एक प्रोफैशनल 'मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स' (एम.एम.ए.) फाइटर है। कृष्णा ने कहा, मुझे स्ट्रॉन्ग मर्द पसंद हैं। वह अल्फा मेल हैं। उन्होंने मुझे चैलेंज किया था ।

कृष्णा ने बताया कि उन दोनों का रिश्ता 2020 से चल रहा है। नवम्बर 2020 में वे बात करने लगे थे छोटा पर्दा फिर मई 2021 में पहली बार मिले । अब्दुल उसके लिए मुंबई शिफ्ट हो गया ।

कृष्णा कहती है, " 8 महीने बात करने के बाद एक दिन उन्होंने कहा कि मैं तुमसे मिलने आना चाहता हूं। मैंने हां कह दिया । इस तरह हमारे बीच प्यार गहरा होता चला गया और हम दोनों रिश्ते में आ गए।

उसने सैट पर अपना प्यार कबूल करते हुए कहा कि उसे नैशनल टी.वी. पर अपने ब्वॉयफ्रैंड के बारे में बात करने में कोई झिझक नहीं है । वह खुद को एक खुली किताब कहती है ।

बता दें कि उसने अपने पिता और भाई टाइगर श्रॉफ की तरह अपना करियर एक्टिंग में नहीं बल्कि फिटनैस में चुना है । इसके बाद उसने खुद को रियलिटी शोज का हिस्सा बनाया। वह फिटनैस एकैडमी भी चलाती है।

झारखंड में शहर की सरकार के लिए मतदान संपन्न

राज्यपाल, सीएम ने डाले वोट, रांची, धनबाद-गिरिडीह, बोकारो में हंगामा, 27 को आएंगे नतीजे

रांची, 23 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के 48 नगर निकायों में मतदान सोमवार की शाम 5 बजे संपन्न हो गया। लंबे अरसे के बाद हुए निकाय चुनाव को लेकर राज्यभर के मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला।

मतदान की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही मतदाताओं की लाइन प्रदेश के कई मतदान केंद्रों पर देखने को मिली। हालांकि कई लोगों को बूथ ढूढ़ने में खासा परेशान भी होना पड़ा।

धनबाद में पुलिस को करना पड़ा बल प्रयोग

2445 मतदान केंद्रों को संवेदनशील और 896 को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया था। यहां अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए गऐं। पुनर्मतदान की स्थिति से निपटने के लिए तीन दिन रिजर्व भी रखे गए हैं।

वहीं, रांची, गिरिडीह, धनबाद, जुगसलाई और चास में वोटिंग के दौरान हंगामा भी हुआ। धनबाद के एक बूथ पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

इधर, राजधानी रांची में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची के एटीआई सभागार स्थित मतदान केन्द्र संख्या 2 पर मतदान किया। जहां उन्होंने मतदान के बाद लोगों से इस चुनाव में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाने की अपील भी की।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ सहजानंद चौक, हरमू स्थित संत कुलदीप उच्च विद्यालय मतदान केंद्र में वोटिंग की। राजधानी रांची के कई इलाकों मोरहाबादी, हरमू, डोरंडा, बरियातू और हिंदपीढ़ी में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। पहली बार वोट डालने पहुंचे युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मतगणना 27 फरवरी को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। नगर निगमों में सबसे पहले हजारीबाग मेयर का परिणाम आने की संभावना जताई जा रही है, जबकि धनबाद का परिणाम सबसे बाद में आ सकता है। नगर परिषदों में गोड्डा और पाकुड़ के नतीजे पहले घोषित हो सकते हैं।

रांची, गिरिडीह, धनबाद और चास में हंगामा

सोमवार सुबह मतदान शुरू होने के शुरुआती चार घंटे के दौरान गिरिडीह, धनबाद और बोकारो के चास में हंगामा हुआ। शाम में रांची के हिंदपीढ़ी स्थित इदरीसीया तंजीम में दो प्रत्याशी के समर्थकों के बीच मारपीट हो गई। गिरिडीह में मतदान के दौरान वार्ड संख्या 18 स्थित बूथ नंबर 4 पर अचानक हंगामा हो गया। जानकारी के अनुसार दो पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

इस दौरान दोनों ओर से पथराव भी किया गया, जिससे मतदान केंद्र के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि मतदाताओं को जबरन रोककर उनके साथ मारपीट की गई और धमकाया गया। घटना से मतदान प्रक्रिया कुछ देर के लिए प्रभावित हुई।

गिरिडीह में ही वार्ड संख्या 27 के बुलाकी रोड स्थित बूथ नंबर 1 और 2 पर दो पार्षद प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। पहले दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते पत्थरबाजी और मारपीट में बदल गई। घटना से मतदान केंद्र के आसपास कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।

विजय-टू खदान में मजदूरों के बकाया भुगतान पर आंदोलन

चाईबासा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चाईबासा में गुवा क्षेत्र स्थित विजय-टू खदान से जुड़े लगभग 150 मजदूर बकाया ग्रेच्युटी और फाइनल भुगतान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर बैठ गए हैं। यह खदान 17 अगस्त से बंद पड़ी है, और मजदूरों का आरोप है कि उन्हें अब तक उनका हक नहीं मिला है।

मजदूरों का कहना है कि वेंडर कंपनी कमला एंटरप्राइजेज ने उनके बकाया भुगतान को रोक रखा है। खदान बंद होने के तुरंत बाद फाइनल सेटलमेंट होना चाहिए था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद उन्हें भुगतान नहीं किया गया है।

यह मामला पहले ही एएलसी कोर्ट, चाईबासा में उठाया गया था, जहां 20 फरवरी तक भुगतान करने का आश्वासन दिया गया था। मजदूरों के अनुसार, यह वादा भी पूरा नहीं हुआ, जिससे नाराज होकर उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया।

झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने आंदोलन को समर्थन दिया है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर कहा कि मजदूरों के साथ धोखा हुआ है।

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म पर बढ़ा विवाद

महासंघ की चेतावनी- सिनेमाघरों में हुई रिलीज तो करेंगे तोड़फोड़

गयाजी, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के गयाजी में अखिल भारत वर्षीय यादव महासंघ ने 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म के विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। महासंघ की ओर लेकर सोमवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग की गई।

महासंघ के अध्यक्ष रामाश्रय यादव ने आरोप लगाया कि 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म में एक विशेष समुदाय का चित्रण आपत्तिजनक तरीके से किया गया है, जिससे यादव समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसी समुदाय की नकारात्मक छवि प्रस्तुत करना न केवल सामाजिक सम्मान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे के माहौल को भी कमजोर कर सकता है।

रामाश्रय यादव ने कहा कि इस प्रकार की फिल्म सामग्री स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति उत्पन्न कर सकती है और शांति व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती है।

संगठन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और बिहार सरकार से फिल्म रिलीज पर रोक लगाने तथा इसके नाम में परिवर्तन करने की मांग की है। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि किसी रचना से समाज के किसी वर्ग की गरिमा प्रभावित होती है, तो उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

प्रेस वार्ता के दौरान महासंघ ने 25 फरवरी को गांधी मैदान से विरोध रैली निकालने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि जिस-जिस सिनेमा घर में फिल्म प्रदर्शित की जाएगी, वहां संगठन की ओर से प्रदर्शन और तोड़फोड़ किया जाएगा। साथ ही प्रशासन से फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग दोहराई गई।

वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि समाज की गरिमा और सम्मान बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने राज्य प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की अपील की।

गयाजी के चंदौती स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कार्यालय के समीप एक निजी भवन में हुई बैठक में संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

दो सालों में 532 माओवादियों का एनकाउंटर

राज्यपाल ने बजट सत्र को किया संबोधित

रायपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को कहा कि प्रदेश माओवादियों के आतंक से मुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल डेका ने विधानसभा के बजट के सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण के दौरान राज्य में हुए विकास कार्यों की जानकारी सदन को दी। राज्यपाल ने कहा, ''जब आतंक का साया हट जाता है तो विकास का उजाला खुद ही फैल जाता है और लोगों का जीवन रोशन हो जाता है।

राज्यपाल ने कहा- हमने बीते दो वर्ष में माओवादी आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता प्राप्त की है। दो वर्ष में 532 माओवादी मारे गए, 2,704 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया तथा 2,004 माओवादी गिरफ्तार किये गये। सरकार ने आत्मसमर्पण की बेहतर नीति बनाई है, जिसके फलस्वरूप, भटके हुए युवा अब मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं, हथियार छोड़कर संविधान की प्रति हाथों में थाम रहे हैं तथा प्रदेश माओवादी आतंक से मुक्ति की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, ''जिन धुर नक्सल प्रभावित इलाकों को माओवाद से मुक्त किया गया है वहां 'नियद नेल्ला नार योजना' के माध्यम से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।'' डेका ने कहा कि सरकार ने बस्तर में विकास के लिए संपर्क सुविधा को विशेष प्राथमिकता दी है तथा 146 सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों के लिए 1,109 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी है।

उन्होंने कहा, ''नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 728 मोबाइल टॉवर चालू किए गए हैं और 449 मोबाइल टॉवर का 4जी में अद्यतन किया गया।'' उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में 31 नयी प्राथमिक शालाएं और 19 उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किये गये हैं।''

पानीपत की यूनिवर्सिटी में ब्लास्ट, कैफे की छत उड़ी, 3 झुलसे

40 मीटर ऊंची लपटें उठीं हॉस्टल से छात्राओं ने रिकॉर्ड किया

मतलौडा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पानीपत की गीता यूनिवर्सिटी परिसर में बने कैफे में भीषण आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। शुरुआत में आग कम होने के कारण वहां मौजूद लोग फायर एक्सटिंग्विशर से उस पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन तभी सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इसकी चपेट में आकर 3 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना तेज था कि कैफे की छत और सामान के टुकड़े हवा में करीब 40 फीट ऊपर तक उछल गए।

ब्लास्ट होते ही वहां खाना खाने आए दर्जनों छात्र-छात्राओं ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। यह पूरी घटना कैफे के पास गर्ल्स हॉस्टल में मौजूद छात्राओं ने अपने मोबाइल में कैद कर ली।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं

उसके काम को नजरअंदाज करना नाइंसाफी, गृहिणी का योगदान पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ता से जुड़े एक मामले पर कहा कि बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं होती। घर संभालना, बच्चों की देखभाल और परिवार की मदद करना भी काम है, भले ही वह बैंक खाते में नजर न आए। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय पत्नी के योगदान को नजरअंदाज करना गलत है।

जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने 16 फरवरी को दिए इस फैसले में कहा कि घरेलू काम का भी आर्थिक महत्व होता है और इसे नजरअंदाज करना नाइंसाफी है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी खाली नहीं बैठती, वह ऐसा काम करती है जिससे कमाने वाला पति सही तरीके से काम कर पाता है।

कोर्ट ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर शादी के बाद महिला से नौकरी छोड़ने की

उम्मीद की जाती है, लेकिन बाद में उसी बात को लेकर पति भत्ता देने से बचते हैं। ऐसी दलील को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।

मामला 2012 में हुई शादी से जुड़ा है। पत्नी का आरोप है कि 2020 में पति ने उसे और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया। पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत अंतरिम मेंटेनेंस की मांग की। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था कि पत्नी शिक्षित और सक्षम है, लेकिन उसने नौकरी नहीं की। अपीलीय अदालत ने भी कोई राहत नहीं दी।

हाईकोर्ट में पति ने दलील दी कि वह बेटे की पढ़ाई का खर्च उठा रहा है और पत्नी खाली बैठकर मेंटेनेंस नहीं मांग सकती। इसपर हाईकोर्ट ने कहा कि कमाने की क्षमता और वास्तविक कमाई दो अलग बातें हैं। केवल इस आधार पर पत्नी को मेंटेनेंस से वंचित नहीं किया जा सकता कि वह कमाने में सक्षम है।

हाईकोर्ट ने कहा कि जो महिलाएं काम करना चाहती हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन सिर्फ इस आधार पर भत्ता रोकना कि वह कमाने लायक है, गलत सोच है। कानून को यह देखना होगा कि जिसने सालों परिवार के लिए मेहनत की, वह आर्थिक रूप से असहाय न रह जाए।

कोर्ट ने माना कि शादी या परिवार के कारण करियर छोड़ने वाली महिला बाद में उसी स्तर और सैलरी पर नौकरी शुरू नहीं कर सकती।

महिला ने साथियों संग लिव-इन पार्टनर को ट्रक से कुचला

आरोपी महिला गिरफ्तार, जींद की रहने वाली, घायल रोहतक पीजीआई रेफर

कैथल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कैथल जिले के सीवन क्षेत्र में एक व्यक्ति को षड्यंत्र बनाकर ट्रक से कुचलकर जान से मारने की कोशिश करने के मामले में पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसने दो अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर अपने लिव-इन पार्टनर को कुचलने का प्रयास किया था। पकड़ी गई महिला की पहचान गांव रायचंदवाला जिला जींद निवासी नीलम के रूप में हुई है।

गांव पेगा निवासी किरपाल की शिकायत अनुसार वह राजौंद में शराब के ठेके पर काम करता है। उसकी नीलम नामक एक महिला के साथ दोस्ती थी और दोनों लिव-इन में राजौंद में किराए के कमरे में रह रहे थे। कुछ समय से नीलम की बातचीत गांव कलोदा जिला जींद निवासी परविन्द्र से होने लगी थी। जिससे कुछ दिन पहले नीलम उसे छोड़कर परविन्द्र के पास चली गई। जिसके बाद 17 फरवरी की रात वह परविन्द्र और नीलम की तलाश में ट्रांसपोर्ट नगर कैथल पहुंचा। जहां ट्रक में दोनों को आपत्तिजनक हालत में देखा। उसे देखते ही वे ट्रक लेकर फरार हो गए। खानपुर बस अड्डे के पास जब उसने दोबारा ट्रक के पास जाकर आवाज लगाई तो अजय और नीलम ने परविन्द्र को उकसाया। शिकायत अनुसार इसके बाद परविन्द्र ने ट्रक का अगला टायर उसकी टांगों, पसलियों और बाजुओं पर चढ़ा दिया और तीनों मौके से फरार हो गए।

भोपाल के स्नूकर क्लब में छात्र को चाकुओं से गोदा

कोचिंग के दो साथियों ने तमाचे का बदला लिया, 30 सेकंड में 27 वार किए

भोपाल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भोपाल में 10वीं कक्षा के एक छात्र पर दो नाबालिग छात्रों ने पूल गेम खेलते समय चाकू और छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। घटना 15 फरवरी की रात टीला जमालपुरा स्थित गणेश चौक के एक स्नूकर क्लब में हुई।

आरोपियों ने 30 सेकंड में 27 बार चाकू और छुरी मारी। वारदात का सीसीटीवी फुटेज 22 फरवरी को सामने आया है, जिसमें आरोपी फिल्मी अंदाज में अंदर घुसते और ताबड़तोड़ हमला करते दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए।

घायल छात्र किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। हमले में उसकी एक कलाई पर 10 से अधिक गहरे कट लगे हैं, जबकि दूसरे हाथ की दो उंगलियां कट गई हैं।

कंधे और पीठ पर भी गंभीर चोटों के निशान हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार, घायल 16 वर्षीय छात्र गौतम नगर थाना क्षेत्र का निवासी है और रोजाना पूल खेलने क्लब आता था। कुछ दिन पहले उसका क्लब में ही 16-16 वर्षीय दो अन्य नाबालिगों से विवाद हो गया था।

बताया जा रहा है कि उस दौरान छात्र ने दोनों को थप्पड़ मार दिए थे। इसी रंजिश में आरोपियों ने बदला लेने की नीयत से हमला किया।

हमला करने वाले दोनों नाबालिग भी 10वीं कक्षा के छात्र हैं और घायल के साथ कोचिंग में पढ़ते हैं। पूल गेम में वर्चस्व को लेकर दोनों पक्षों में पहले भी तनातनी हो चुकी थी।

पुलिस कार्रवाई पर सवाल, आरोपियों को नोटिस देकर थाने से छोड़ा

पुलिस ने साधारण धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद नोटिस देकर थाने से छोड़ भी दिया गया। मामले में सब इंस्पेक्टर (एसआई) मनिपाल सिंह भदौरिया ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी।

दोनों ही नाबालिग बालकों को थाने से नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट्स के आधार पर आगे धाराओं में इजाफा होगा।

एनसीपी विधायक बोले-अजित पवार का राजीव गांधी जैसा मर्डर

पूछा-क्या कैप्टन सुमित कपूर सुसाइड बॉम्बर बनकर आए थे? क्रैश के बाद महाराष्ट्र शांत कैसे

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक अमोल मिटकरी ने पार्टी के मुखिया अजित पवार की प्लेन क्रैश में मौत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि क्या पवार का मर्डर उसी तरह हुआ जैसे लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE) ने राजीव गांधी का मर्डर किया था? क्या कैप्टन सुमित कपूर सुसाइड बॉम्बर बनकर आए थे?

उन्होंने अकोला जिले में आयोजित शिव जयंती कार्यक्रम में सोमवार को कहा कि अगर कपूर की पत्नी कह रही हैं कि वह जिंदा हैं तो क्या सुमित कपूर सच में प्लेन क्रैश में मारे गए थे या जिंदा हैं? उन्होंने कहा कि जब प्लेन क्रैश इतना बड़ा राज है तो महाराष्ट्र इतना शांत कैसे है?

दरअसल, पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी को अजित पवार का विमान क्रैश हुआ था। इस हादसे में अजित पवार सहित 5 लोगों की मौत हुई थी। हादसे पर तभी से लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। अजित की पत्नी और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिलकर मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार भी अजित पवार के प्लेन क्रैश पर सवार उठा चुके हैं।

युवती ने बॉयफ्रेंड को जड़े कई थप्पड़

बोलीं- बुला ले पुलिस, मेरे पास सारे सबूत, भीड़ लगाने पर लोगों को धमकाया

गुरुग्राम, 23 फरवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम जिले में एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवती अपने बॉयफ्रेंड को सरेआम थप्पड़ मारती नजर आ रही है। वीडियो में युवती चिल्लाते हुए कह रही है कि बुला ले पुलिस, मैं भी चाहती हूं कि पुलिस आए। मेरे पास तुम्हारे सारे सबूत हैं, कहती सुनाई दे रही है।

युवती की हरकत देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह जाते हैं। वीडियो में युवती गुस्से में बॉयफ्रेंड पर हाथ उठाती है और थप्पड़ जड़ती दिखाई देती है। जब कुछ लोग बीच-बचाव करने के लिए आगे बढ़ते हैं, तो युवती उन्हें भी धमकाती नजर आती है और कहती है कि कोई दखल न दे।

घटना को युवक के ही एक साथी ने कैमरे में कैद किया, जो अब वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो की लोकेशन और दोनों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर लोग कमेंट्स भी खूब कर रहे हैं। कुछ लोग युवती के गुस्से को जायज ठहरा रहे हैं, जबकि अन्य इसे हिंसा का रूप मानकर निंदा कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि "रिश्तों में सम्मान जरूरी है, लेकिन सरेआम हिंसा गलत है।

पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि पीआरओ टीम का कहना है कि यदि कोई शिकायत मिलती है, तो जांच शुरू की जा सकती है। ऐसे वीडियो अक्सर प्राइवेसी और सार्वजनिक बिहेवियर पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि बाद में समझौता भी हो जाता है।

साहिब विधायक के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

पंजाब सरकार को नोटिस

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब में खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मनजिंदर सिंह को तरनतारन की एडिशनल सेशन कोर्ट ने बीते वर्ष 4 साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर हुई है।

याचिका में दोषी विधायक विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की गई। अदालत ने इस मामले को सुनने के बाद विधायक और पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया है। हालांकि सुनवाई के दौरान अदालत ने तीस मार्च को इस मामले में अगली सुनवाई करने का फैसला लिया है। यह याचिका जसवंत सिंह की तरफ से दाखिल की गई।

यह दलील दी है याचिका में

जसवंत सिंह ने अपनी याचिका में दलील दी है कि सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट गाइडलाइन है कि जब किसी विधायक को दो साल से अधिक सजा हो जाती है, तो वह अपने पद पर नहीं रह सकता। लेकिन इस मामले में फैसला आए हुए पांच महीने से अधिक समय हो गया है, फिर भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का भी हवाला दिया। इसके बाद अदालत ने यह आदेश जारी किए हैं।

12 साल पुराने मामले में हुई है सजा

10 सितंबर को अदालत ने 12 साल पहले युवती से मारपीट करने और छेड़छाड़ के आरोप में उन्हें दोषी ठहराया था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। कोर्ट के ऑर्डर के अनुसार पीड़ित लड़की को मुआवजे भी देना होगा।

2 साल से ज्यादा की सजा होने की वजह से अब उनकी विधायकी पर तलवार लटक गई है। हालांकि लालपुरा के पास ऑप्शन है कि वह पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। सजा पर रोक लगी तो उनकी विधायकी बच सकती है।

बाबा चांगली से परेशान ग्रंथी ने सुसाइड किया

संगरूर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। संगरूर में चांगली वाले बाबा से परेशान होकर ग्रंथी ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। जहर खाने के बाद उसने एक वीडियो बनाया। जिसमें उसने कहा कि चांगली वाला बाबा उसके साथ मरपीट करता है। इसके अलावा ग्रंथी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी लिखी। जिसमें उसने सुसाइड की सारी वजहें गिनाईं। सुसाइड का पता चलते ही परिजन भड़क गए। पुलिस ने बाबा बलविंदर सिंह चांगली वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

हालांकि परिवार आरोपी की गिरफ्तारी पर अड़ गया। परिवार व ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं होता तब तक संस्कार नहीं किया जाएगा।

चोरी कांड का खुलासा: दो नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

रामगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने पटेल नगर में बंद घर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो नाबालिगों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के आभूषण और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। यह घटना कुछ दिन पहले पटेल नगर, मुरकुंडा निवासी संतोष कुमार मिश्रा (39) के घर में हुई थी।

क्या सोना-चांदी आयात चिंताजनक, यूएस टैरिफ में बदलाव का कितना असर? वित्त मंत्री-आरबीआई ने दिए जवाब

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली स्थित आरबीआई भवन में रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 61वीं बैठक में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा भी मौजूद रहे।

अमेरिकी टैरिफ में हुए बदलाव पर टिप्पणी करना जल्दबाजी

सीतारमण ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में हुए बदलाव से हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्री हालात की समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही बीमा उत्पादों की गलत बिक्री के बजाय बैंकों को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना चाहिए।

सोने-चांदी के आयात को लेकर क्या कहा?

उन्होंने कहा कि सोने-चांदी का आयात चिंताजनक स्तर पर नहीं है। रिजर्व बैंक इस पर नजर रख रहा है। सोने की कीमतों में उछाल का कारण वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की तरफ से इसकी भारी मात्रा में खरीदारी है। उन्होंने कहा कि सोना घरेलू परिवारों के लिए पारंपरिक निवेश का साधन रहा है और त्योहारों के मौसम में इसमें आमतौर पर उछाल देखा जाता है। सीतारमण ने स्पष्ट किया कि अभी तक सोने की कीमतों ने कुछ निश्चित सीमाओं को पार नहीं किया है और स्थिति नियंत्रण में है। तरलता के मुद्दे पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के पास पर्याप्त तरलता उपलब्ध है और अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार ऋण उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं

वहीं आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने आश्वासन दिया कि सोने के आयात को लेकर कोई खास चिंता नहीं है। बाहरी क्षेत्र मजबूत है और चालू खाता घाटा नियंत्रण योग्य स्तर पर है। उन्होंने यह भी दोहराया कि आरबीआई अर्थव्यवस्था की उत्पादक जरूरतों के लिए पर्याप्त तरलता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर टिप्पणी करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एफडीआई प्रवाह मजबूत बना हुआ है, पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है और देश के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी उपस्थित रहे।

कोरोना से बच गए, पर नए कानून के बाद बंद करनी पड़ी दुकान: रूस में छोटे कारोबारी क्यों हैं परेशान

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूस में लागू नई कर सुधार नीति के चलते छोटे और मध्यम उद्यमों पर आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। कई कारोबारियों का कहना है कि बढ़े हुए टैक्स, लागत में उछाल और मांग में गिरावट के कारण व्यवसाय चलाना बेहद कठिन हो गया है। कजान की पेस्ट्री शॉप संचालक डेनिस मैक्सिमोव ने बताया कि अपने कारोबार को बंद करने का फैसला उनके लिए बेहद भावनात्मक और कठिन था, क्योंकि यह उनके जीवन का केंद्र था और उन्होंने इसे 2020 में शुरू कर महामारी जैसी चुनौती के बावजूद संभाला था। व्यापारियों के अनुसार, महामारी अस्थायी संकट थी, लेकिन नई कर व्यवस्था दीर्घकालिक है और भविष्य में टैक्स बोझ और बढ़ने की आशंका है। सुधारों के तहत 2027 और 2028 तक कम राजस्व वाले अधिक व्यवसाय भी उच्च कर दायरे में आ जाएंगे, जिससे छोटे कारोबारों की वित्तीय स्थिति और प्रभावित हो सकती है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की अर्थव्यवस्था में छोटे और मध्यम उद्यमों की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से अधिक है, जो रोजगार, नवाचार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों के लिए अहम मानी जाती है। कंसल्टेंसी फर्म मैक्रो-एडवाइजरी के सीईओ क्रिस वीफर के मुताबिक, छोटे कारोबारों पर वैट का दायरा बढ़ाना वित्त मंत्रालय की एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य तेल राजस्व में गिरावट और बढ़ते बजट घाटे के बीच सरकार के लिए स्थिर और पूर्वानुमान योग्य आय सुनिश्चित करना है। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि 2014 में क्रीमिया संकट के बाद लगे प्रतिबंधों से ही छोटे और मध्यम उद्यम लगातार दबाव में रहे हैं, क्योंकि सरकारी समर्थन मुख्य रूप से बड़े उद्योगों को मिला।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 480 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

मुंबई,23 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन के व्यापक टैरिफ को रद्द करने के बाद निवेशकों की भावना में सुधार होने के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, ऑटो और वित्तीय शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढ़कर 90.87 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 479.95 अंक या 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, बेंचमार्क 671.44 अंक या 0.81 प्रतिशत उछलकर 83,486.15 के अंतर्दिवस उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,713 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में, यह 200.2 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 25,771.45 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स पैक में अदानी पोर्ट्स सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 2.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटरनल, टाटा स्टील और इंडिगो को घाटा हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति के खिलाफ दिए गए फैसले का घरेलू बाजारों ने स्वागत किया है। निवेशक ट्रंप की संशोधित रणनीति और अन्य देशों द्वारा पुनर्विचार की संभावनाओं के बारे में और अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कमजोर अमेरिकी डॉलर और गिरती 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड वैश्विक बाजार में अल्पकालिक सतर्कता को बढ़ा सकती है। नायर ने कहा कि क्षेत्रीय रूप से, आईटी सूचकांक को एआई-संचालित व्यवधान को लेकर अनसुलझी चिंताओं के कारण दबाव का सामना करना पड़ा। फिर भी, निवेशकों ने घरेलू क्षेत्रों को प्राथमिकता दी, जिसमें बैंकों, बिजली, एफएमसीजी और उपभोक्ता विवेकाधीन शेयरों ने मजबूत मांग और आर्थिक सुधार की उम्मीदों पर गति पकड़ी।

लिस्टिंग और सेटलमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव करेगा सेबी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सेबी के चेयरमैन तुहिनकांत पांडे ने कहा कि नियामक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज , लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नियमों और सेटलमेंट से जुड़े प्रावधानों की व्यापक समीक्षा करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में एक कंसल्टेशन पेपर जून तक जारी किया जा सकता है।

निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है

पोर्टफोलियो मैनेजर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पीएमएस फ्रेमवर्क में निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेगमेंट में पारदर्शिता पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन बाजार में तेजी से हो रहे बदलाव और नए निवेश उत्पादों के उभरने के कारण मौजूदा नियमों की समीक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेबी केवल पीएमएस ही नहीं, बल्कि एलओडीआर और सेटलमेंट से जुड़े नियामकीय ढांचे की भी समीक्षा करेगा, ताकि बदलते बाजार परिदृश्य के अनुरूप नियमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

एआई का उपयोग कैसे करेगा सेबी?

एआई के उपयोग पर पांडे ने कहा कि सेबी बाजार में गड़बड़ियों और अनियमितताओं का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहा है, जिससे समय रहते नियामकीय हस्तक्षेप और समाधान संभव हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक मिलकर बाजार की गहराई बढ़ाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स और उससे जुड़े उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को निवेश के अधिक विकल्प मिलेंगे और बॉन्ड बाजार को भी मजबूती मिलेगी।

फंडिंग व्यवस्था पर पांडे ने क्या कहा?

ट्रेडिंग से जुड़ी फंडिंग व्यवस्था पर भी पांडे ने बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई के लेंडिंग नियमों की समीक्षा की जाएगी और इस पर सेबी अपनी राय केंद्रीय बैंक के साथ साझा करेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि मार्जिन ट्रेडिंग या उधार लेकर ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को और सख्त किया जा सकता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	कुंभ	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कुंभ....	05-02 बजे
मीन....	06-02 बजे
मेष.....	07-41 बजे
वृष....	09-17 बजे
मिथुन..	11-01 बजे
कर्क...	13-01 बजे
सिंह---	15-14 बजे
कन्या--	17-26 बजे
तुला----	19-33 बजे
वृश्चिक..	21-38 बजे
धनु.....	23-48 बजे
मकर...	02-01 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-43
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -16
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष मंगलवार 24 February 2026
तिथि - सप्तमी 07-02 तक उपरान्त (अष्टमी क्षय तिथि)
नक्षत्र - कृत्तिका 15-07 तक उप रोहिणी
योग - ऐन्द्र 07-23 तक उप. वैधृति /विष्कुंभ
करण - वणिज 07-02 तक. विष्टी
होलाष्टक प्रारंभ
श्री दादूदयाल ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-25 से 16-52 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-43 - 08-07	अशुभ
उत्पात	08-07 - 09-34	अशुभ
चंचल	09-34 - 11-02	शुभ
लाभ	11-02 - 12-29	शुभ
अमृत	12-29 - 13-57	शुभ
काल	13-57 - 15-25	अशुभ
शुभ	15-25 - 16-52	शुभ
रोग	16-52 - 18-16	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-16 - 19-52	अशुभ
लाभ	19-52 - 21-25	शुभ
उत्पात	21-25 - 22-57	अशुभ
शुभ	22-57 - 00-29	शुभ
अमृत	00-29 - 02-01	शुभ
चंचल	02-01 - 03-34	शुभ
रोग	03-34 - 05-06	अशुभ
काल	05-06 - 06-43	अशुभ

कृषि क्षेत्र में एआई का प्रयोग बढ़ाने पर जोर अनुसंधान व निवेश रणनीतियों पर बोले मंत्री

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तेजी विस्तार करने पर ध्यान दिया जा रहा है, इसी श्रृंखला में मुंबई में एआई4एग्री 2026 का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल कर इसको भविष्य के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा आगामी कृषि क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा संचालित होगी। उन्होंने एआई को कृषि नीति, अनुसंधान और निवेश रणनीतियों की आधारशिला बताया। कृषि उत्पादकता को प्रभावित करने वाले दीर्घकालिक चुनौतियों, जैसे कि अनियमित मौसम, सूचना विषमता और बटे हुए बाजारों के लिए व्यापक समाधान प्रदान कर सकेगा। उन्होंने कहा एआई कोई समस्या नहीं बल्कि ऐसा समाधान देता है, जहां आसानी से कामों को किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा है वैश्विक दक्षिण के 6 करोड़ किसानों के लिए उत्पादककता में 10 प्रतिशत की वृद्धि इस सदी में गरीबी उन्मूलन का सबसे बड़ा अवसर साबित हो सकता है।सिंह ने कहा एआई पहलों को 10,372 करोड़ रुपये के इंडिया एआई मिशन से जोड़ा जाएगा, जिसका उद्देश्य बड़े स्तर पर स्वतंत्र कंप्यूटिंग संसाधन, डेटासेट और स्टार्टअप बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। उन्होंने भारतजेन का उदाहरण देते हुए कहा, जो सरकार के स्वामित्व वाला एक विशाल भाषा मॉडल इकोसिस्टम है, जिसने एग्री परम नामक एक कृषि विशेष मॉडल के रूप में बनाया गया है, जो 22 भारतीय भाषाओं में काम करता है और किसानों को उनकी मातृभाषा में परामर्श सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है। महाराष्ट्र ने अपनी एआई-आधारित कृषि नीति (2025-2029) को लागू करने के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें जिलों में एआई और कृषि प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र स्थापति करने की योजना है। कई एआई एप्लिकेशन को इस अवसर पर पेश किया गया, जिसमें महा एग्री-एक्स (कृषि डेटा एक्सचेंज) एक एआई आधारित वॉयस टेलिफोन ऐप है। इससे कृषि से जुड़ी जानकारी और फसलों के कींट पंतगों के रोग को पहचानने में सक्षम है। यह बहुभाषी होने के साथ महाराष्ट्र की भीली आदिवासी भाषा भी उपल्ब्ध है। इसका फायदा दूर दराज क्षेत्रों के किसानों को भी होगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा राज्य का लक्ष्य विश्व विद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग हितधारकों को एकीकृत करके महा एआई इनोवेशन सेंटर के माध्यम से किसानों के लिए एक डिजिटल रूप से सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

11 लाख वर्ग फीट स्पेस, 12 मंजिला कैंपस!

ऐमजॉन ने बेंगलुरु में खोला एशिया में अपना दूसरा बड़ा ऑफिस

नई दिल्ली,23 फरवरी (एजेंसियां)। रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी ऐमजॉन ने बेंगलुरु में एशिया का अपना दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला है। 11 लाख स्क्वायर फीट में फैले इस 12 मंजिला कैंपस में 7,000 से अधिक कर्मचारी काम करेंगे। ये कर्मचारी कंपनी के ई-कॉमर्स, ऑपरेशंस, पेमेंट्स टेक्नोलॉजी और सेलर सर्विसेज से जुड़े ऑपरेशंस को देखेंगे। 5 एकड़ जमीन पर बना यह ऑफिस कैंपेगौड़ा एयरपोर्ट से करीब 15 किमी दूर है। यह कैंपस ऐमजॉन का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ सिंगल बिल्डिंग कॉरपोरेट ऑफिस है। ऐमजॉन के इस ऑफिस का उद्घाटन कर्नाटक सरकार के लार्ज एंड मीडियम इंडस्ट्रीज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट मिनिस्टर डॉ. एमबा पाटिल ने किया। अमेरिका की इस दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ने भारत में 40 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। ऐमजॉन ने पिछले साल रेवेन्यू के मामले में पहली बार वॉलमार्ट को पछाड़कर सबसे बड़ी कंपनी बनने की उपलब्धि हासिल की। हालांकि मार्केट कैप के हिसाब से एनवीडिया अब भी दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। इस बीच दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों ने भारत में एआई से प्रोजेक्ट्स में सैकड़ों अरब डॉलर निवेश करने का वादा किया है। हाल ही में नई दिल्ली में हुए एआई समिट में कई कंपनियों ने इस तरह की घोषणा की। इसमें ऐमजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी वैश्विक हाइपरस्केलर कंपनियां इस वर्ष एआई से जुड़े पूंजीगत खर्च पर कुल मिलाकर करीब 700 अरब डॉलर तक खर्च कर सकती हैं।

खदान के अपशिष्ट रिसाइक्लिंग के लिए पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नहीं, खनन कंपनियों को बड़ी राहत!

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। खनन क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने मौजूदा खनन पट्टों के भीतर टेलिंग्स के पुनर्चक्रण को नई पर्यावरण मंजूरी (ईसी) की अनिवार्यता से छूट दे दी है। सूत्रों के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य टिकाऊ खनन प्रथाओं को बढ़ावा देना और नियामकीय बाधाओं को कम करना है।

नई व्यवस्था से क्या होगा?

नई व्यवस्था के तहत खनन कंपनियां अब अयस्क निष्कर्षण के बाद बचने वाले अपशिष्ट पदार्थ, यानी टेलिंग्स, को उसी स्वीकृत खनन क्षेत्र में दोबारा प्रोसेस कर उपयोगी खनिज, पानी या अन्य संसाधन निकाल सकेंगी, बिना अलग से पर्यावरण मंजूरी का इंतजार किए। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होने के साथ पर्यावरणीय प्रभाव भी कम होने की उम्मीद है।

उद्योग विशेषज्ञों की राय

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पहले स्वीकृत खदान क्षेत्रों के भीतर भी टेलिंग्स रीसाइक्लिंग जैसी गतिविधियों के लिए अलग से पर्यावरण मंजूरी लेनी पड़ती थी, जिससे परियोजनाओं में देरी होती थी और लागत बढ़ती थी। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी किशोर कुमार एस ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उद्योग को अधिक स्वतंत्रता के साथ काम करने में मदद मिलेगी और परिचालन दक्षता बढ़ेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब देश ऊर्जा संक्रमण की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खनन गतिविधियों को तेज कर रहा है और संसाधनों के सतत उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।

फिर रीबाउंड के रास्ते देश का एफएमसीजी सेक्टर

क्यू3 में 7 .5 परसेंट के ग्रोथ ने चौंकाया

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। देश का एफएमसीजी (इंडियन फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स) अभी रिकवरी मोड पर है। सेंट्रम ब्रोकिंग के कंज्यूमर स्टेपल्स कवरेज यूनिवर्स ने बताया कि कारोबारी साल 2025-26 की दूसरी तिमाही में इसमें पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 2 परसेंट और तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 7.5 परसेंट की ग्रोथ देखी जा रही है। यह ग्रोथ काफी हद तक बिक्री के हिसाब से वॉल्यूम में हुई तेज बढ़ोतरी से हुई, जिसमें आईटीसी को शामिल नहीं किया गया। इससे पता चलता है कि ग्रोथ और मार्जिन की चुनौतियों का सामना करते हुए लंबे समय बाद एफएमसीजी सेक्टर में रौनक धीरे-धीरे लौट रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, महंगाई में आई कमी, अच्छी मानसून के साथ बेहतर फसल की उम्मीद और जीएसटी में हुए बदलाव और इनकम टैक्स कटौती जैसे सरकारी पहलों से डिमांड बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे धीरे-धीरे देश का एफएमसीजी सेक्टर संवर रहा है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीएसटी के लेकर कुछ दिक्कतें आईं जैसे कि जीएसटी 2.0 के लागू होने से सप्लाई चेन में थोड़ी रूकावट आई क्योंकि कई डिस्ट्रीब्यूटर्स और रिटेलर्स को सामानों के नए रेट्स का इंतजार था। ऐसे में स्टॉक कम कर दिए गए। इससे कंपनियों की बिक्री पर 1-4.5 परसेंट का असर दिखा। हालांकि, इस दौरान कंपनियों में एग्जिट ग्रोथ अच्छी रही, जिससे क्यू4 का आउटलुक और भी अच्छा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस सेक्टर को मोमेंटम में बदलाव से फायदा हो रहा है। क्यू3 में रीस्टॉकिंग का कुछ फायदा हुआ और साथ ही ग्रामेज बढ़ने की वजह से वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी हुई है। सेंट्रम का मानना है कि कवरेज कंपनियों को टॉप लाइन और वॉल्यूम के मामले में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि ग्रामीण मार्केट अब शहरी मार्केट से आगे बढ़ रहे हैं। यह क्विक कॉमर्स ग्रोथ में सबसे आगे बना हुआ है।

सोना 3 हजार महंगा, 1.58 लाख पर पहुंचा:चांदी 14 हजार महंगी होकर 2.64 लाख किलो हुई, इस साल 33 हजार बढ़ चुकी

1.80 लाख तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,154 रुपए बढ़कर 1,58,220 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,55,066 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 13,761 रुपए बढ़कर 2,64,075 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,50,314 रुपए किलो थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी कीमतें और बढ़ सकती हैं। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी यूबीएस के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है।

यूबीएस को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बहुत मजबूत है, जो आपको काम या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। आपको अचानक जल्दी से काम करने की इच्छा हो सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। आपकी कल्पना और सहज ज्ञान आपका अच्छा मार्गदर्शन करते हैं। सही क्षणों को पहचानने और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए खुद पर भरोसा रखें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप अपने काम से गहराई से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं, और आपके कार्यों का मार्गदर्शन एक मज़बूत भावनात्मक भावना से होगा। आत्मविश्वास आपकी सफलता में सहायक होगा, लेकिन ध्यान रखें कि आप खुद को ज़रूरत से ज़्यादा न बढ़ाएँ। स्पष्ट और विचारशील संवाद महत्वपूर्ण है। परियोजनाओं में अनावश्यक प्रयास से बचें और पेशेवर या व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना ईमानदारी से करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने अहंकार को नियंत्रित करने से आपके करियर और पढ़ाई को लाभ होगा। तार्किक दृष्टिकोण अपनाएँ जिससे आपको उन्नति की एक श्रृंखला मिल सके। आध्यात्मिक जागरूकता को अपनाएँ, जो आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में आपकी मदद करती है। क्रूर प्रवृत्ति से सावधान रहें और सद्भाव बनाए रखने के लिए अहंकारी उद्देश्यों से बचें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका करियर पथ उज्ज्वल रूप से चमकता है, पोषण ऊर्जा और एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आपको खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने में मदद मिलेगी। मान्यता और अपने पेशेवर आकांक्षाओं में वृद्धि की उम्मीद करें। हालाँकि, मानसिक क्षेत्र में लाभहीन अटकलों और संभावित नुकसान से सावधान रहें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका तर्क और अनुशासन निरंतर प्रगति में सहायक होते हैं, जिससे आपको अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होता है। आपकी रचनात्मकता आपके काम में निखार लाती है और आपके विचारों को विशिष्ट बनाती है। आप दूसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति महसूस कर सकते हैं, इसलिए टीम वर्क में सहानुभूति रखें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पंचायत चुनाव से पहले सीएम भजनलाल ने की यह बड़ी घोषणा

घुमन्तू परिवारों के बच्चों की शिक्षा होगी सुनिश्चित

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के लिए अच्छी खबर। पंचायत चुनाव से पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने की यह बड़ी घोषणा। सीएम भजनलाल ने एलान किया है कि राजस्थान के प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा।

सीएम भजनलाल ने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। धरती की मिट्टी से जुड़ा यह समुदाय त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस समुदाय के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए समर्पित है।

सीएम भजनलाल अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मन्दिर के सभागार में आयोजित विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु समुदाय अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रबुद्धजन महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तू समुदायों के सशक्तीकरण के लिए ठोस क़दम उठाए हैं। हमारी सरकार ने घुमन्तु परिवारों को आश्रय उपलब्ध कराने के लिए आवासीय पट्टे वितरित किए एवं इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रावास की व्यवस्था की।

सीएम भजनलाल ने कहा कि हमने बजट वर्ष 2026-27 में घुमन्तु समुदाय के बच्चों की शिक्षा के लिए राज पहल कार्यक्रम की अभिनव पहल की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में प्रत्येक जिले में एक स्कूल ऑन व्हील्स स्थापित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही प्रवास-प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी शिक्षा शिविर तथा शैक्षिक संभागों में 6 माह के स्कूल रेडिनेस कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। इससे पलायन और प्रवास के कारण नियमित विद्यालय से वंचित रहने वाले बच्चों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित होगी।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि घुमन्तु समुदाय का राष्ट्र की संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन समुदायों ने विदेशी आक्रांताओं से लोहा लिया और हमारी संस्कृति को बनाए रखा। आजादी से पहले इस समाज ने गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करने के साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख रूप से सहभागिता निभाई।

सीएम भजनलाल ने कहा कि इस समुदाय के पास कई कौशल और पारंपरिक ज्ञान है तथा यह समाज अपनी संस्कृति और परंपराओं से हमेशा जुड़ा रहा है। इस समुदाय की लोहा-शिल्प कला पूरे विश्व में प्रख्यात है। बंजारा समुदाय का व्यापारिक कौशल और उनकी यात्रा-परंपरा भारतीय व्यापार-मार्गों की रीढ़ रही है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि यह महासम्मेलन समाज के उत्थान, अपनी पहचान को सम्मान दिलाने तथा विकास की मुख्यधारा में अटल स्थान बनाने की संकल्प सभा है। उन्होंने समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे देश-प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने घुमन्तु समुदाय के कल्याण एवं उत्थान से संबंधित सुझावों पर आश्वासन दिया।

'झूठ बोलो और भाग जाओ' कांग्रेस का चरित्र

सदन से भागना लोकतंत्र का अपमान; अरूण चतुर्वेदी का हमला

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेताओं के आचरण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस का "झूठ बोलो और भाग जाओ" वाला चरित्र सामने आया है। उनके अनुसार हालिया राजस्थान विधानसभा घटनाक्रम में कांग्रेस ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया, झूठ फैलाया, हंगामा किया और सदन का कीमती समय नष्ट कर प्रदेश की जनता के धन का दुरुपयोग किया।

सदन से बहस से बचने का आरोप

अरूण चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता तथ्यों पर बहस से बचते हुए सदन से बाहर चले गए। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली अपने ही दल की आंतरिक साजिशों में घिरते नजर आए। सदन में हंगामे के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य कांग्रेस नेताओं द्वारा टीकाराम जूली को बोलने से रोकने का प्रयास कांग्रेस की अंदरूनी कलह को दर्शाता है।

रिपोर्ट कार्ड पर बहस और दस्तावेज का उल्लेख

भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के दो वर्षों का रिपोर्ट कार्ड सदन में रखते हुए तुलनात्मक बहस की चुनौती दी थी।

इसके बावजूद कांग्रेस ने हंगामा कर कार्यवाही बाधित की। उन्होंने बताया कि 'सरकार @ 2 वर्ष—प्रगति एवं उत्कर्ष 2024–25–26' दस्तावेज 16 फरवरी को कार्य सलाहकार समिति की बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया था और 16 से 21 फरवरी तक सभी विधायकों को उपलब्ध कराया गया। उनके अनुसार कांग्रेस ने इस अवधि में कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई, लेकिन 21 फरवरी को चर्चा शुरू होते ही हंगामा कर कार्यवाही रोक दी।

अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र—2023 के 392 बिंदुओं में से लगभग 285, यानी करीब 73 प्रतिशत वादे पूरे हो चुके हैं या प्रगति पर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बजट घोषणाओं में से करीब 80 प्रतिशत घोषणाएं पूर्ण या प्रक्रियाधीन हैं। इसके विपरीत, पिछली कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 4148 घोषणाएं कीं, जिनमें से 2208, यानी लगभग 53 प्रतिशत पूरी नहीं हो सकीं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अंतिम वर्ष 2023–24 में की गई 1426 घोषणाओं में से करीब 80 प्रतिशत पर कार्य नहीं हुआ।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक भी उपस्थित रहे।

13 साल की मौसम की मौत पर अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल को घेरा, 'पर्ची' सरकार कहकर की बड़ी बात

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा सत्र चल रहा है। ऐसे में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इसी बीच राजस्थान के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर प्रदेश की बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधतेहुए कहा कि प्रदेश में पर्ची सरकार के आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। अशोक गहलोत ने बीकानेर की घटना का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में पूर्व सीएम ने लिखा कि बीकानेर के रणजीतपुरा में परीक्षा देने जा रही नाबालिग छात्रा के अपहरण, दुष्कर्म और फिर निर्मम हत्या की रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि राजस्थान के माथे पर गहरा कलंक है। प्रदेश में 'पर्ची सरकार' के आने के बाद कानून व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है।

अशोक गहलोत ने जानें क्या लिखा

अशोक गहलोत ने कहा कि आज हालात यह हैं कि हमारी बेटियां घर से बाहर कदम रखने से भी डरने लगी हैं। आखिर राजस्थान को अपराध की किस आग में झोंक दिया गया है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कोरी घोषणाओं और फोटोबाजी से बाहर निकलकर प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभालना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि मेरी मांग है कि इस प्रकरण के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए और अपराधियों को ऐसी कठोरतम सजा मिले जो एक नजीर बने। प्रदेश अब और चीखें नहीं सुन सकता।

डोटासरा ने भी किया अटैक

कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि बीकानेर के रणजीतपुरा में सैन समाज की नाबालिग छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या की खबर अत्यंत हृदयविदारक और पूरे प्रदेश को शर्मसार करने वाली है। परीक्षा देने गई 8वीं कक्षा की छात्रा को अगवा कर बर्बरता की गई। घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में रोष व्याप्त है। भाजपा की भजनलाल सरकार महिला सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह विफल रही है। हालात इतने खराब हैं कि बच्चियां स्कूल जाने से डरने लगी हैं। सरकार जो गहरी नींद में सोई है, अब जागने का वक्त है। अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

साइबर क्राइम के केस तेजी से निपटेंगे

सीएम भजनलाल का जिक्र कर कानून मंत्री मेघवाल ने क्या बताया

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित एक स्वैच्छिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उनका पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

अर्जुन राम मेघवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'साइबर सुरक्षा से लेकर पूरे देश में अलग-अलग चिंताओं का वातावरण जब बनता है तो इस तरह की कॉन्फ्रेंस बहुत मददगार साबित होती है। राज्य स्तरीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस को आयोजित किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी इसमें शामिल हुए। यह बहुत सफल कार्यक्रम रहा है।' उन्होंने कहा कि आज लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, राजस्थान की तरफ से यह एक स्टेट-लेवल पहल है। इस तीन दिन की कॉन्फ्रेंस में साइबर क्राइम कितने तरह के होते हैं, हम कैसे जागरूकता फैला सकते हैं और इसे कैसे रोक सकते हैं, इन सभी पहलुओं पर बात की गई है।'

अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सही जानकारी न होने की वजह से आज लोग साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। दिल्ली में भी समय-समय पर इस तरह का कार्यक्रम होता रहता है, जिससे लोगों को साइबर क्राइम के बारे में जानकारी मिलती रहती है। लोगों को जागरूक करना ही सरकार का पहला मकसद है, जिससे लोगों को साइबर फ्रॉड से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित एक स्वैच्छिक सत्र में सभी प्रश्नों पर बात की गई है जिससे लोगों को कम समय में अधिक से अधिक जानकारी दी जा सके। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आगे कहा कि राजस्थान ऐसा पहला राज्य होगा जहां साइबर थाने के साथ साइबर कोर्ट भी बनने जा रही है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री भजन लाल ने की है। इससे लोगों को काफी फायदा मिलने वाला है।

मुस्लिम महिलाओं से कंबल वापस लेने पर गरमाई सियासत, कांग्रेस ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टोंक के पूर्व बीजेपी सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने कंबल वितरण कार्यक्रम में मुस्लिम महिलाओं से कंबल वापस ले लिए। वीडियो वायरल होने के बाद राजस्थान में इस मुद्दे पर सियासत गरमा हुई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी, आरएसएस सहित बीजेपी नेताओं तीखा हमला बोला। साथ ही कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सुखबीर सिंह जौनपुरिया द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना और अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक है।

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीति एवं आरएसएस की विचारधारा नफ़रत, ध्रुवीकरण और बांटने की हो, तो ज़मीनी स्तर पर बीजेपी नेताओं का ऐसा घटिया बर्ताव सामने आना आश्चर्य की बात नहीं है। गरीब की कोई जात-बिरादरी नहीं होती, लेकिन नफ़रत की राजनीति को हमेशा एक दुश्मन चाहिए होता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा बार-बार राजस्थान का सौहार्द बिगाड़ने और आपस में बांटने का षड्यंत्र करती रही है। लेकिन राजस्थान का आपसी प्रेम व परंपरा इस विभाजनकारी सोच को कभी स्वीकार नहीं करेगा। टोंक के पूर्व सांसद पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया द्वारा गरीब मुस्लिम महिला से कंबल वापस लेना एवं अपमानजनक व्यवहार करना शर्मनाक और घोर निंदनीय है।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक्स पर लिखा कि भाजपा के पूर्व सांसद ने कम्बल वितरण करके एक गरीब महिला से धर्म पूछा और फिर कंबल वापस ले लिया। ग्रामीणों ने सांसद साहब की इस कार्यशैली का विरोध किया तो उन्होंने धमकी तक दे डाली। ग्रामीणों ने इस भेदभाव पर कड़ा ऐतराज जताया। एक जनप्रतिनिधि जो सांसद जैसे पद पर विराजमान रहा हो वो इस तरह की हरकत करें, ये बिल्कुल निंदनीय है।

डीपीआर तक तैयार नहीं, फिर शेखावाटी तक कब आएगा पानी?

डोटासरा का राजस्थान सरकार पर तीखा हमला

सीकर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा से शेखावाटी में यमुना का पानी लाने वाली योजना को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यमुना जल नहर परियोजना की अब तक डीपीआर तक तैयार नहीं हुई है। ऐसे में यमुना का पानी शेखावाटी तक कब आएगा?

लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के डूडवा गांव में 50 लाख रुपए की लागत से बने पीएचसी भवन तथा करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से तैयार अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता कार्यालय का लोकार्पण किया।

इस मौके पर डोटासरा ने यमुना जल नहर के मुद्दे पर भजनलाल सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार की योजना केवल घोषणा तक ही सीमित रहेगी।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भजनलाल सरकार को तीन साल पूरे होने के बावजूद शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल नहर योजना की अब तक डीपीआर तैयार नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब परियोजना की आधारभूत प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई तो क्षेत्र में पानी कैसे पहुंचेगा।

भाजपा सरकार पर पर लगाया ये आरोप

विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार पर विकास के नाम पर केवल घोषणाएं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में धरातल पर अपेक्षित कार्य नहीं हुए हैं। उन्होंने अपने विधायक कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी गई थी।

खेल मैदान व सड़क निर्माण की घोषणा

समारोह में ग्रामीणों की मांग पर डोटासरा ने गांव में खेल मैदान के विकास के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही डूडवा-रहनावा मार्ग पर सडक़ निर्माण कराने का आश्वासन भी दिया।

हनीट्रैप मामले में पुलिस पर प्रताड़ना के आरोप

अलवर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर शहर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में तिजारा ओवरब्रिज पर एक महिला ने कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़ लिया और समझाइश के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि उसे हनीट्रैप के झूठे मामले में फंसाया गया और तत्कालीन बानसूर थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने उसे काफी प्रताड़ित किया। शिवाजी पार्क थानाधिकारी चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि गश्त के दौरान उन्हें सूचना मिली कि थाना क्षेत्र स्थित तिजारा पुलिया पर एक महिला संदिग्ध अवस्था में बैठी है। इस सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। वहां लोगों की भीड़ जमा थी, जो महिला को समझाने का प्रयास कर रही थी। एसएचओ ने बताया कि मौके पर ही महिला को समझाइश दी गई और उसे थाने ले जाया गया। महिला अलवर के शालीमार में रहती है और सरकारी स्कूल में पीटीआई के पद पर कार्यरत है, जो वर्तमान में सस्पेंड चल रही है।

'हिंदू पैदा करें 4 बच्चे', धीरेंद्र शास्त्री ने अजमेर से दी चेतावनी, बोले- शादी के बाद मैं भी बढ़ाऊंगा आबादी

अजमेर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर में बाबा बागेश्वर ने हिंदुओं की घटती संख्या पर चिंता जताते हुए हर परिवार को 'चार बच्चे' पैदा करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या संतुलन और धर्म रक्षा के लिए यह जरूरी है। साथ ही, धर्मांतरण रोकने हेतु अमीरों को गरीबों की मदद करने और युवाओं को इंस्टाग्राम रील्स छोड़कर आईएएस-आईपीएस बनने का आह्वान किया।

अजमेरः अपने बेबाक अंदाज और 'हिंदू राष्ट्र' की संकल्पना के लिए चर्चित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर राजस्थान की वीर धरा से हुंकार भरी है। अजमेर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदुओं की घटती जनसंख्या, धर्मांतरण और युवाओं के भटकाव पर सीधे और तीखे शब्दों में अपनी राय रखी।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत में हिंदुओं का कम होना एक वैश्विक चिंता का विषय है।

अजमेर दौरे पर बाबा बागेश्वर ने जनसंख्या संतुलन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदुओं की घटती संख्या और बढ़ता मजहबी प्रभाव देश को बर्बादी की ओर ले जा रहा है। अगर सनातन को सुरक्षित रखना है, तो हर हिंदू को कम से कम 4 बच्चे पैदा करने चाहिए। शास्त्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा कि अभी उनकी शादी नहीं हुई है, लेकिन विवाह होने के बाद वे खुद भी हिंदुओं की आबादी बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।

धर्मांतरण के मुद्दे पर बोलते हुए शास्त्री ने कहा कि हिंदुओं को अपने धर्म पर गर्व करना होगा। उन्होंने 'घर वापसी' पर जोर देते हुए फिल्म अमर अकबर एंथनी का उदाहरण दिया और कहा कि जैसे फिल्म के अंत में तीनों का बाप 'कन्हैयालाल' निकलता है, वैसे ही अगर लोगों को समझ आ जाए कि उनके पूर्वज हिंदू थे, तो घर वापसी स्वतः ही हो जाएगी।

सिविल ड्रेस में जा रही महिला आरपीएस अधिकारी से छेड़छाड़, बस का पीछा कर आरोपी को पकड़ा

जोधपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में महिला सुरक्षा दावों की पोल उस वक्त खुल गई जब खुद एक महिला पुलिस अधिकारी मनचलों की बदतमीजी का शिकार हो गई। जोधपुर में सिविल ड्रेस में अपनी कार से जा रही एक महिला आरपीएस अधिकारी के साथ सिटी बस में सवार एक व्यक्ति ने अश्लील इशारे और छेड़छाड़ की। हालांकि महिला अधिकारी ने न केवल साहस दिखाया बल्कि बस का पीछा कर आरोपी को रंगे हाथों पकड़वाया।

महिला पुलिस अधिकारी अपनी निजी कार में सिविल ड्रेस में जा रही थीं। उनकी कार को ड्राइवर चला रहा था और वह अपने बच्चे को फीडिंग करवा रही थीं। इसी दौरान उनकी कार एक ट्रैफिक लाइट पर रुकी।

तभी बगल में आकर एक सिटी बस रुकी। बस में बैठे एक व्यक्ति ने महिला अधिकारी की ओर देखते हुए अश्लील इशारे करने शुरू कर दिए। शुरुआत में अधिकारी को लगा कि शायद उन्हें कोई गलतफहमी हुई है, लेकिन जब आरोपी की हरकतें जारी रहीं, तो उन्हें माजरा समझते देर न लगी।

ग्रीन सिग्नल होते ही सिटी बस आगे बढ़ गई। महिला अधिकारी ने तुरंत अपने ड्राइवर को बस का पीछा करने का निर्देश दिया। कुछ दूरी पर उन्होंने बस को रुकवाया और बस में चढ़कर आरोपी को पकड़ लिया।

समय से पहले गर्मी का टॉर्चर शुरू

होली पर रंगों के साथ बरसेगी 'आग'

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार होली के हुड़दंग के साथ-साथ पसीने छुड़ाने वाली गर्मी का सामना करने के लिए तैयार हो जाइए। पश्चिमी विक्षोभ की बेरुखी और बारिश की कमी ने प्रदेश के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। आलम यह है कि मार्च के पहले सप्ताह में ही सूरज अपना रौद्र रूप दिखा सकता है। मौसम विभाग की मानें तो इस बार राजस्थान में गर्मी समय से पहले दस्तक दे रही है और मार्च की शुरुआत में ही पारा 38 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का पारा तेजी से चढ़ा है। रेगिस्तानी इलाकों में धूप अब चुभने लगी है। 34.6 डिग्री सेल्सियस के साथ बाड़मेर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। चौंकाने वाली बात यह है कि श्रीगंगानगर जैसे ठंडे माने जाने वाले इलाकों में भी अधिकतम तापमान सामान्य से 6.1 डिग्री ऊपर पहुंच गया है। पिलानी में भी पारा सामान्य से करीब 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है, जो आने वाली भीषण गर्मी का स्पष्ट संकेत है। आमतौर पर फरवरी के अंत में गुलाबी ठंड का अहसास होता है, लेकिन इस बार हवाओं में नमी गायब है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने से इस सीजन में मावठ (शीतकालीन वर्षा) नहीं हुई। आसमान साफ होने की वजह से सीधी धूप धरातल को तपा रही है। जयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर संभाग में दिन का पारा 29 से 33 डिग्री के बीच झूल रहा है।

सिगरेट के लिए फेफड़ों में घोंपा चाकू

विक्रम सिंह मर्डर केस में 2 आरोपी गिरफ्तार

कोटा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के महावीर नगर थाना क्षेत्र स्थित सुभाष नगर बॉम्बे योजना में 18 फरवरी की शाम सिगरेट के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया था। विक्रम सिंह की चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले 3 नाबालिग बाल अपचारियों को निरुद्ध कर बाल सम्प्रेषण गृह भेजा जा चुका है। डिप्टी मनीष शर्मा ने बताया कि 18 फरवरी दिन में बरड़ा बस्ती चौराहे पर सिगरेट लाने की बात को लेकर विक्रम सिंह और कुछ युवकों के बीच कहासुनी हुई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने उस समय विवाद शांत करा दिया था, लेकिन आरोपियों ने इसे लेकर रंजिश पाल ली।

शाम को गोलू खत्री अपने 7-8 साथियों के साथ सुभाष नगर बॉम्बे योजना स्थित दुकान पर पहुंचा। आरोप है कि विक्रम सिंह को आवाज देकर बाहर बुलाया गया और दुकान से खींचकर उस पर पाइप और चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया। चाकू के वार से उसके फेफड़े क्षतिग्रस्त हो गए और अत्यधिक रक्तस्राव से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों की पहचान की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सबसे बड़ा युद्धाभ्यास, दिन-रात गरजेंगे टैंक !

बीकानेर/जैसलमेर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की पश्चिमी सीमा पर भारतीय सेना की 'पश्चिमी कमान' अपनी मारक क्षमता का लोहा मनवा रही है। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उच्च तीव्रता वाले युद्ध अभ्यास 'खड़ग शक्ति 2026' में सेना की प्रसिद्ध 'खड़ग कोर' अपनी पूर्ण युद्धक क्षमता के साथ भाग ले रही है। आज सोमवार 23 फरवरी को जब महाजन रेंज में तोपें गरजेंगी और टैंक आग उगलेंगे, तो यह साफ़ हो जाएगा कि भारतीय सेना अब पारंपरिक युद्ध के बजाय 'टेक्नोलॉजी ड्रिवन' ऑपरेशंस पर फोकस कर रही है। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह युद्धाभ्यास 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पश्चिमी कमान का पहला पूर्ण-स्तरीय कॉम्बैट ड्रिल है। यह केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि भारतीय सेना के बदलते हुए 'वॉरफेयर डॉक्ट्रिन' (युद्ध सिद्धांत) का प्रदर्शन है। अब सेना भारी सैनिकों की तैनाती के बजाय कम समय में, सटीक मारक क्षमता और आधुनिक उपकरणों के जरिए दुश्मन को खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस बार महाजन रेंज में केवल तोपें और टैंक ही नहीं, बल्कि भविष्य के हथियारों का भी परीक्षण हो रहा है। स्वार्म ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशनः अभ्यास में स्वार्म ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जो झुंड में दुश्मन पर हमला करने में सक्षम हैं। युद्ध के मैदान में रसद और गोला-बारूद पहुँचाने के लिए लॉजिस्टिक ड्रोन्स का उपयोग किया जा रहा है।

जीवन रक्षक हेलमेट बैंक पहल डीसीपी ने शुरू की

हैदराबाद , 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी के पुलिस कमिश्नर के मार्गदर्शन में, डीसीपी ट्रैफिक के. राहुल रेड्डी ने फील्ड लेवल हेलमेट बैंक पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य दोपहिया चालकों में हेलमेट के उपयोग को बढ़ाना है। इस पहल के तहत, जिन राइडर्स को हेलमेट के बिना यात्रा करते पाया जाता है, उन्हें स्थानीय रूप से मुफ्त हेलमेट उधार लेने का विकल्प दिया जाता है। इसके लिए उन्हें अपनी बुनियादी जानकारी जमा करनी होती है। राइडर्स को नया हेलमेट खरीदने के बाद 24 घंटों के भीतर हेलमेट लौटाना आवश्यक है। इस पहल का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई पर ध्यान देने के बजाय, तुरंत नियमों का पालन सुनिश्चित करना, चालक के जीवन की सुरक्षा करना और जिम्मेदार राइडिंग व्यवहार को बढ़ावा देना है। यह पहल मल्काजगिरी ज़ोन के प्रमुख ट्रैफिक जंक्शनों पर लागू की गई है, जिसमें गोपालापुरम ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के अंतर्गत संगीत चौरसता भी शामिल है। इसका लक्ष्य सिर की चोटों को रोकना, जीवन बचाना, सकारात्मक पुलिसिंग के माध्यम से जनता का भरोसा बढ़ाना और स्थायी व्यवहार परिवर्तन लाना है। यह पहल तेलंगाना पुलिस की चल रही 'अराइव्ह अलाइव' सड़क सुरक्षा अभियान को भी मजबूत करती है, जो हर दूरी की यात्रा में हेलमेट पहनने की आवश्यकता पर जोर देती है। मल्काजगिरी ट्रैफिक पुलिस सभी दोपहिया चालकों से अनुरोध करती है कि वे नियमित रूप से हेलमेट पहनें और सुरक्षित सड़क मिशन का समर्थन करें।

फसल खराब होने से परेशान किसान ने की आत्महत्या

मंचरियाल, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम के कारण फसल को भारी नुकसान होने से परेशान एक 47 वर्षीय किसान ने चेन्नूर कस्बे में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान ऐलाबोयिना मल्लेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मल्लेश ने शनिवार रात को कोत्तागुडेम इलाके स्थित अपने घर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए करीमनगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां रविवार शाम उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि मल्लेश ने पांच एकड़ जमीन पर आम का बाग लगाया था और इसके लिए स्थानीय साहूकारों से कर्ज लिया था। इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन हाल में तापमान बढ़ने से आम के फूल गिर गए, जिससे फसल को भारी नुकसान हुआ। इसी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट प्रदूषण पर सख्त

कोयला वाले उद्योग दिल्ली-एनसीआर से दूर होंगे, 300 किमी के दायरे में पावर प्लांट नहीं

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों को कई अहम निर्देश दिए हैं और अलग-अलग मुद्दों पर जवाब तलब किया है। अदालत ने खास तौर पर कोयला आधारित उद्योगों, निर्माण-ध्वंस से उड़ने वाली धूल और वाहनों के प्रदूषण को लेकर उठाए गए कदमों का ब्योरा मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब :

कोर्ट ने केंद्र के मंत्रालयों से पूछा है कि दिल्ली-एनसीआर से कोयला आधारित उद्योगों को बाहर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर क्या प्रगति हुई है और इस संबंध में सरकार की क्या योजना है। साथ ही निर्माण और डेमोलिशन गतिविधियों से उठने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए सुझाए गए उपायों पर भी विस्तृत जवाब देने को कहा गया है।

अदालत ने केंद्र से उस सुझाव पर भी प्रतिक्रिया मांगी है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली से 300 किलोमीटर के दायरे में कोई नया कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट स्थापित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सरकारों को निर्देश दिया है कि वे एनसीआर में चल रहे कोयला आधारित उद्योगों को सार्वजनिक नोटिस जारी करें और प्रदूषण नियंत्रण मानकों के पालन को सुनिश्चित करें।

गाड़ियों से फैलने वाले प्रदूषण पर 12 मार्च को सुनवाई :

वाहन प्रदूषण के मुद्दे पर भी कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। इस विषय से जुड़े मामलों की अगली सुनवाई 12 मार्च को तय की गई है, जिसमें संबंधित एजेंसियों से रिपोर्ट मांगी गई है।

ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है सरकार : संजय

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक के संजय ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर ध्यान भटकाने की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं और जनता की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए नए-नए मुद्दे खड़े कर रही है। विधानसभा के बजट सत्र से पहले उन्होंने सरकार से जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रहने की मांग की। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में संजय ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान नगरपालिका विकास पर कोई चर्चा नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, केटी रामाराव और टी हरीश राव जैसे वरिष्ठ नेताओं को एसआईटी नोटिस भेजना एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विपक्ष पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं और बीआरएस व भाजपा के बीच गठजोड़ की बात कर रहे हैं। संजय ने दलबदल के मामलों में भी दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री की दावोस यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य को मिले निवेश का स्पष्ट विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। संजय ने मांग की कि बजट सत्र में विपक्ष को पर्याप्त समय दिया जाए और महिलाओं, किसानों व बेरोजगार युवाओं से किए गए वादों को बजट में शामिल किया जाए। साथ ही देवदुला और कालेश्वरम सिंचाई परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की भी मांग की।

18 हजार रुपये मासिक आय की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का धरना

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विभिन्न जिलों से आई मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) सोमवार को कोटी स्थित स्वास्थ्य आयुक्त कार्यालय के सामने विशाल धरने में शामिल हुईं। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव के दौरान किए गए 18,000 रुपये की निश्चित मासिक आय के वादे को तुरंत लागू करने की मांग की। धरने के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और मांगें पूरी न होने पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी दी। उनका कहना है कि सरकार बने दो साल से अधिक समय हो चुका है, लेकिन अब तक वादा पूरा नहीं किया गया।

तेलंगाना आशा वर्कर्स यूनियन की राज्य अध्यक्ष पी. जयलक्ष्मी ने कहा कि आगामी बजट सत्र में सभी आशा कार्यकर्ताओं के लिए 18,000 रुपये की निश्चित मासिक आय लागू करने का विधेयक पेश किया जाना चाहिए। आशा कार्यकर्ताओं ने भविष्य निधि (पीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) जैसी सुविधाएं लागू करने की भी मांग की। उन्होंने अत्यधिक कार्यभार, लंबित भुगतानों में देरी, नौकरी की सुरक्षा, सेवानिवृत्ति लाभ और रविवार व राष्ट्रीय अवकाश पर सवैतनिक छुट्टी जैसे मुद्दे भी उठाए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष दिसंबर में इसी कार्यालय के सामने हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई थी, जिसमें कई महिलाएं घायल हुई थीं।

यूरिया की कमी और ऐप प्रणाली के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन

नालगोंडा, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में यूरिया की अपर्याप्त आपूर्ति और ऑनलाइन पंजीकरण में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। किसानों ने सरकार से ऐप आधारित वितरण प्रणाली को तत्काल रद्द करने की मांग की है।

किसानों के समर्थन में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने सोमवार को यादद्री भोंगिर जिले के राजपेटा में प्रदर्शन किया। राजपेटा मंडल मुख्यालय पर किसान और बीआरएस नेता सड़क पर बैठकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। किसानों का आरोप है कि बुवाई का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध नहीं कराया गया है। वहीं, ऐप आधारित वितरण प्रणाली शुरू होने के बाद समस्याएं और बढ़ गई हैं।

कई किसानों ने बताया कि तकनीकी खामियों के कारण वे स्मार्टफोन के माध्यम से पंजीकरण नहीं कर पा रहे हैं और नाम, पासबुक व अन्य विवरण दर्ज करने में कठिनाई हो रही है। किसानों ने यह भी शिकायत की कि ऑनलाइन पंजीकरण और डीलरों के स्टॉल पर लंबी प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद उन्हें केवल दो बोरी यूरिया ही दी जा रही है। उन्होंने मांग की है कि ऐप आधारित प्रणाली को समाप्त कर गांवों में सीधे यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

आरजीआईए से 75 हजार करोड़ का आर्थिक प्रभाव, 4 लाख से अधिक रोजगार

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के एक अध्ययन में बताया गया है कि हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) का राज्य और देश की अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है। अध्ययन के अनुसार, केवल हवाई अड्डे के संचालन से 30,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष उत्पादन, 9,000 करोड़ रुपये का सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) और 40 हजार से अधिक नौकरियों को समर्थन मिल रहा है। अप्रत्यक्ष और प्रेरित प्रभावों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 1.5 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन, 68,000 करोड़ रुपये के जीवीए और 3.5 लाख नौकरियों तक पहुंच जाता है। एयरोसिटी को शामिल करने पर आरजीआईए इकोसिस्टम का कुल आर्थिक प्रभाव 75,000 करोड़ रुपये के जीवीए और लगभग 4.1 लाख नौकरियों तक पहुंच जाता है। यह भारत के कुल जीवीए का 0.25 प्रतिशत और तेलंगाना के जीवीए का 5 प्रतिशत से अधिक है। एनसीएईआर के वित्त वर्ष 2037-38 के अनुमान के अनुसार, आरजीआईए और जीएमआर एयरोसिटी मिलकर 2.13 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करेंगे और लगभग 9.8 लाख नौकरियों को समर्थन देंगे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अकेले हवाई अड्डे के संचालन से प्रत्यक्ष रूप से 19,500 करोड़ रुपये का जीवीए योगदान होने का अनुमान है, जो गुणक प्रभावों के साथ 1.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

पुल से नीचे गिरी टीएसआरटीसी बस, 10 यात्री घायल

आदिलाबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की बस सोमवार तड़के उत्नूर मंडल के श्यामपुर गांव में एक पुल से नीचे नाले में गिर गई। हादसे में करीब 10 यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, बस आसिफाबाद डिपो से चलकर आ रही थी। गांव के बाहरी हिस्से में पहुंचते ही चालक संतुलन खो बैठा और बस पुल से नीचे जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत उत्नूर मंडल मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल दुर्घटना के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्विमिंग पूल में डूबने से छात्रा की मौत

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल स्थित एक निजी स्विमिंग पूल में रविवार को तैराकी अभ्यास के दौरान एक छात्रा की डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान वैष्णवी (18) के रूप में हुई है, जो सिद्दिपेट जिला के जगदेवपुर की रहने वाली थी। वैष्णवी लोयोला अकादमी की छात्रा थी। पढ़ाई के साथ उसने एनसीसी नेवी विंग में भी दाखिला लिया था और एक अनुशासित छात्रा के रूप में जानी जाती थी। वह साईबाबा नगर स्थित एक निजी छात्रावास में अपनी सहेलियों के साथ रह रही थी।

जानकारी के अनुसार, वह ओल्ड अलवाल के सूर्यनगर इलाके में स्थित एक निजी स्विमिंग पूल में नियमित रूप से अभ्यास करती थी। रविवार शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी सहेलियों के साथ अभ्यास के लिए पहुंची। सत्र समाप्त होने के बाद अधिकांश तैराक बाहर आ गए, लेकिन वैष्णवी और उसकी एक दोस्त पूल में ही रहीं। इसी दौरान वह अचानक पानी में फिसलकर डूब गई। साथ मौजूद छात्रा ने तुरंत कोच और स्टाफ को सूचना दी। प्रबंधन ने उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुकी थी। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बीजेपी नेताओं के विरोध में मौन विरोध किया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल ने आज तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा बीजेपी नेताओं की गैर-कानूनी गिरफ्तारी के खिलाफ, नामपल्ली में एमआरओ ऑफिस में शांतिपूर्ण मौन विरोध में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि यह शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र, न्याय और संवैधानिक अधिकारों के प्रति पक्के वादे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि हम सत्ता के गलत इस्तेमाल और विपक्ष की आवाज़ों को दबाने के लिए राजनीति से प्रेरित कामों की कड़ी निंदा करते हैं।

हम हर समय, हर चुनौती और हर संघर्ष में बीजेपी नेताओं के साथ एकजुट और मज़बूती से खड़े हैं।

सच्चाई, न्याय और देश के प्रति हमारा समर्पण अटूट है। अवसर पर उमामहेंद्र गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष, श्रीमती शशिकला कृष्णा, पूर्व पार्षद मंगलहाट, राजकुमार, अमरसिंह, गोपाल महेंद्र, नंदकुमार, प्रमोद, अरुण संदीप, जगपति, श्रीकांत और कई बीजेपी नेता कार्यक्रम में शामिल हुए।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में पुजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, इन्द्रादेवी आगलेचा, अनिता चोयल, निर्मला देवड़ा, नीलू लचेटा, गवरीदेवी परिहार, पोनीदेवी लचेटा, पोनीदेवी बर्फा, केसीबाई मुलैवा, विद्यादेवी गेहलोत व कमला पंवार।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30265108, दिनांक: 16.02.2026

कार्य का नाम : (1) न्यूमेटिक सिस्टम रख-रखाव किट मीडियम, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-9983, मात्रा : 4 संख्यक।
(2) न्यूमेटिक सिस्टम रख-रखाव किट मीडियम, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-9783, मात्रा : 2 संख्यक।
(3) न्यूमेटिक सिस्टम रख-रखाव किट बड़ी, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-9061, मात्रा : 2 संख्यक।
(4) मैकेनिकल सिस्टम मरम्मत किट बड़ा, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-9457, मात्रा : 2 संख्यक।
(5) मैकेनिकल सिस्टम रख-रखाव किट छोटा, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-9801, मात्रा : 6 संख्यक।
(6) गैस्केट वाल्व कवर, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 111539, मात्रा : 12 संख्यक।
(7) ब्रीदर प्रेस / VAC;5 PSI/0.3 PSI/.75 MNPT, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0733/106021, मात्रा : 4 संख्यक।
(8) मैनिफोल्ड MACH सर्विस किट, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-1389, मात्रा : 4 संख्यक।
(9) वाल्व सोलनॉइड मरम्मत किट, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0748, मात्रा : 4 संख्यक।
(10) इनलेट वाल्व किट, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 229495, मात्रा : 4 संख्यक।
(11) ब्रेक पैड, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 249513, मात्रा : 16 संख्यक।
(12) ब्रेक शू होल्डर, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 266200, मात्रा : 8 संख्यक।
(13) शू ब्रेक टाइप K;915 MM व्हील IR, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 278232, मात्रा : 40 संख्यक।
(14) पिन ब्रेक हेड, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. 266319, मात्रा : 8 संख्यक।
(15) ब्लोअर कूलिंग RH;5 HP, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0340/126294, मात्रा : 2 संख्यक।
(16) पावर सप्लाई 120V;1500VA रेकमाउंट 5 आउटलेट, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0958/108541, मात्रा : 2 संख्यक।
(17) PLC MOD डिजिटल इनपुट; 16 इनपुट 24 वोल्ट DC, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-1477/114348, मात्रा : 2 संख्यक।
(18) PLC MOD डिजिटल आउटपुट; 16 आउटपुट 2AMPS, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0611/114351, मात्रा : 2 संख्यक।
(19) PLC 1756 डिजिटल आउटपुट; 32 आउटपुट 10-31VDC, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0553/148059, मात्रा : 2 संख्यक।
(20) PLC 1794 डिजिटल आउटपुट; 8 रिले कॉन्टैक्ट आउटपुट, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0861/128271, मात्रा : 2 संख्यक।
(21) PLC IFM 25P ANLG ISO THRU, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-1317/114476, मात्रा : 2 संख्यक।
(22) PLC IFM 25P ANLG THRU, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-0644/114477, मात्रा : 2 संख्यक।
(23) PLC IFM 20P DIG THRU, RGM-96 स्टोन मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-1362/114489, मात्रा : 2 संख्यक।
(24) PLC IFM 40P DIG FUSED ISO, RGM-96 मशीन के लिए LORAM पार्ट नं. S166-1051/114490, मात्रा : 2 संख्यक।

निर्माता : LORAM (सभी क्रम सं. के लिए), वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 12 महीने (सभी क्रम सं. के लिए)। CONSIGNEE द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.03.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1154/Q/25-26

जीडिमेट्ला में श्री आईमाता मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेट्ला में सीरवी समाज की आस्था के केंद्र श्री आईमाता मंदिर व श्री शीतलामाता मंदिर पर बाबूलाल चोयल, हुक्माराम सोलंकी परिवार एवं समाज बन्धुओं के सानिध्य व पंडित बालराज के मंत्रोच्चारण के बीच ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सोहनलाल परिहार ने बताया कि ज्योत प्रज्वलित कर गाजे-बाजे के साथ नाचते गाते हुए भव्य शोभायात्रा, पूजा- अर्चना, आरती के पश्चात श्री आईमाता मंदिर पर बाबूलाल, सुनील, संतोष चोयल परिवार व शीतलामाता मंदिर पर हुक्माराम, राकेश, राजेश सोलंकी परिवार द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। लाभार्थी बाबूलाल चोयल व हुक्माराम सोलंकी परिवार का बडेर संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व समाज बन्धुओं ने राजस्थानी साफे से विशेष सम्मान किया। समाज बंधुओ व महिलाओं ने राजस्थानी वेष-भूषा में नाचते-गाते हुए महोत्सव का लाभ लिया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। रावतराम बर्फा ने पधारे समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

भारतीय नागरिकों को ...

सहायता हेतु दूतावास के मोबाइल नंबर: +989128109115, +989128109109, +989128109102, +989932179359 मेल: cons.tehdan@mea.gov.in ईरान में रह रहे सभी भारतीय नागरिक https://www.meaeds.com/dequest/home पर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। भारत में रहने वाले परिजन भी ईरान में रह रहे अपने परिजनों के लिए इसी लिंक के जरिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिका, ईरान पर किसी तरह की सैन्य कार्रवाई पर विचार कर सकता है। लंबे समय से दोनों देशों के बीच बातचीत बेनतीजा रही है। जानकारों का मानना है कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर स्ट्राइक की घोषणा कर सकते हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के ...

विभिन्न राज्यों में पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर ईडी ने इस केस की जांच शुरू की थी। यह मामला, पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध की श्रेणी में आता है। ये एफआईआर किंग567, प्ले567, प्लेविन567, गेमएक्सच और अन्य संबंधित प्लेटफार्मों सहित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइटों के माध्यम से आम जनता के साथ धोखाधड़ी, प्रतिरूपण और जबरन वसूली से संबंधित हैं।

जांच में विभिन्न भुगतान गेटवे, फर्जी खातों, विदेशी संस्थाओं और आभासी डिजिटल संपत्तियों के माध्यम से धन के लेन-देन और बाहरी प्रेषण का पता चला है। इससे पहले, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत कर्नाटक और अन्य राज्यों में 60 जगहों पर रेड की गई थी। इससे पहले, ईडी ने केसी वीरेंद्र को पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया था। गत वर्ष 18 अक्टूबर को अतिरिक्त नगर सिविल एवं सत्र न्यायाधीश, बेंगलुरू शहर के न्यायालय में केसी वीरेंद्र के खिलाफ अभियोग दायर किया गया था।

इसके अलावा, पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत दिनांक 29.01.2026 के अनंतिम कुर्की आदेश संख्या 05/2026 के माध्यम से केसी वीरेंद्र और अन्य आरोपियों की लगभग 177.30 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया गया। इसके साथ ही, ईडी ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत इस मामले में 320 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क/जब्त कर ली है।

डॉक्टरों की योग्यता ...

सरकार कहना यह नीतिगत मामला, न्यायिक दखल सीमित :

सरकार ने अदालत से कहा कि यह नीतिगत निर्णय है और जब तक यह स्पष्ट रूप से मनमाना या असंवैधानिक न हो, तब तक न्यायिक समीक्षा का दायरा सीमित होता है। हलफनामे में यह भी कहा गया कि पीजी सीटों पर भारी सार्वजनिक निवेश होता है। इन्हें खाली छोड़ना संसाधनों और प्रशिक्षण क्षमता की बर्बादी होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ेगा।

सरकार ने अंत में कहा कि पर्सेंटाइल में कमी एक 'अनुपातिक प्रशासनिक कदम' है, जो सीटों की बर्बादी रोकने और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सीट आवंटन अब भी मेरिट और उम्मीदवारों की वरीयता के आधार पर ही किया जाता है, इसलिए शैक्षणिक मानकों से कोई समझौता नहीं हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

आईपीएल 2026- धोनी सीएसके के लिए कुछ मैच खेलेंगे

रिपोर्ट में दावा- सभी मैच खेलेंगे या नहीं, टूर्नामेंट के समय तय किया जाएगा

चेन्नई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 के सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। धोनी इस साल जुलाई में 45 साल के हो जाएंगे। सीएसके के मैनेजमेंट ने उनकी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए वे कुछ मैचों से ब्रेक ले सकते हैं।

सीएसके के एक टॉप सोर्स के हवाले से न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया, 'हम इसकी पुष्टि कर सकते हैं कि धोनी चेन्नई आ रहे हैं और उन्होंने इस सीजन के लिए अपनी उपलब्धता स्पष्ट कर दी है। वे सभी मैच खेलेंगे या नहीं, यह फिलहाल कहना मुश्किल है।'

संजू सैमसन के आने से विकेटकीपिंग का विकल्प खुला

इस बार चेन्नई सुपर किंग्स के स्क्वाड में संजू सैमसन की एंट्री हुई है। सैमसन के आने से टीम के पास विकेटकीपिंग के मजबूत विकल्प मौजूद हैं। मैनेजमेंट की योजना है कि जिन मैचों में धोनी को आराम दिया जाएगा, वहां सैमसन ग्लव्ज संभालेंगे।

धोनी पिछले कुछ समय से घुटने और पीठ की समस्या से जूझते रहे हैं। ऐसे में 45 की उम्र में हर मैच में विकेटकीपिंग करना उनके शरीर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। संजू के अलावा टीम में टीम में उर्विल पटेल और कार्तिक शर्मा विकेटकीपर के तौर पर शामिल है। कार्तिक को CSK ने 14.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें शिवम दुबे के साथ फिनिशर के रूप में तैयार किया जा रहा है।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल का मिल सकता है फायदा

पिछले सीजन की तरह इस बार भी धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नजर आ सकते हैं। वे निचले क्रम में आकर फिनिशर की भूमिका निभाते रहे हैं। फिट रहने के लिए उन्होंने अपनी बैटिंग को कुछ खास ओवरों तक ही सीमित रखा है। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि धोनी मैदान पर रहें, भले ही वे सिर्फ आखिरी के कुछ ओवरों में बैटिंग करें या मेंटर की तरह टीम को गाइड करें।

चेपॉक के हर होम गेम में दिखने की उम्मीद

धोनी का चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और वहां के फैंस के साथ एक इमोशनल रिश्ता है। सूत्रों का कहना है कि धोनी कोशिश करेंगे कि वे चेन्नई में होने वाले सभी होम मैच जरूर खेलें। फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता आज भी वैसी ही है और उनके मैदान पर कदम रखते ही पूरा स्टेडियम 'धोनी-धोनी' के नारों से गूंज उठता है। टीम में उर्वील पटेल और कार्तिक शर्मा जैसे युवा विकेटकीपर भी शामिल हैं, जो बैकअप के तौर पर तैयार रहेंगे।

पिछले आईपीएल मैच के दौरान संन्यास की हुई थी चर्चा

पिछले आईपीएल सीजन में जब उनके पेरेंट्स स्टेडियम में मैच देखने पहुंचे तो उनके संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थी। पेरेंट्स के साथ उनकी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी थी। मैच के बाद सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि धोनी के संन्यास के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। धोनी के पेरेंट्स 20 साल बाद उनका कोई मैच देखने पहुंचे थे।

धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। इस दौरान भी उनके पिता पान सिंह और मां देवकी देवी कभी भी उन्हें देखने के लिए दुनिया के किसी भी स्टेडियम में नहीं पहुंचे।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच धोनी के नाम

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए है। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 158 कैच भी लपके हैं।

आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान

धोनी आईपीएलमें 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 226 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है।

धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। उसी फाइनल में उन्होंने आखिरी बार कप्तानी भी की थी। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 133 मैचों में जीत दिला चुके हैं। जबकि 91 में टीम को हार मिली।

भारत ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब जीता

फाइनल में बांग्लादेश को 46 रन से हराया

बैंकॉक, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इंडिया-ए ने विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। टीम ने बैंकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 46 रन से हराया।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई।

भारत के लिए तेजल हसबनीस ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 34 बॉल पर नाबाद 51 रन बनाए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत लगातार दूसरी बार चैंपियन बना

भारत लगातार दूसरी बार विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट जीता है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2023 में बांग्लादेश को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

इस टूर्नामेंट का पहला एडिशन हॉन्गकॉन्ग में खेला गया था। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में सिर्फ 96 रन ही बना सकी।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 44 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। वृंदा दिनेश 19, नंदीनी कश्यप और अनुष्का शर्मा 8-8, और मिनू मणी 0 पर आउट हो गईं।

4 विकेट गंवाकर संकट में फंसी भारतीय टीम को तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 113 रन था, उस समय राधा यादव के रूप में पांचवां विकेट गिरा। राधा ने 30 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौकों की मदद से 36 रन बनाए।

तेजल हसबनीस ने 34 गेंद पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 51 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों की बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की तरफ से कप्तान फाहिमा खातून ने 4 विकेट लिए। फरजाना एसमिन और फातिमा जहान सोनिया को 1-1 विकेट मिला।

प्रेमा रावत ने 3 विकेट लिए

135 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की तरफ से विकेटकीपर शमिमा सुल्ताना ने 20, सरमिन सुल्ताना ने 18, और कप्तान फहिमा खातुन ने 14 रन बनाए।

टी-20 वर्ल्ड कप सुपर 8 में भारत पर ओवर रेट की पेनल्टी

अहमदाबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान भारत को पहली हार का सामना करना पड़ गया। साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 76 रन के बड़े अंतर से हरा दिया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने 187 रन बनाए। भारत 111 रन ही बना सका।

केशव महाराज ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटक लिए। ओवर रेट पेनल्टी के कारण भारत को आखिरी ओवर में 5 खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर खड़े करने पड़े। हार्दिक पंड्या ने रन आउट का मौका गंवाया, वहीं डेविड मिलर ने शिवम दुबे को जीवनदान दे दिया।

भारत पर ओवर रेट की पेनल्टी लगी

टॉस हारकर पहले बॉलिंग करने उतरी टीम इंडिया 20 ओवर पूरे करने के लिए निर्धारित 85 मिनट में 19 ओवर भी नहीं फेंक सकी। इस कारण टीम को आखिरी ओवर के लिए 4 की बजाय 5 खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर खड़े करने पड़े। इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा और टीम ने 20वें ओवर में 20 रन खर्च कर दिए।

41 में से 12 बार, दाएं हाथ के 'जादू' में फंसी टीम इंडिया, 5 मैचों में ही खुल गई पूरी पोल

खेल डेस्क, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी एक बड़ी समस्या से जूझ रही है, वो है राइट आर्म ऑफ स्पिनरों के खिलाफ खराब प्रदर्शन. टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों से ही विरोधी कप्तान पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों को गेंद थमाकर भारत के टॉप ऑर्डर को बांधने और विकेट चटकाने में सफल रहे हैं. यह रणनीति अब टीम के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुकी है, क्योंकि इससे शुरुआती झटके लगते हैं और मिडिल ऑर्डर पर दबाव बढ़ जाता है.

ऑफ स्पिनर्स के खिलाफ बुरा हाल

आंकड़ों के मुताबिक पूरे टूर्नामेंट में भारत के कुल विकेटों में से काफी संख्या ऑफ स्पिनरों ने हासिल की है. इन 5 मैचों में ऑफ स्पिनरों ने भारत के 41 विकेटों में से लगभग एक चौथाई यानी 12 विकेट चटकाए हैं. विरोधी टीमों ने इस कमजोरी को भांप लिया है और लगातार इसका फायदा उठा रही हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह टीम की बल्लेबाजी लाइनअप में लेफ्ट हैंडर बल्लेबाजों की ज्यादा संख्या भी है. ओपनर ईशान किशन और अभिषेक शर्मा दोनों लेफ्ट हैंडर हैं, तिलक वर्मा भी टॉप ऑर्डर में लेफ्ट हैंडर हैं. ऑफ स्पिनरों की गेंद लेफ्ट हैंडरों को बाहर की तरफ जाती है, जिससे उन्हें खेलना

मुश्किल हो जाता है और गलत शॉट्स का खतरा बढ़ जाता है. ग्रुप स्टेज में यह पैटर्न साफ दिखा है. पाकिस्तान के खिलाफ कप्तान सलमान आगा ने खुद पहला ओवर ऑफ स्पिन से डाला और अभिषेक शर्मा को जल्दी पवेलियन भेज दिया. नीदरलैंड्स ने भी आर्यन दत्त से पारी की शुरुआत कराई, जिन्होंने अभिषेक को आउट किया और फिर ईशान किशन को भी परेशान का रास्ता दिखाया. नामीबिया के गेरहार्ड इरासमस ने अपनी ऑफ स्पिन से चार विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजों को पूरी तरह फंसा लिया. अब सुपर-8 में साउथ अफ्रीका के एडन मार्करम ने भी यही रणनीति अपनाई, उन्होंने पहला ओवर खुद फेंका और ईशान किशन को बिना खाता खोले आउट कर दिया. इस मैच में भारत की शुरुआत ही खराब रही, जिससे पूरी पारी लड़खड़ा गई.

अब इन ऑफ स्पिनर्स से होगा सामना

सुपर-8 में आगे भारत के सामने जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीमों के मजबूत ऑफ स्पिनर होंगे. जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट, वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस जैसे खिलाड़ी भारत के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं. ये गेंदबाज अनुभवी हैं और लेफ्ट हैंडरों को परेशान करने में माहिर हैं. अगर टीम इंडिया ने इस कमजोरी को दूर नहीं किया, तो सेमीफाइनल की राह और मुश्किल हो जाएगी.

टीम मैनेजमेंट के सामने अब चुनौती है कि टॉप ऑर्डर में बदलाव लाकर संतुलन लाए, जैसे राइट हैंडर बल्लेबाज को ऊपर लाना या रणनीति में बदलाव. असिस्टेंट कोच रायन टेन डेशकाटे ने भी संजू सैमसन की एंट्री के संकेत दिए हैं, जो राइट हैंडर होने से ऑफ स्पिन के खिलाफ फायदा दे सकते हैं. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम को अब इस मुद्दे पर तुरंत काम करना होगा, ताकि अगले मैचों में ऑफ स्पिनरों का जाल तोड़ा जा सके और मजबूत वापसी हो सके.

कड़े मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से हारी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

होबार्ट, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को शानदार जुझारूपन दिखाने के बावजूद एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने दो गोल से पिछड़ने के बाद आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की और फिर शूटआउट में भारत पर 5-4 से भारी पड़ा। भारत की ओर से अमित रोहिदास (15वां मिनट) और जुगराज सिंह (43वां मिनट) ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोएल रिंटाला (47 वां, 56 वां मिनट) ने दो गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। यह

परिणाम ऐसे समय आया है जब भारत इस साल एफआईएच प्रो लीग में लगातार पांच मुकाबले हार चुका था। इसमें राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण के चार मैच भी शामिल हैं। टीम को होबार्ट चरण के अपने पहले मुकाबले में शनिवार को स्पेन के खिलाफ 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी। मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखते हुए भारतीय खिलाड़ियों के क्षेत्र में दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने संयम बनाए रखा और वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर जेड स्नोडेन ने कुछ अच्छे बचाव किए।

जीत की तलाश में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार आक्रमण जारी रखा, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बेहतरीन बचाव किए, जिनमें एक कमाल का डबल सेव भी शामिल रहा, जिससे भारत मुकाबले में बना रहा। निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी के बाद मुकाबला शूटआउट में पहुंचा। दोनों टीमों ने अपने पहले चार प्रयास सफलतापूर्वक भुनाए। निर्णायक क्षण में आदित्य अर्जुन लालगे के शॉट को स्नोडेन ने रोक दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में कड़ी मेहनत से जीत दर्ज की। भारत अब होबार्ट चरण के अपने तीसरे मुकाबले में मंगलवार को स्पेन से भिड़ेगा।

अब होगी संजू सैमसन की वापसी!

असिस्टेंट कोच रायन टेन डेशकाट ने खुद दिया संकेत

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की जीत का सिलसिला टूट गया है. भारतीय टीम को 12 मुकाबलों के बाद इस टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा है. ये कारनामा साउथ अफ्रीका की टीम ने किया, जिसने भारतीय टीम को अहमदाबाद में खेले गए सुपर-8 मैच में 76 रनों से हराया. वहीं, टी20 वर्ल्ड कप में ये भारत की पहली हार है और इस शिकस्त ने टीम इंडिया की आंखे भी खोल दी हैं. भारतीय टीम के लिए सुपर-8 के बाकी दोनों मैच अब करो या मरो जैसे हैं, जिसके चलते अब टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकते हैं. टीम के असिस्टेंट कोच रायन टेन डेशकाटे ने खुद इसके संकेत दिए हैं.

टीम इंडिया में अब होगा बड़ा बदलाव?

साउथ अफ्रीका से 76 रनों की करारी हार के बाद टीम इंडिया में बड़े बदलाव की संभावना बढ़ गई है. असिस्टेंट कोच रायन टेन डेशकाटे ने पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में वापसी के मजबूत संकेत दिए हैं, जो टीम की टॉप ऑर्डर की लगातार समस्याओं को देखते हुए अहम कदम साबित हो सकता है. मैच के बाद टेन डेशकाटे ने कहा कि टूर्नामेंट में अब तक के पांच मैचों में चार टीमों ने पार्ट-टाइम ऑफ स्पिनर से ओपनिंग की और हर बार विकेट लिया है. उन्होंने कहा कि हर बार पारी की शुरुआत 0/1 या कुछ रनों पर 1 विकेट से हो रही है, जिससे मिडिल ऑर्डर पर भारी दबाव पड़ रहा है. तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव की भूमिका बैकएंड बल्लेबाजों से जोड़ने की है, लेकिन शुरुआती झटकों के कारण ये साझेदारियां नहीं बन पा रही हैं.

टेन डेशकाटे ने टीम में अनुभव की कमी को मानते हुए कहा कि टीम को स्थिरता चाहिए. उन्होंने कहा, 'क्या हम उन खिलाड़ियों के साथ रहें जो पिछले 18 महीनों में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और फिलहाल कुछ रनों से चूक रहे हैं? या फिर ट्विस्ट लें और संजू सैमसन को लाएं, जो न सिर्फ शानदार खिलाड़ी हैं बल्कि टॉप ऑर्डर में राइट-हैंडर बल्लेबाज के रूप में टैक्टिकल फायदा भी देते हैं.' उन्होंने साफ कहा कि अगले कुछ दिनों में ये बड़ा चर्चा का विषय होगा, खासकर दो अहम मैचों से पहले.

अपनी लाइन में रहना, डेविड मिलर का बड़ा बयान, बताया जीत का 'फॉर्मूला'

अहमदाबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने पहले सुपर 8 मैच में हरा दिया. उनकी जीत में डेविड मिलर का सबसे बड़ा योगदान था. मिलर को इसी वजह से प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी मिला. भारत के खिलाफ जीत के बाद अब डेविड मिलर का स्टेटमेंट सामने आया है. वो बेहद खुश दिखाई दिए.

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अहमदाबाद में बड़ा मैच हुआ. टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 स्टेज का यह मैच टीम इंडिया के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा. भारत को 76 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा. डेविड मिलर की 63 रन की पारी साउथ अफ्रीका की जीत में सबसे महत्वपूर्ण रही. मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डेविड मिलर नजर आए और उन्होंने टीम इंडिया को हराने के बारे में बात की. उन्होंने यह माना कि भारत जैसी टीम को हराने के लिए एक लाइन में रहना और प्लान के हिसाब से चलना जरूरी था. प्रेस कॉन्फ्रेंस में डेविड मिलर आए और भारतीय टीम की तारीफ की. उन्होंने इसी बीच कहा कि जीत के लिए टीम को एक लाइन में रहने और प्रदर्शन पर फोकस करने की जरूरत थी. उन्होंने कहा, 'टीम इंडिया को हराया जा सकता है. उनकी टीम शानदार है लेकिन इस तरह के टूर्नामेंट में उन्हें हराना जरूरी है. मैं सामान्य चीजों पर ध्यान देता हूं और ये तय करता हूं कि हम खिलाड़ी के तौर पर अपनी लाइन में रहें और अपना काम पूरा करें.' डेविड मिलर ने आगे कहा, 'हम काफी समझदार टीम हैं. हम लोगों ने साउथ अफ्रीका के लिए काफी क्रिकेट साथ में खेला है. इसी वजह से मुझे लगता है कि हमें अपनी लाइन में रहना चाहिए और इस चीज पर फोकस करना चाहिए कि काम हो जाए. भारत के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है. उनके पास शानदार टीम और खिलाड़ी हैं. हमने उनके खिलाफ और साथ में काफी क्रिकेट खेला है. प्रेशर आता है लेकिन उसे संभालना पड़ता है.' साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और वो 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुके थे. इसके बाद डेविड मिलर ने समझदारी से बल्लेबाजी की. उन्हें डेवाल्ड ब्रेविस और फिर ट्रिस्टन स्टब्स का साथ मिला. डेविड ने सेट होने के बाद बड़े शॉट्स लगाना शुरू किया. उन्होंने 35 गेंदों का सामना करते हुए 180 के स्ट्राइक रेट से 63 रन ठोके. उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके और 3 छक्के जड़े. इसी के दम पर साउथ अफ्रीकी टीम ने 188 रनों का बड़ा लक्ष्य सामने रखा. टीम इंडिया 111 पर ही ऑलआउट हो गई. मिलर को अपने प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला.

'करो या मरो' की स्थिति! सेमीफाइनल का टिकट पाने के लिए टीम इंडिया को करने होंगे ये काम

मुंबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही. भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा. टीम इंडिया के लिए सेमीफाइनल में जगह बनाना मुश्किल हो गया है लेकिन अगर उन्होंने तीन महत्वपूर्ण काम किए, तो वो अगले स्टेज पर पहुंच पाएंगे.

टीम इंडिया कैसे बनाएगी सेमीफाइनल में जगह?

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 में टीम इंडिया की शुरुआत निराशाजनक रही है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा. टीम इंडिया ग्रुप 1 का हिस्सा हैं और हर देश सुपर 8 में तीन मैच खेलेगा. अब भारत का वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच होने वाला है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत को 76 रन से हार मिली और उनका नेट रन रेट अब -3.800 हो गया है. इसके बावजूद टीम इंडिया सेमीफाइनल में जगह बना सकती है. उन्हें इसके लिए तीन काम करने होंगे.

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए क्या करना होगा?

टीम इंडिया को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अब अपने अगले दोनों मैच जीतने होंगे. सिर्फ इतना ही नहीं, उन्हें अपना नेट रन रेट भी बेहतर करना है. ऐसे में उन्हें बड़े अंतर से जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज पर जीत करनी होगी. उन्हें ये भी उम्मीद करनी है कि अन्य टीमें भी बड़े अंतर से हारें. अगर यह सभी समीकरण साथ बैठे, तभी टीम इंडिया सेमीफाइनल में जगह बना सकती है.

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना ही देश की समस्याओं का समाधान : भट्टी

डिप्टी सीएम ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को संबोधित किया

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि यदि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनते हैं तो देश के सामने खड़ी जटिल और गहरी समस्याओं का समाधान संभव है। विकाराबाद में सोमवार को आयोजित जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के डीसीसी अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें और दोनों राज्यों में अधिकतम लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य रखें। उन्होंने 'जाति प्रश्न और आरक्षण- जातिगत भेदभाव के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि देश में जहां भी छुआछूत या भेदभाव की घटनाएं सामने आती हैं, राहुल गांधी स्वयं पहल कर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हैं। केन्द्रीय विश्व विद्यालय, हैदराबाद में रोहित वेमुला की आत्महत्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जातीय भेदभाव के आरोपों के बाद राहुल गांधी विश्वविद्यालय पहुंचे, छात्रों से संवाद किया और आंदोलन को दिशा देने में भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि उस समय राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को परिसर में प्रवेश न करने की सलाह दी थी, क्योंकि वे इस मुद्दे को सामाजिक समस्या के रूप में देखना चाहते थे, न कि राजनीतिक रूप में। भट्टी ने कहा कि कर्नाटक और तेलंगाना में रोहित वेमुला की स्मृति में कानून लाने की दिशा में प्रयास जारी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार 50 दिनों के भीतर जाति जनगणना पूरी कर उसे विधानसभा में प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने की साजिश कर रही है, जबकि कांग्रेस ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सामाजिक-आर्थिक समानता के लिए कई क्रांतिकारी कानून बनाए।

दर्शन पंक्ति में सर्पदंश की घटना का खंडन

तिरुमला, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने मंदिर की दर्शन पंक्ति में एक महिला श्रद्धालु को सर्पदंश होने की खबरों का स्पष्ट खंडन किया है। अधिकारियों के अनुसार तेलंगाना के वारंगल जिले के सरथ बाबू और मोनिका रविवार रात्रि भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के लिए तिरुमला पहुंचे थे। वाहन खड़ा करने के बाद मोनिका समीप के अंधेरे स्थान पर हल्दी लगाने गईं। उसी दौरान उन्हें पैर पर कुछ स्पर्श महसूस हुआ। उनके पति ने पास में एक छोटा सर्प देखा और तुरंत सुरक्षा कर्मियों को सूचित किया। उन्हें तत्काल चिकित्सालय ले जाया गया, जहां परीक्षण में सर्पदंश के कोई लक्षण नहीं पाए गए। सोमवार प्रातः दंपति ने सुरक्षित रूप से दर्शन किए। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने और प्रतिबंधित वन क्षेत्रों में न जाने की अपील की है।

हैदराबाद वैश्विक वैल्यू क्रिएशन हब के रूप में उभर रहा है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी से आगे बढ़ाकर बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य, एयरोस्पेस, विनिर्माण, फिनटेक और डीप टेक जैसे क्षेत्रों में वैश्विक वैल्यू क्रिएशन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने नानकरामगुडा फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया। लगभग 1.5 लाख वर्ग फुट में फैला यह केंद्र करीब 1,200 पेशेवरों को रोजगार देने की क्षमता रखता है। मंत्री ने कहा कि सरकार उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में 400 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) संचालित हैं। मैरियट, मैकडॉनल्ड्स, यूबीएस, डीएजेडएन, वैनगार्ड, एली लिली, एचसीए हेल्थकेयर और सिटिजंस बैंक जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यहां अपने प्रमुख संचालन स्थापित किए हैं। मंत्री के अनुसार, नया केंद्र अमेरिका के हार्टफोर्ड, शिकागो, शार्लोट और कोलंबस स्थित तकनीकी केंद्रों के साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और उन्नत तकनीकी विकास पर काम करेगा।

सीएम कप प्रतियोगिता में छात्रा को तीन स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गीतम डीम्ड विश्वविद्यालय की प्रथम वर्ष वास्तुकला की छात्रा आश्रिता राजू ने तेलंगाना मुख्यमंत्री कप 2025-26 में पिकलबॉल की महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए। राज्य स्तरीय अंतिम चरण की प्रतियोगिता 20 और 21 फरवरी को एलबी स्टेडियम में आयोजित की गई। प्रतियोगिता ग्राम पंचायत स्तर से प्रारंभ होकर मंडल तथा शहरी निकाय स्तर से होती हुई राज्य स्तर तक पहुंची। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान की खेल भावना, अनुशासन और समग्र विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दक्षिण मध्य रेलवे लाएगा देश का पहला 'रेल पार्सल ऐप'

हैदराबाद मंडल में पायलट प्रोजेक्ट का 25 को शुभारंभ

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे 25 फरवरी को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम ऑडिटोरियम में 'रेल पार्सल लॉजिस्टिक्स' विषय पर एक विशेष कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा।

इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और भारतीय रेल की अपनी तरह की पहली पहल 'रेल पार्सल ऐप' का शुभारंभ करेंगे। यह अभिनव ऐप रेल मार्ग से पार्सल भेजने वाले ग्राहकों को डोर-टू-डोर (घर से घर तक) बुकिंग और डिलीवरी सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे का हैदराबाद मंडल इस पायलट परियोजना को लागू करने वाला भारतीय रेल का पहला मंडल होगा। रेल पार्सल ऐप एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो फर्स्ट माइल (घर से पिकअप), मिड माइल (रेल द्वारा परिवहन) और लास्ट माइल (घर तक डिलीवरी) सेवाओं को एकीकृत करता है। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों के लिए पार्सल की आवाजाही को अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाएगा। यह नेक्स्ट जेन ऐप उद्योगों, व्यापारियों, व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं और लॉजिस्टिक्स भागीदारों को एक ही डिजिटल इकोसिस्टम में जोड़ते हुए एंड-टू-एंड सुविधा उपलब्ध कराएगा। ऑनलाइन बुकिंग और डिजिटल भुगतान, नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, यूपीआई आदि, रियल टाइम पार्सल ट्रैकिंग सुविधा, घर से पिकअप और घर तक डिलीवरी की समेकित सेवा, पार्सल की प्रत्येक प्रक्रिया पर मोबाइल पर स्वचालित संदेश (पुश नोटिफिकेशन) की सुविधा होगी। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे, आईआईएम बेंगलुरू के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर करेगा। इसके तहत आईआईएम बेंगलुरू दक्षिण मध्य रेलवे नेटवर्क पर माल ढुलाई लॉजिस्टिक्स बाजार का व्यापक अध्ययन करेगा और मंडलवार विस्तृत व्यवसाय योजनाएं तैयार करेगा। इसका उद्देश्य रेल मार्ग से माल ढुलाई के अनुपात को बढ़ाना है। यह पहल दक्षिण मध्य रेलवे के डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एआईएमआईएम ने निर्दोष युवकों की रिहाई की मांग की

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. अजहरूद्दीन और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश भागवत से अलग-अलग मुलाकात कर बांसवाड़ा में हुई सांप्रदायिक घटना के संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में मोहम्मद मुबीन (बहादुरपुरा विधायक), मीर जुल्फेकार अली (चारमीनार विधायक), अहमद बिन अब्दुल्ला बालाला (मलकपेट विधायक), कौसर मोहिउद्दीन (करवान विधायक), मिर्जा रहमत बेग (एमएलसी) और मिर्जा रियाज-उल-हसन इफेंदी (एमएलसी) शामिल थे। विधायकों ने घटना में गिरफ्तार किए गए आठ मुस्लिम युवकों की तत्काल रिहाई, आगे की गिरफ्तारियों पर रोक तथा प्रभावित दुकानदारों को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की।

उन्होंने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई की अपील की।

बैठक में मस्जिद-ए-मौलाना के कथित ध्वस्तीकरण का मुद्दा भी उठाया गया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि मामले की कानूनी जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही आगामी रमजान माह की तैयारियों की भी समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ का नवाचार शिखर सम्मेलन कल

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (एफटीसीसीआई) 24 फरवरी को जुबली हिल्स स्थित जेआरसी सभागार में अपने प्रमुख नवाचार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी इसका उद्घाटन करेंगे। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विशेष मुख्य सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी) संजय कुमार तथा प्रख्यात जठरांत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.डी. नागेश्वर रेड्डी भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन परंपरागत उद्योगों तथा लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। एक दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य भाषण, परिचर्चाएं, नवप्रवर्तकों के प्रस्तुतीकरण तथा नवाचार चुनौती पोर्टल और विचार दस्तावेज का विमोचन किया जाएगा।

ब्रेन डेड युवक के अंग दान, तीन मरीजों को मिला जीवनदान

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के 24 वर्षीय निजी कर्मचारी कोठा दिनकर को डॉक्टरों की टीम ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों ने राज्य सरकार की जीवन्दन पहल के तहत उनके अंग दान करने का निर्णय लिया। अधिकारियों के अनुसार, 20 जनवरी को केवी रंगारेड्डी जिले के आरबी नगर, शमशाबाद निवासी दिनकर अपनी बाइक से शमशाबाद से गच्चीबावली की ओर सर्विस रोड पर जा रहे थे, तभी एक डीसीएम वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं।

परिवारजन उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां आपातकालीन उपचार दिया गया। हालांकि हालत में सुधार नहीं होने पर 22 फरवरी, 2026 को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। मृतक के पिता कोठा कृष्णा ने पुत्र के अंग दान करने की सहमति दी। डॉक्टरों की टीम ने दो गुर्दे और एक यकृत प्रत्यारोपण के लिए निकालकर जरूरतमंद मरीजों को आवंटित कर दिए। अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के जीवन्दन कार्यक्रम के तहत इस वर्ष अब तक 20 ब्रेन-डेड व्यक्तियों के अंगदान हो चुके हैं, जबकि सोमवार को हुआ यह अंगदान वर्ष 2026 का 21वां अंगदान है।

आम नागरिकों को पारंपरिक चिकित्सा सुलभ होगी : डॉ. सौम्या

चंचलगुड़ा कारागार में आयुर्वेद ग्राम का पुनरारंभ

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चंचलगुड़ा स्थित राज्य कारागार प्रशिक्षण संस्थान परिसर में छह वर्ष के अंतराल के बाद आयुर्वेद ग्राम का पुनरारंभ किया गया। इसका उद्घाटन कारागार एवं सुधार सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह पहल सस्ती जनस्वास्थ्य सेवा और बंदियों के पुनर्वास को एक साथ जोड़ने वाला आदर्श प्रयास है। यहां नाममात्र शुल्क पर प्रामाणिक आयुर्वेदिक उपचार और चिकित्सा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आम नागरिकों को पारंपरिक चिकित्सा सुलभ होगी और समाज तथा कारागार के बीच सकारात्मक संबंध सुदृढ़ होंगे। उन्होंने बताया कि इस केंद्र का सुधारात्मक महत्व भी है। बंदियों को आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों और आरोग्य सेवाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे रिहाई के बाद उन्हें प्रमाणित व्यावहारिक कौशल प्राप्त होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

केंद्र में योग्य आयुर्वेद चिकित्सक एवं उपचारक नियुक्त किए गए हैं। इसे राज्य के अन्य कारागारों में भी आदर्श रूप में लागू करने की योजना है।

पासपोर्ट कार्यालय में 26 फरवरी को वॉक-इन सुविधा निलंबित

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, सिकंदराबाद में प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होने वाली प्रत्यक्ष पूछताछ प्रक्रिया 26 फरवरी, 2026 को प्रशासनिक कारणों से निलंबित रहेगी। उप पासपोर्ट अधिकारी आई श्रीनिवास राव द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, उक्त तिथि को वॉक-इन सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी। इस कारण पासपोर्ट आवेदकों को किसी भी प्रकार की पूछताछ या शिकायत निवारण के लिए कार्यालय आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय प्रशासनिक आवश्यकताओं के चलते लिया गया है। आवेदकों से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित तिथि के बाद ही कार्यालय से संपर्क करें या उपलब्ध ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करें।

हिरासत में यातना प्रकरण में आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

अमरावती, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 2021 में कथित हिरासत यातना मामले में बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी सुनील नायक को सोमवार को बिहार में गिरफ्तार किया। यह मामला वर्तमान में आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष के रघुराम कृष्ण राजू से जुड़ा है। सुनील नायक उस समय आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर कार्यरत थे। गुंटूर जिला पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्हें ट्रांजिट वारंट पर गुंटूर लाया जा रहा है, जहां उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज है। बिहार कैडर के नायक ने प्रतिनियुक्ति पर आंध्र प्रदेश में सेवा दी थी। 2024 में सरकार परिवर्तन के बाद वह बिहार लौट गए और वर्तमान में अग्निशमन सेवा विभाग में महानिरीक्षक के पद पर तैनात हैं।

उल्लेखनीय है कि 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में राजू को गिरफ्तार किया गया था। राजू ने आरोप लगाया था कि पुलिस हिरासत के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने का प्रयास किया गया। 2024 में टीडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने के बाद राजू की शिकायत पर जगन मोहन रेड्डी, तत्कालीन सीआईडी प्रमुख पीवी सुनील कुमार, खुफिया प्रमुख सीतारामंजनेयुलु, सुनील नायक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हिरासत के दौरान राजू को रबर बेल्ट और लाठी से पीटा गया तथा उनकी हालिया बाईपास सर्जरी के बावजूद चिकित्सकीय सुविधा नहीं दी गई। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

तीन साल बाद चिंतापल्ली लौटे प्रवासी पक्षी, ग्रामीणों में खुशी

खम्मम, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के खम्मम ग्रामीण मंडल स्थित चिंतापल्ली गांव में प्रवासी पक्षी तीन वर्षों के अंतराल के बाद इस वर्ष फिर लौट आए हैं। पक्षियों की वापसी से स्थानीय लोगों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। पिछले 50 वर्षों से दिसंबर के अंतिम सप्ताह में ये पक्षी हजारों मील की यात्रा कर गांव पहुंचते रहे हैं। जनवरी में झुंड के रूप में लौटकर वे इमली के पेड़ों पर घोंसले बनाते हैं, जून तक अपने बच्चों का पालन-पोषण करते हैं और फिर वापस चले जाते हैं। ग्रामीण इसे अपनी फसलों के लिए शुभ संकेत मानते हैं।

हालांकि पिछले तीन वर्षों में बंदरों के आतंक और आवास क्षति के कारण यह क्रम टूट गया था। बंदरों द्वारा घोंसलों को नुकसान पहुंचाने और पेड़ों की कटाई से पक्षियों ने आना बंद कर दिया था। पूर्व सरपंच मुत्याम चिन्नी कृष्णा राव ने कहा कि पक्षियों की वापसी गांव के लिए शुभ संकेत है और सरकार से बंदरों की समस्या के समाधान की मांग की। जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि विभाग ने दुबलम्मा तालाब, जिसे चिंतापल्ली चेरुवु भी कहा जाता है, को अधिसूचित आर्द्रभूमि घोषित करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। अधिसूचना के बाद तालाब की सीमाएं और बफर जोन तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तालाब को अधिसूचित करने से संरक्षण के लिए केंद्रीय निधि प्राप्त करने और जैव विविधता सर्वेक्षण कराने में सहायता मिलेगी। उथली आर्द्रभूमि, पर्याप्त भोजन और अनुकूल वर्षा पैटर्न इसे प्रवासी पक्षियों के लिए आदर्श ग्रीष्मकालीन निवास बनाते हैं।

शाबाद में ट्रक-बाइक टक्कर, दो युवकों की मौत

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के शाबाद क्षेत्र में सोमवार को मोटरसाइकिल और ट्रक की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शाबाद मंडल के नागरगुडा एक्स रोड पर उस समय हुआ जब तेज रफ्तार कंटेनर लॉरी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। मृतकों की पहचान हैताबाद गांव निवासी अजय (19) और उदय किरण (20) के रूप में हुई है। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ सवार आज़म नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। शाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि दुर्घटना तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई।

मूसी तट परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पर बढ़ा विरोध

हैदराबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी नदी तट विकास परियोजना के लिए आवासीय संपत्तियों के अधिग्रहण को लेकर विरोध तेज हो गया है। सोमवार को किस्मतपुर और आसपास के इलाकों में प्रभावित परिवारों ने राजस्व अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

किस्मतपुर, दरगाह खलीज खान और हिमायत सागर गांवों में उस समय तनाव बढ़ गया जब अधिकारी नोटिस देने पहुंचे। संपत्ति मालिकों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। लोगों ने अपनी जमीन और मकान छोड़ने से इनकार करते हुए अधिग्रहण की प्रक्रिया को मनमाना बताया। कई लोगों ने तख्तियां लेकर नारेबाजी भी की।

राजेंद्रनगर के राजस्व उप-विभागीय अधिकारी ने प्रस्तावित परियोजना के लिए 19.10 एकड़ भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की है। अधिकारियों का कहना है कि ग्राम सभाओं के माध्यम से परियोजना का उद्देश्य समझाया जा रहा है, लेकिन स्थानीय निवासियों ने इसे अस्वीकार कर दिया है। बंडलागुडा जागीर और राजेंद्रनगर क्षेत्र के कुछ लोगों ने एमआरडीसीएल अधिकारियों से मुलाकात कर परियोजना वापस लेने की मांग की। उनका कहना है कि इससे सैकड़ों परिवार बेघर हो जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार, ग्राम सभाओं के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी और संपत्ति मालिकों को नोटिस जारी किए जाएंगे। गौरतलब है कि सरकार मूसी नदी के 55 किलोमीटर लंबे हिस्से के पुनर्जीवन और इसे स्वच्छ व आर्थिक रूप से सक्रिय शहरी कॉरिडोर में बदलने का दावा कर रही है। हालांकि प्रभावित परिवारों का आरोप है कि उनसे पहले कोई परामर्श नहीं किया गया और उनकी सहमति नहीं ली गई।

चार साइबर जालसाज गिरफ्तार, 1,500 मोबाइल फोन जब्त

आदिलाबाद, 23 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस ने सोमवार को उत्तर भारत के एक नाबालिग समेत चार साइबर जालसाजों के गिरोह का भंडाफोड़ किया। आरोपियों पर बैंक अधिकारियों का वेश बनाकर लोगों से ठगी करने का आरोप है। उनके कब्जे से करीब 1,500 इस्तेमाल किए हुए मोबाइल फोन, मदरबोर्ड और बैटरियां बरामद की गईं।

पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि मोहम्मद इरफान, दिल्ली का 17 वर्षीय साहिल और उत्तर प्रदेश निवासी अनस सहित चारों को आदिलाबाद में वाहन जांच के दौरान संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने गिरोह बनाकर साइबर अपराध करने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने खुलासा किया कि वे आम लोगों से सस्ते दामों पर पुराने मोबाइल फोन खरीदते थे। बाद में इन फोन की मरम्मत कर ग्राहकों से संवेदनशील जानकारी हासिल करते और फोन में मौजूद डाटा का उपयोग साइबर अपराधों के लिए करते थे। प्रेस वार्ता के दौरान आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी, आई टाउन निरीक्षक बी सुनील कुमार, एसआई नागनाथ सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.